THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 35 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वैशाख शु.4 2080 सोमवार, 24 अप्रैल 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

बसव जी ने लोकतंत्र का रास्ता दिया : राहुल

बागलकोट, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर्नाटक के दो दिवसीय दौरे पर हैं। वह इस दौरान बागलकोट जिले में बसव जयंती समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि जहां भी अंधेरा होता है वहां उसी अंधेरे में से कहीं न कहीं रोशनी भी निकलती है। उस समय समाज में अंधेरा था तो बसव जी अंधेरे में रोशनी जैसे निकले थे। बसव जी ने लोकतंत्र का रास्ता हिंदुस्तान और विश्व को दिया और ये सच्चाई है। इसे मिटाया नहीं जा सकता।

राहुल ने आगे कहा कि व्यक्ति ऐसे ही रोशनी नहीं देता है उसे सबसे पहले अपने आप से सवाल पूछने पड़ते हैं दूसरों से सवाल करना आसान होता है, अपने आप से सवाल करना मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि अगर हिंदुस्तान में लोकतंत्र आया, अधिकार आए तो उसकी नींव बसव जी जैसे लोगों ने रखी थी।

राहुल गांधी ने और क्या कहा

बसव जयंती समारोह में कांग्रेस नेता ने कहा कि आप ये मत समझना कि समाज के सामने सच बोलना आसान है। आज हम इनके (बसवेश्वर) सामने फूल रख रहे हैं, लेकिन जब ये जिंदा थे तब इन्हें डराया गया होगा, धमकाया गया होगा, इन पर आक्रमण हुए होंगे लेकिन वे पीछे नहीं हटे, सच्चाई का रास्ता इन्होंने नहीं छोड़ा। इसीलिए आज हम उनके सामने फूल रखे। जो डर जाता है उसके सामने फूल कोई नहीं रखता।

चेवेल्ला में गरजे अमित शाह

भ्रष्ट बीआरएस सरकार की उल्टी गिनती शुरू

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चेवेल्ला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की सरकार और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भ्रष्ट बीआरएस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। अभी-अभी हमारे बंडी संजय को केसीआर ने जेल में डाल दिया। उनको लगता है कि भाजपा कार्यकर्ता जेल जाने से डरते हैं। केसीआर कान खोल कर सुन लो यहां एक-एक कार्यकर्ता आपके अत्याचार और जुर्म सहने से डरता नहीं है। हमारी लड़ाई तब तक समाप्त नहीं होगी, जब तक आपको गद्दी से नीचे नहीं उतार देते हैं।

चेवेल्ला में 'संकल्प सभा' में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि लोगों का ध्यान हटाने के लिए उन्होंने टीआरएस (तेलंगाना राष्ट्र समिति) को

बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) बना दिया। सीएम केसीआर को पता होना चाहिए कि यह तेलंगाना में उनका अंत है। वह भारत के प्रधानमंत्री बनने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तेलंगाना की पुलिस पूरी तरह से राजनीतिक रंग में रंगी हुई है। पीएम मोदी यहां जो भी कल्याणकारी योजनाएं भेजते हैं, वह आम आदमी तक नहीं पहुंचती हैं। सीएम केसीआर चाहे कुछ भी कर लें, वे तेलंगाना के लोगों को पीएम मोदी से दूर नहीं रख सकते।

विकास का काम बीजेपी ही कर सकती

अमित शाह ने कहा कि मैं सीएम केसीआर से पूछना चाहता हूं कि बीजेपी की सरकार बनने से पहले तेलंगाना को पिछले बजट में क्या मिलता था? पहले तेलंगाना को 30,000 करोड़ रुपये मिलते थे और 2022-2023 में पीएम मोदी ने 1,20,000 लाख करोड़ रुपये दिए। विकास का काम बीजेपी ही कर सकती है।

ओवैसी पर भी साधा निशाना

अमित शाह ने कहा कि बीआरएस का चुनाव चिन्ह कार है जिसका स्टीयरिंग मजलिस (ओवैसी) के पास है। अब स्टीयरिंग मजलिस के पास है तो कार की दिशा अच्छी हो सकती है क्या? ये भारत का नक्शा भी बनाते हैं तो उस पर कश्मीर आजाद होता है, आजाद कश्मीर बताकर आपने भारत का अपमान किया है। जनसभा में मुस्लिम आरक्षण पर सनसनीखेज टिप्पणी करते हुए शाह ने कहा कि अगर तेलंगाना में बीजेपी सत्ता में आई तो मुस्लिम आरक्षण खत्म कर दिया जाएगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि अगले चुनाव में तेलंगाना में भगवा झंडा लहराएगा। पेपर लीक मामले पर बोलने वाले अमित शाह ने बिना कुछ गलत किए बंडी संजय को गिरफ्तार किए जाने पर रोष जताया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में युवाओं के साथ अन्याय हो रहा है। किसी भी परीक्षा में पेपर लीक हो रहे हैं। सीएम केसीआर ने पेपर लीक होने पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। मैं पेपर लीक की घटनाओं की सिटिंग जज से जांच की मांग करता हूं। अमित शाह ने कहा कि केंद्रीय योजनाएं राज्य में लोगों तक नहीं पहुंच रही हैं।

28 देशों के एटीएम से उड़ाए 78 करोड़, 11 आरोपी दोषी

पुणे, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे जिले की एक अदालत ने कॉसमॉस बैंक साइबर धोखाधड़ी मामले में 11 लोगों को दोषी ठहराया है। हैकरों ने 2018 में दो दिनों मैलवेयर हमले के जरिए दो दिनों के भीतर 94 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी की थी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक अधिकारी ने बताया कि न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) ने शनिवार को नौ आरोपियों को चार साल और दो अन्य को तीन साल कैद की सजा सुनाई और उन पर जुर्माना लगाया। उन्होंने बताया कि आरोपियों को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और सूचना प्रौद्योगिकी कानून (आईटी एक्ट) के संबंधित प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया गया है। अगस्त 2018 में दो दिनों की अवधि में धोखाधड़ी को अंजाम दिया गया था। इस संबंध में देश के विभिन्न हिस्सों से कम से कम 18 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

जानकारी के अनुसार, हैकर्स ने एक मैलवेयर के जरिए कॉसमॉस बैंक के वीजा और रुपे कार्ड ग्राहकों की जानकारी चुरा ली और स्विफ्ट सिस्टम पर हमला किया और 11 और 13 अगस्त, 2018 को 94 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी की। हैकर्स ने बैंकों के एटीएम स्विच सर्वर पर हमला किया था और 28 देशों के विभिन्न एटीएम से 78 करोड़ रुपये निकाले थे और अन्य 2.5 करोड़ रुपये भारत के भीतर निकाले गए थे।

अमृतपाल 36 दिन बाद अरेस्ट

असम के डिब्रूगढ जेल भेजा : भिंडरांवाला के गांव पहुंचकर गुरुद्वारे से प्रवचन दिए, गिरफ्तारी से मोगा में तनाव

अमृतसर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने 36 दिन की फरारी के बाद मोगा जिले में रोडे गांव के गुरुद्वारे से रविवार सुबह 6 बजकर 45 मिनट पर अरेस्ट कर लिया। इसके बाद पंजाब पुलिस उसे बठिंडा के एयरफोर्स स्टेशन से गई। वहां से उसे असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया। दोपहर पौने 4 बजे पुलिस ने अमृतपाल को डिब्रूगढ़ जेल अथॉरिटी के हवाले कर दिया।

उधर अमृतपाल की गिरफ्तारी के बाद मोगा जिले में तनाव है। यहां पुलिस फोर्स की तैनात के अलावा रोडे गांव में एसएसपी ने खुद फ्लैग मार्च किया।

इस गांव में बने संत खालसा गुरुद्वारे के ग्रंथी ने बताया कि अमृतपाल शनिवार रात को गांव पहुंचा। रविवार सुबह गिरफ्तारी से पहले उसने गुरुद्वारे के ग्रंथी से पांच ककार (केश, कृपाण, कंघा, कड़ा और कच्छा) लेकर पहने और प्रवचन के जरिए लोगों को संबोधित किया।

भिंडरावाले के जन्म स्थान पर सरेंडर की प्लानिंग की

जिस रोडे गांव से अमृतपाल को पकड़ा गया, वहीं जरनैल सिंह भिंडरांवाला का जन्म हुआ था। वारिस पंजाब दे का प्रमुख बनने के लिए यहीं पर अमृतपाल की दस्तारबंदी हुई थी। अमृतपाल समर्थकों की भीड़ के साथ सरेंडर करके शक्ति प्रदर्शन करना चाहता था। इसके लिए रविवार का दिन चुना गया।

अमृतपाल के करीबियों ने ही पंजाब पुलिस को उसके सरेंडर प्लान के बारे में बताया था। पुलिस को आशंका थी कि भीड़ जमा होने पर माहौल बिगड़ सकता है। लिहाजा पुलिस टीम सादे कपड़ों में गुरुद्वारे पहुंची और सुबह-सुबह ही उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने मर्यादा का ध्यान रखा, गुरुद्वारे के अंदर नहीं गई :

पंजाब पुलिस के आईजी हेडक्वार्टर डॉ. सुखचैन सिंह गिल ने कहा, पुलिस ने 35 दिन से दबाव बनाया था। इंटेलिजेंस विंग के पास रोडे गांव में अमृतपाल की मौजूदगी का इनपुट था। उसे नाका लगाकर घेर लिया गया, लेकिन वह गुरुद्वारा साहिब के अंदर था। मर्यादा को देखते हुए पुलिस अंदर नहीं गई। अमृतपाल सिंह से बाहर आने के लिए कहा गया, फिर उसे गिरफ्तार किया गया।

प्रवचन में बोला- गिरफ्तारी अंत नहीं, शुरुआत

गिरफ्तारी से पहले रोडे गांव के गुरुद्वारे में प्रवचन के दौरान अमृतपाल ने कहा, यह जरनैल सिंह भिंडरांवाले का जन्म स्थान है। उसी जगह पर हम अपना काम बढ़ा रहे हैं और अहम मोड़ पर खड़े हैं। एक महीने से जो कुछ हो रहा है, वह सब सभी ने देखा है। हम इसी धरती पर लड़े हैं और लड़ेंगे। जो झूठे केस हैं, उनका सामना करेंगे। ये गिरफ्तारी अंत नहीं, शुरूआत है।

अमृतपाल के माता-पिता ने कहा है कि गिरफ्तारी से पहले वे अमृतपाल से संपर्क में नहीं थे। गर्व की बात है कि बेटे ने सरेंडर किया। अब सरकार ने जिन्हें नाजायज पकड़ा है, उन्हें छोड़ा जाए। साथ ही कहा कि वे डिब्रूगढ़ में अमृतपाल से मिलने जाएंगे।

तख्त पर सरेंडर का प्लान फेल होने पर रोडे गांव पहुंचा

पुलिस सूत्रों के अनुसार अमृतपाल सिंह बैसाखी के दिन यानी 14 अप्रैल को सरेंडर करना चाहता था। उसने बठिंडा में तलवंडी साबो स्थित तख्त दमदमा साहिब में सरेंडर की प्लानिंग की थी। पंजाब पुलिस ने इसका पता चलने पर दमदमा साहिब में सुरक्षा कड़ी कर दी थी। इसके बाद वह 22 अप्रैल को रोडे गांव पहुंचा, जहां पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

समर्थक को छुड़ाने के लिए थाने पर हमला कराया था

अमृतपाल पर एनएसए के तहत केस दर्ज है। वह 36 दिन से फरार था। उसने 23 फरवरी को अपने एक समर्थक की रिहाई के लिए पंजाब के अमृतसर जिले में अजनाला पुलिस थाने पर हमला किया था। उसके बाद से वह पुलिस के रडार पर आ गया था। 18 मार्च को पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए घेराबंदी की, लेकिन वह फरार हो गया था।

>14

पीएम मोदी को मारने की धमकी देने वाला गिरफ्तार

राजीव गांधी जैसा हाल करने की धमकी दी थी, पुलिस ने कोच्चि में बढ़ाई सुरक्षा

कोच्चि, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पीएम मोदी को धमकी भरी चिट्ठी लिखने वाले आरोपी को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। इस शख्स की पहचान जेवियर के रूप में हुई है। जेवियर ने केरल भाजपा अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को भेजे खत में जान से मारने की धमकी देते हुए लिखा था, मोदी का हाल राजीव गांधी जैसा होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 24 अप्रैल को दो दिन के केरल दौरे पर कोच्चि जा रहे हैं।

पड़ोसी को फंसाना चाहता था, इसलिए चिट्ठी लिखी

कोच्चि पुलिस कमिश्नर सेतु रमन के मुताबिक जिस व्यक्ति ने प्रधानमंत्री के खिलाफ धमकी भरा पत्र भेजा था, उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। जेवियर ने निजी दुश्मनी के कारण अपने पड़ोसी को फंसाने के लिए यह खत लिखा था।

जेवियर ने चिट्ठी में एनजे जॉनी के साइन किए थे और नीचे फोन नंबर लिखा था। पुलिस ने जॉनी से पूछताछ की तो उसे चिट्ठी के बारे में कुछ नहीं पता था, लेकिन पड़ोसी जेवियर से झगड़े की बात मानी। एर्नाकुलम के कथरीकादावु के रहने वाले जेवियर को पुलिस ने हैंड राइटिंग की पुष्टि के बाद गिरफ्तार किया।

पुलिस ने बढ़ाई सुरक्षा, 2060 जवान तैनात

इधर, प्रधानमंत्री के कोच्चि पहुंचने से पहले सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इसके लिए 2060 पुलिसकर्मियों को तैनाती की है। साथ ही प्रधानमंत्री के आने-जाने वाले रूट पर दोपहर 2 बजे से ट्रैफिक डायवर्ट रहेगा। आयुक्त ने आगे कहा, प्रधानमंत्री के रोड शो में 15 हजार और युवम-23 इवेंट में 20 हजार लोगों के आने की उम्मीद है। युवम-23 में आने वाले प्रतिभागी केवल मोबाइल फोन ला सकेंगे।

3200 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का करेंगे उद्घाटन

केरल में अपने दो दिवसीय दौरे में पीएम 25 अप्रैल को तिरुवनंतपुरम सेंट्रल स्टेशन पर तिरुवनंतपुरम और कासरगोड के बीच केरल की पहली वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन 11 जिलों तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, कोट्टायम, एर्नाकुलम, त्रिशूर, पलक्कड़, पठानमथिट्टा, मलप्पुरम, कोझिकोड, कन्नूर और कासरगोड को कवर करेगी।

155 देशों के जल से रामलला का अभिषेक हुआ

8 देशों के राजदूत और 40 देशों के अप्रवासी भारतीय भी अयोध्या आए

अयोध्या, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अयोध्या में राम मंदिर का 155 देशों के जल से अभिषेक किया गया। इसमें अमेरिका के 14 मंदिरों और 12 नदियों का जल भी शामिल है। 8 देशों के राजदूत, 40 देशों के अप्रवासी भारतीय कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अयोध्या पहुंचे हैं।

इसमें तजाकिस्तान के ताज मोहम्मद भी हैं। उन्होंने बाबर की जन्मभूमि की नदी कश्क-ए-दरिया समेत कई मुस्लिम देशों की नदियों का जल भेजा है। मणिराम छावनी के सभागार में कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शुरू हुआ। सबसे पहले हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। वहीं, आरएसएस के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश ने नया नारा "भारत जय जगत" दिया।

दिल्ली के पूर्व भाजपा विधायक विजय जौली श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के साथ मिलकर यह कार्यक्रम कर रहे हैं। जौली ने बताया, जलाभिषेक के लिए 155 देशों का जल कलश अयोध्या ला गया। इसमें उज्बेकिस्तान के ताशकंद में चिरचिक नदी, तजाकिस्तान की वख्श नदी, यूक्रेन की डेनिस्टर, रूस की वोल्गा, मॉरिशस की गंगा तालाब और हिंद महासागर का जल भी है।

>14

अधिकारियों ने धर्मपुरी विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांगरूम को तोड़ा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना के जगतियाल जिले के अधिकारियों ने रविवार को तेलंगाना उच्च न्यायालय के निर्देश पर धर्मपुरी विधानसभा क्षेत्र के स्ट्रांगरूम को तोड़ दिया, जो 2018 के चुनावों में हुए वोटों की फिर से गिनती की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। जगतियाल के नुक्कपल्ली गांव में वीआरके कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के स्ट्रांगरूम को जगतियाल के जिला कलेक्टर शेख यासमीन बाशा और अन्य शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में तोड़ा गया, क्योंकि भारत निर्वाचन आयोग के अधिकारियों द्वारा इसकी खोई हुई चाबियों का पता नहीं लगाया जा सका।

अधिकारी मतदान प्रतिशत और सभी उम्मीदवारों द्वारा प्राप्त मतों से संबंधित रिकॉर्ड उच्च न्यायालय में जमा करेंगे। अदालत ने पहले चुनाव आयोग को वोटों की गिनती से संबंधित सीसीटीवी फुटेज और अन्य रिकॉर्ड पेश करने का निर्देश दिया था। हाईकोर्ट के आदेश पर 10 अप्रैल को जिलाधिकारी व अन्य अधिकारी स्ट्रांग रूम खुलवाने पहुंचे थे। लेकिन चुनाव आयोग के अधिकारियों ने चाबियों को गायब पाया। उच्च न्यायालय को इस बारे

में सूचित किए जाने के बाद, उसने अधिकारियों को कमरे को तोड़ने का निर्देश दिया।

चुनाव आयोग के अधिकारी 17ए और 17सी के दस्तावेज उच्च न्यायालय को सौंपेंगे, जो वोटों की पुनर्गणना के लिए कांग्रेस उम्मीदवार अदुलुरी लक्ष्मण कुमार की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के उम्मीदवार कोप्पुला इश्वर को 441 मतों से निर्वाचित घोषित किया गया। इश्वर अब राज्य मंत्रिमंडल में मंत्री हैं। ईश्वर और लक्ष्मण को क्रमश: 70,579 और 70,138 वोट मिले।

लक्ष्मण ने वोटों की गिनती में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए ईश्वर का चुनाव रद्द करने की याचिका दायर की थी। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने इश्वर की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें हाईकोर्ट में कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान लक्ष्मण के वकील ने विसंगतियों की ओर इशारा किया था। उनके अनुसार, रिटर्निंग ऑफिसर ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को अपनी रिपोर्ट में कहा कि सभी 269 मतदान केंद्रों में वोटों की संख्या 1,65,209 थी, जो मतदान का 79.96 प्रतिशत है। हालांकि, उन्होंने दावा किया कि आरटीआई अधिनियम के तहत अधिकारियों द्वारा उन्हें दी गई जानकारी के अनुसार, 1,65,341 वोट डाले गए और मतदान प्रतिशत 80.02 रहा।

25 अप्रैल को शुरू होगी देश की पहली वाटर मेट्रो

कोच्चि में प्रधानमंत्री दिखाएंगे हरी झंडी, फर्स्ट डिजिटल साइंस पार्क का भी इनोग्रेशन करेंगे

कोच्चि, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 अप्रैल को केरल के कोच्चि में देश की पहली वाटर मेट्रो सर्विस का उद्घाटन करने वाले हैं। इसके अलावा मंगलवार को पीएम मोदी तिरुवनंतपुरम में डिजिटल साइंस पार्क का इनोग्रेशन भी करेंगे।

पोर्ट सिटी कोच्चि में वाटर मेट्रो सर्विस को 1,136.83 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट के तहत कोच्चि सिटी से आस-पास के 10 आइलैंड्स को जोड़ा जाएगा।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शेयर किया वीडियो

इस कभी न रुकने वाली कनेक्टिविटी का यह काम बैटरी-ऑपरेटेड इलेक्ट्रिक हाइब्रिड बोट्स से किया जाएगा। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को कोच्चि वाटर मेट्रो को राज्य का ड्रीम प्रोजेक्ट बताया है। एक ट्वीट में उन्होंने कहा कि साउदर्न स्टेट्स के ट्रांसपोर्ट एंड टूरिज्म सेक्टर्स के लिए अच्छा समय आने वाला है।

पुंछ हमले में आतंकवादियों ने स्टील कोर बुलेट्स का प्रयोग किया

>> ये बख्तरबंद ढाल को भेद सकती हैं, सेना के ट्रक पर आगे से स्नाइपर अटैक<<

श्रीनगर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 20 अप्रैल को आर्मी के ट्रक पर आतंकी हमला हुआ था। इस हमले में 5 जवान शहीद हो गए थे। मामले की जांच एनएसजी और एनआईए की टीम कर रही है। घटना को लेकर रविवार को एक जानकारी सामने आई है। एनआईए के मुताबिक, आतंकियों ने ट्रक से जा रहे जवानों पर हमले के लिए स्टील कोर बुलेट्स का इस्तेमाल किया। ये बुलेट्स बख्तरबंद ढाल को भेदने में सक्षम थी।

माना जा रहा है कि भाटा धुरियान के घने जंगल वाले इलाके में एक स्नाइपर ने ट्रक को आगे से निशाना बनाया। इसके बाद अन्य आतंकवादियों ने ट्रक पर गोलियां बरसाई और ग्रेनेड फेंके। सैनिकों को जवाबी कार्रवाई करने का समय नहीं मिला।

सेना के ट्रक में इफ्तार के लिए खाने का सामान था। इसे लेकर वे पास के गांव जा रहे थे। ये जवान आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए तैनात राष्ट्रीय राइफल्स की एक यूनिट से थे। बता दें कि हमले के बाद आतंकवादी सैनिकों के हथियार लेकर फरार हो गए।

एनएसजी और एनआईए ने जानकारी जुटाई

राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) सहित विभिन्न एजेंसियों के विशेषज्ञों ने पिछले दो दिनों में हमले के स्थल का दौरा किया है और घातक हमले वाली जगह का दौरा किया और हमले को लेकर स्पष्ट जानकारी जुटाई।

हालांकि जिस क्षेत्र में हमला हुआ था, उसे लंबे समय से आतंकवाद मुक्त माना जाता रहा है। भाटा धूरियन जंगल इलाका आतंकवादियों के लिए भारत में घुसपैठ का रास्ता था। यहां नियंत्रण रेखा (एलओसी) को पार कर आतंकी आते रहे हैं। यह इलाका घने जंगल और प्राकृतिक गुफाओं वाला है।

12 से अधिक लोग हिरासत में

अधिकारियों ने कहा कि पुंछ हमले के सिलसिले में पूछताछ के लिए 12 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है, लेकिन अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बल घने जंगल का मुआयना करने के

लिए ड्रोन और खोजी कुत्तों का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन अभी तक सफलता हाथ नहीं लगी है। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि आतंकवादी सुरक्षा के जाल से बचने के लिए घने जंगल में सुरक्षित ठिकाने बनाने में कामयाब रहे हैं या पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुस गए होंगे।

भाड़े के सैनिकों की हरकत

अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक रिपोर्ट में हमले में कुछ विदेशी भाड़े के सैनिकों सहित लगभग पांच आतंकवादियों के शामिल होने की बात सामने आ रही है। घात लगाकर हमला करने के बाद, आतंकवादियों ने संभवतः ग्रेनेड के साथ-साथ स्टिकी बमों का भी इस्तेमाल किया जिससे वाहन में आग लग गई। अधिकारियों ने कहा कि हमले को अंजाम देने वालों के बारे में माना जाता है कि वे एक साल से अधिक समय से राजौरी और पुंछ में थे और उन्हें इलाके की पर्याप्त जानकारी थी। यह काफी कठिन है।

उन्होंने बताया कि यह इलाका जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स (जेकेजीएफ) का गढ़ है क्योंकि इसका कमांडर रफीक अहमद उर्फ रफीक नई इसी इलाके का रहने वाला है। सूत्रों ने कहा कि अभी तीन से चार आतंकवादी समूह राजौरी और पुंछ क्षेत्र में सक्रिय हैं।

जैश-ए-मोहम्मद की प्रॉक्सी शाखा, प्रतिबंधित आतंकी समूह पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। ऐसी खबरें हैं कि यह प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा की करतूत है।

शहीदों की पहचान लांस नायक देबाशीष बसवाल, लांस नायक कुलवंत सिंह, सिपाही हरकिशन सिंह, सिपाही सेवक सिंह और हवलदार मनदीप सिंह के रूप में हुई है।

सीमा सुरक्षा बल में तैनात मंडी के जवान की दिल का दौरा पड़ने से मौत

शिमला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) में तैनात मंडी जिले के हेड कांस्टेबल श्रवण कुमार की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले के मेरा मॉसी निवासी बीएसएफ जवान श्रवण कुमार बीती रात श्रीनगर में अचानक बेहोश हो गए। उन्हें इलाज के लिए एसएमएचएस अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। श्रवण कुमार इन दिनों पंथा चौक स्थित 42 बटालियन में तैनात थे। चिकित्सकीय औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद शव को यूनिट को सौंप दिया गया है। सीआरपीसी की धारा 174 के तहत कार्रवाई अम्ल में लाई जा रही है। श्रवण कुमार अपने पीछे दो बेटियां और एक बेटा छोड़ गए हैं। बड़ी बेटी बीएससी कर चुकी है। छोटी बेटी 12वीं कक्षा में और बेटा आठवीं कक्षा में पढ़ता है।

अमृतपाल की गिरफ्तारी पर बोले सीएम मान

18 मार्च को पकड़ सकते थे, लेकिन तब गोलियां चलानी पड़ती

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतपाल सिंह की गिरफ्तारी के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि मैं पंजाब के साढ़े तीन करोड़ लोगों को आश्वस्त करता हूं कि पंजाब में अमन शांति है। सीएम ने अमृतपाल का नाम लिए बिना कहा कि मुझे इस मामले की पूरी जानकारी थी। मैं कल पूरी रात नहीं सोया, हर 15 मिनट में मैं अपडेट ले रहा था क्योंकि मैं नहीं चाहता था कि कोई भी खून खराबा हो। लेकिन पंजाब के लिए मुझे नींद गंवाने का कोई दुख नहीं है। भगवंत मान ने कहा कि 18 मार्च को भी अमृतपाल की गिरफ्तारी हो सकती थी लेकिन गोली चलानी पड़ती, इसलिए पंजाब पुलिस ने काफी संयम बरता। उन्होंने पंजाब पुलिस की पूरे ऑपरेशन के लिए पीठ भी थपथपाई। सीएम मान ने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। मान ने कहा कि आप सरकार लोगों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए काम कर रही है और यह हमारी जिम्मेदारी और कर्तव्य है।

'शिंदे सरकार महज 15 दिनों की मेहमान'

संजय राउत बोले- सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई रुकने से टला 'डेथ वारंट'

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्रः उद्धव शिवसेना गुट के नेता संजय राउत ने बड़ा बयान दिया है। राउत ने कहा है कि शिंदे--फडणवीस सरकार का डेथ वारन्ट निकल चुका है।।बस तारीख का ऐलान होना बाकी है। मैंने पिछली बार कहा था कि फरवरी में शिंदे सरकार गिरेगी पर सुप्रीम कोर्ट से फैसला आने में देरी हो रही है, इसलिए लाइफ लाइन बढ़ गयी है। अब देख लीजिएगा अगले 15 से 20 दिनो में यह सरकार गिर जाएगी।

जो गए वो भगवान को प्यारे हो गए

राउत ने कहा कि जिन 40 विधायकों ने शिवसेना से गद्दारी की, उनके फिर से वापस लौटने या दोबारा पार्टी में शामिल करने का सवाल ही नहीं है। जो चले गए वो चले गए। वो भगवान को प्यारे हो गए। अब उनके लिए पार्टी के दरवाजे बंद हो गए हैं।

संजय राउत ने कहा कि भाजपा नेता राधाकृष्ण विखे पाटिल बोलते हैं कि फडणवीस ही उनके लिए सीएम हैं तो उन्हें ही बनाये सीएम। शादी की तो मंगलसूत्र किसी और से पहना और फेरे किसी तीसरे के साथ लिया।।आखिर यह क्या चल रहा है। कोरोना काल में जमकर भ्रष्टाचार हुआ और यह करप्शन शिंदे गुट के नेता गुलाब राव पाटिल ने किया। वेंटिलेटर खरीदने में 400 करोड़ का घोटाला हुआ है और इस घोटाले के कागजात और सबूत मैंने देवेंद्र फडणवीस को भेजा था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तो क्या फडणवीस का इन्हें श्रेय प्राप्त है?

डेथ वारंट निकल चुका है, बस डेट आने दीजिए

यहां ऐसा है कि हर कोई सीएम बनने की गणित बैठा रहा है। हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतज़ार कर रहे हैं, लेकिन जो सीएम और उनके 40 विधायको का राज चल रहा है वो अगले 15-20 दिनों में गिरने और डिस्क्वालिफायड होने से नही बचेंगे। यह सरकार टिकेगी नही।

इस सरकार का डेथ वारंट लिखा जा चुका है और अब इसपर किसका और कौन मुहर लगाता है यह देखना है। खत्म करना अब श्रद्धांजलि देने की तैयारी कीजिये। हम 24 का विधानसभा चुनाव फिर से जीतेंगे और हम पाचोरा,जलगांव ग्रामीण,चोपड़ा। जहां-जहां के भी गद्दार छोड़कर गए है, उन सभी जगहों पर हम फिर जीतेंगे, क्योंकि मैने ग्राउंड पर देखा है। यह गद्दार लोग हमें छोड़ गए लेकिन मतदाता और सभी लोग हमारी पार्टी के साथ बने हुए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

बेंगलुरु, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जनता दल (सेक्यूलर) के नेता एवं कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी को थकावट और सामान्य कमजोरी की शिकायत पर अस्पताल में भर्ती कराया गया और अब वह 'चिकित्सीय रूप से स्थिर हैं तथा स्वस्थ हो रहे हैं।' उनका इलाज कर रहे अस्पताल ने रविवार को यह जानकारी दी है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री के कार्यालय ने बताया कि 63 वर्षीय कुमारस्वामी को बुखार था और डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी थी। वह लगातार राज्य का दौरा कर रहे थे। अस्पताल ने एक बयान में कहा, ''एच डी कुमारस्वामी को ओल्ड एअरपोर्ट रोड बेंगलुरु के मणिपाल हॉस्पिटल में 22 अप्रैल 2023 की शाम को भर्ती कराया गया और वह डॉ। सत्यनारायण मैसूर की देखरेख में हैं। उन्हें थकावट और सामान्य कमजोरी की शिकायत थी।'बयान में कहा गया है, ''सभी संबंधित चिकित्सीय जांच और उपचार किया जा रहा है। वह चिकित्सीय रूप से स्थिर हैं और स्वस्थ हो रहे हैं।''

कुमारस्वामी कर्नाटक में 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर जद (एस) उम्मीदवारों के प्रचार के लिए लगातार राज्य का दौरा कर रहे हैं। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा कि कुमारस्वामी ने पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं से चिंता न करने का अनुरोध किया और कहा कि वह आराम करने के बाद चुनाव प्रचार अभियान में हिस्सा लेंगे। कुमारस्वामी ने पहले हृदय की एक सर्जरी कराई थी।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा

विश्व में सिर्फ भारत ने श्रीलंका की मदद की, रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी बोले

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को एक सभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हम धर्म के लिए आगे बढ़ रहे हैं। दूसरे देश बड़े होकर सिर्फ दूसरों पर डंडा चलाते हैं। पहले रूस चलाता था, फिर अमेरिका का वर्चस्व बढ़ा, फिर अमेरिका डंडा चलाने लगा। अब चीन आया है, ऐसा लगता है कि अब वह अमेरिका को पछाड़ देगा।

यूक्रेन का साथ देने वाला देश भारत है

मोहन भागवत ने कहा कि यूक्रेन को मोहरा बनाकर अमेरिका और रूस लड़ रहे हैं। दोनों भारत को कहते हैं, हमारे तरफ आओ, हमारा पक्ष लो। लेकिन भारत रूस-अमेरिका से कहता है कि आप भी हमारे दोस्त और आप भी हमारे दोस्त हो, और यह तीसरा जो आप दोनों के बीच दब गया है, वह भी हमारा दोस्त है। इसलिए पहले मैं इसकी मदद करुंगा। भारत का कहना है कि आप दोनों में से मैं किसी का पक्ष नहीं लेता। ये लड़ाई का जमाना नहीं है लड़ना बंद करो।

श्रीलंका की सिर्फ भारत ने मदद की

आरएसएस चीफ ने कहा कि आज भारत धर्म के लिए आगे बढ़ रहा है। पहले श्रीलंका और चीन की दोस्ती थी, उन्होंने पाकिस्तान को दोस्त बना लिया, लेकिन हमें थोड़ा दूर रखा। अब जब श्रीलंका पर संकट आया तो किसने मदद की, कौन सामने आया, सिर्फ एक देश भारत।

हम लोगों की मदद करते हैं

संघ प्रमुख का कहना है कि धर्म को मानने वाला देश कभी किसी का लाभ नहीं उठाएगा। परस्पर जीने के लिए हम एक दूसरे का लाभ उठाते हैं, लेकिन वह प्रेम का लेन-देन होता है। सौदा का लेन-देन नहीं होता। भागवत ने आगे कहा कि भारत लाभ ले रहा है, क्यों नहीं लेगा। लेकिन जब हमारे लाभ की आवश्यकता किसी और को है, हमारे कमाए हुए से कोई और भूखा जीवित रह सकता है तो भारत देने वाला देश है।

केदारनाथ में हादसा

निरीक्षण के लिए पहुंचे यूकाडा के वित्त नियंत्रक की हेलीकॉप्टर की चपेट में आने से मौत

देहरादून, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम रविवार दोपहर बड़ा हादसा हो गया। हेलीकॉप्टर के पंखे से टकराकर यूकाडा के वित्त नियंत्रक अमित सैनी की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब यूकाडा के वित्त नियंत्रक अमित सैनी केदारनाथ हेलीपैड निरीक्षण के लिए गए थे। रुद्रप्रयाग एसपी ने मामले की पुष्टि की। केदारनाथ हेलीपैड पर हेली से उतरते हुए अमित सैनी हेलीकॉप्टर की चपेट में आ गए। क्रिस्टल एविएशन कंपनी का हेलीकॉप्टर से यह दुर्घटना हुई है। एसडीआरएफ के अधिकारी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में कोरोना विस्फोट

पांच जज हुए संक्रमित, सेम सेक्स मैरिज पर सुनवाई टली

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में कोरोना एक बार फिर से डराने लगा है। मामलों में लगातार उछाल देखा जा रहा है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से भी चौंकाने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं। वहीं, इस बीच खबर है कि सुप्रीम कोर्ट के पांच जज कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जानकरी के मुताबिक, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस एस रवींद्र भट्ट, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस अनिरुद्ध बोस और जस्टिस मनोज मिश्रा कोरोना से संक्रमित हुए हैं।

इन जजों के कोरोना संक्रमित होने के चलते सेम सेक्स मैरेज पर सोमवार को होने वाली सुनवाई फिलहाल के लिए टल गई है। यह इसलिए क्योंकि पांच जजों में एक जज वो भी हैं, जो इस समलैंगिक विवाह मामले की सुनवाई कर रही बेंच का हिस्सा है। बता दें कि जस्टिस एस रवींद्र भट सेम सेक्स मैरेज मामले में संविधान पीठ का हिस्सा हैं। दिल्ली में शनिवार कोरोना के 1515 नए मामले सामने आए और छह लोगों की इससे मौत हो गई। दिल्ली में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 20,32,424 हो गई है। वहीं, मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 26,595 हो गया है। दिल्ली में कोरोना संक्रमण दर 26.46 फीसदी दर्ज की गई है। दिल्ली में सक्रिय मरीजों की संख्या 6,271 है। वहीं, महाराष्ट्र में शनिवार को कोरोना के 850 नए मामले सामने आए जबकि चार मरीजों की मौत हो गई। बता दें कि देश में शनिवार को कोरोना के 12,193 नए मामले सामने आए थे और 42 लोगों की इसके कारण मौत हो गई। इसी के साथ देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 67,556 हो गई है। वहीं, कोरोना से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 5,31,300 हो गया है। वहीं, पिछले 24 घंटे में 10,765 लोग करोना से ठीक हुए। कोरोना के बढ़ते मामलों ने केंद्र सरकार की टेंशन बढ़ा दी है। बीते दिनों स्वास्थ्य मंत्रालय ने आठ राज्यों को पत्र लिखा था और कोरोना से सावधान रहने की सलाह दी थी।

मंत्रालय ने जिन राज्यों को चिट्ठी लिखी थी, उनमें दिल्ली, केरल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के नाम शामिल हैं।

रतलाम से इंदौर जा रही डेमू ट्रेन के दो कोच में लगी आग

रतलाम, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम से इंदौर के लिए निकली डेमू ट्रेन के 2 कोच में रविवार सुबह प्रीतम नगर रेलवे स्टेशन पर आग लग गई। हादसे में किसी यात्री के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। सभी यात्री सुरक्षित नीचे उतर लिए गए हैं। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। आग लगने की घटना सुबह 7 बजे के लगभग की है। सूचना मिलने पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंची। प्रत्यक्षदर्शी के अनुसार ट्रेन में सवार यात्री नीचे उतरकर प्रीतम नगर रेलवे स्टेशन से पैदल ही 6 किलोमीटर दूर फोरलेन स्थित रत्नागिरी पहुंच रहे हैं। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। घटना में किसी के हताहत होने की कोई जानकारी सामने नहीं है। रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। आग ट्रेन के ड्रायविंग कोच में लगी थी जिस पर काबू पा लिया गया है और हादसे में दो बोगियां जली हैं। आग लगने की घटना के बाद रेल विभाग यात्रियों के लिए दूसरी ट्रेन की व्यवस्था नहीं कर सकता। इस कारण यात्री खुद ही अपना सामान लकेर रेलवे स्टेशन के समीप के रत्तागिरी फोरलेन पहुंचे और अलग-अलग साधनों से गंतव्य के लिए रवाना हुए। रेल विभाग की टीम आग लगने के कारणों की जांच के लिए मौके पर पहुंची है। इस घटना के कारण दूसरी ट्रेनें भी थोड़े समय के लिए प्रभावित हुई हैं।

भगोड़े नीरव मोदी के मुंबई में 3 फ्लैट्स

ईडी के लिए क्यों बन गए सिरदर्द? 5 साल से हैं बंद

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब नेशनल बैंक घोटाले में भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी के तीन फ्लैट्स ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की नाक में दम कर रखा है। ये तीनों फ्लैट्स दक्षिण मुंबई के वर्ली समुद्र किनारे स्थिति हैं। ईडी ने इन फ्लैट्स को निलामी के लिए रखा था, लेकिन कानूनी बाधाओं की वजह से इन फ्लैट्स का कोई खरीदार नहीं मिल पा रहा है। इन फ्लैट्स का अनुमानित बाजार मूल्य 110 करोड़ रुपए आंका गया था। ईडी के अधिकारियों का कहना है कि इन फ्लैट्स में महंगे घरेलू सामान और पेंटिंग्स है। ईडी सूत्रों के हवाले से लिखा है कि नीरव मोदी के भाग जाने के बाद से पिछले पांच सालों से इन फ्लैट्स पर ताला लटका हुआ है। सीबीआई और ईडी की ओर से पीएनबी घोटाले में केस दर्ज किए जाने के तुरंत बाद नीरव मोदी साल 2018 में देश छोड़कर भाग गया था। सरकार अगर इन फ्लैट्स को गेस्ट हाउस में बदलती है तो इनके रखरखाव के लिए बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। सूत्रों ने कहा कि फ्लैट्स के अंदर घरेलू सामान, बर्तन और पेंटिंग्स सही हालत में हैं, लेकिन फिर भी सरकार की इन संपत्तियों के रिनुअल और रखरखाव में कोई दिलचस्पी नहीं है।

ईडी के सामने क्या-क्या चुनौतियां हैं?

सूत्रों ने बताया कि अभी ईडी दवा तस्कर इकबाल मिर्ची के जब्त किए गए परिसरों का इस्तेमाल जोन 2 कार्यालय के लिए कर रही है। अगर ईडी नीरव मोदी के फ्लैट्स को गेस्टहाउस के रूप में इस्तेमाल करती भी हो तो अंदर रखे महंगे सामानों को शिफ्ट करने में चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। ईडी के अधिकारियों को डर है कि अगर सामानों को कोई नुकसान पहुंचता है तो इससे विवाद पैदा हो सकता है।

ईडी ने पिछले साल शुरू की थी इन फ्लैट्स की नीलामी की प्रक्रिया

सूत्रों का कहना है कि ईडी के अधिकारियों ने बीच का रास्ता निकालने के लिए दिल्ली में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इस मुद्दे पर चर्चा की, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है। ईडी ने पिछले साल इन फ्लैट्स की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की थी, लेकिन प्रक्रिया में देरी हो गई, क्योंकि नीरव के बेटे ने इस पर अपने स्वामित्व का दावा करते हुए कोर्ट का दरवाजा खटखटा दिया। भारत में नीरव मोदी को कोर्ट ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर रखा है।

हैवानियत की हदें पारः चाकू से किए वार से युवक की आंतें आई बाहर, बेरहमी से उतारा मौत के घाट

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक युवक की चाकू से बेहरहमी से हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि युवक पर चाकू से इस तरह से वार किए गए कि उसकी आंतें बाहर निकल आईं। फिलहाल पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 12.23 बजे उन्होंने पीसीआर कॉल मिली। जिसमें बताया गया कि राज पार्क राठी अस्पताल की गली के पास एक व्यक्ति का शव पड़ा है। उसपर चाकू से वार इतना बेरहमी से किया गया था कि उसकी आंत बाहर गिर गई थीं।

लैंड डील मामले में रॉबर्ट वाड्रा को क्लीन चिट नहीं

सरकार बोली- गलत तरीके से पेश की गई रिपोर्ट

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। रॉबर्ट वाड्रा लैंड डील मामले में क्लीन चिट की बात को हरियाणा सरकार ने गलत बताया है। सीएम मनोहर लाल खट्टर के ओएसडी जवाहर यादव ने कहा कि किसी को भी क्लीन चिट नहीं दी गई है। एक दिन पहले ये मामला राजनीतिक गलियारों पर चर्चा का विषय बन गया। कांग्रेस ने कहा कि रॉबर्ट वाड्रा को क्लीन चिट मिल गई है। अब हरियाणा सरकार ने कहा है कि ऐसा कुछ नहीं हुआ जबकि अभी तक जांच जारी है। वहीं इस मामले में चर्चित आईएएस अशोक खेमका ने भी बयान दिया है। हरियाणा सीएम ऑफिस की तरफ से कहा गया है कि मामले की जांच का एक अंश गलत तरीके से पेश किया गया। सोशल मीडिया पर जिस रिपोर्ट का हवाला देकर दावा किया जा रहा है वो तहसीलदार की रिपोर्ट है। सीएम के ओएसडी का कहना है

कि इस रिपोर्ट का केवल एक हिस्से को ही दिखा रही है। यहां पर लिखा गया है कि स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने डीएलएफ यूनिवर्सिल को सितंबर 2019 जमीन बेंची थी।

तहसीलदार की रिपोर्ट

तहसीलदार की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसमें कोई अनियमिताएं नहीं बरती गईं। रिपोर्ट के इसी पार्ट को लेकर कहा गया था कि वाड्रा को क्लीन चिट मिल गई है। आपको याद होगा जब पहली बार आईएएस अशोक खेमका ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया था। खेमका ने तंज कसते हुए एक सवाल किया कि 2014 चुनावों में बड़ा मुद्दा बने घोटालों में किसे सजा हुई?

2012 को आईएएस अशोक खेमका ने रद्द किया था सौदा

खेमका ने कहा कि क्या करप्शन सिर्फ इलेक्शन के समय एक मुद्दा बनने तक सिमट जाएगा। ये वही खेमका हैं, जिन्होंने 2012 में डीएलएफ और रोशनदान आतिथ्य के बीच 3।5 एकड़ जमीन ट्रांसफर करने वाली डील रद्द कर दी थी। उस वक्त देश में कांग्रेस की सरकार थी। खेमका की गिनती उन अफसरों में होती है जो किसी के दबाव में आकर काम नहीं करते। रॉबर्ट वाड्रा लैंड डील मामले की जांच अभी भी चल रही है। कांग्रेस ने कहा है कि जमीन को लेकर कुछ भी गलत नहीं है, बीजेपी ने सिर्फ सत्ता पाने के लिए बदनाम किया।

सिद्धारमैया के लिंगायत वाले बयान पर भड़के सीएम बसवराज बोम्मई कहा- चुनाव में जनता जवाब देगी

बेंगलुरु, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव होने में अब केवल 17 दिन बाकी है और राज्य में राजनीति गरमा गई है। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने हाल ही में ऐसा बयान दे दिया है कि बीजेपी आड़े हाथ लेने में लगी है। दरअसल, सिद्धारमैया ने लिंगायतों को लेकर कहा, राज्य में पहले से ही लिंगायत समुदाय के मुख्यमंत्री हैं और वो भ्रष्टाचार की जड़ हैं। सिद्धारमैया के इस बयान पर कर्नाटक सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा, पूर्व सीएम को इस तरह का बयान नहीं देना चाहिए। ये उचित नहीं। उनका ये कहना कि पूरा लिंगायत समुदाय भ्रष्ट है ये निंदनीय है। सीएम बोम्मई आगे बोले, अतीत में ब्राह्मण समुदाय का मजाक उड़ाया गया था। इससे पहले जब वे मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने लिंगायत-वीरशैव समुदाय को तोड़ने की कोशिश की थी। राज्य के लोग सिद्धारमैया को सबक सिखाएंगे। दरअसल, एक न्यूज चैनल के पत्रकार ने सिद्धारमैया से पूछा था कि क्या लिंगायत समुदाय के नेता को दोबारा मुख्यमंत्री बनना चाहिए? जिसके जवाब में उन्होंने कहा था

कि, पहले से ही लिंगायत मुख्यमंत्री हैं और वो सारे भ्रष्टाचार की जड़ हैं। कर्नाटक बीजेपी ने सिद्धारमैया के इस बयान का वीडियो शेयर करते हु ट्वीट किया। पार्टी की ओर से कहा गया, 'यह अक्षम्य है कि एक व्यक्ति जो समुदाय को बांटने की कोशिश कर रहा है, अब वह कह रहा है कि समुदाय भ्रष्ट है!' बीजेपी ने सिद्धारमैया के इस बयान को लिंगायत समुदाय का अपमान बताया। वहीं, इस बयान पर गरमाए मामले को देख सिद्धारमैया ने अपनी सफाई में कहा, बीजेपी इसे एक चुनावी मुद्दा बनाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, मैंने केवल मुख्यमंत्री को भ्रष्ट बताया था जो भ्रष्टाचार में विश्वास रखते हैं। उन्होंने कहा, मेरे बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है जिससे कुछ नहीं बल्कि विवाद पैदा हो।

कालियागंज में रेप की घटना पर बिफरीं सांसद लॉकेट चटर्जी

कानून-व्यवस्था पर उठाया सवाल; सीबीआई जांच की मांग

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर दिनाजपुर के कालियागंज में छात्रा के साथ रेप की घटना से बंगाल की सियासत गरमा गई है। भाजपा सांसद लॉकेट चटर्जी ने कालियागंज में छात्रा की असामान्य मौत की सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने रविवार को हुगली के सिंगुर में कार्यकर्ताओं की बैठक में हिस्सा लिया। वहां लॉकेट चटर्जी ने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाये हुए राज्य बाल सुरक्षा अधिकार आयोग पर जमकर हमला बोला।कालियागंज कांड में राज्य बाल सुरक्षा अधिकार आयोग ने राष्ट्रीय बाल सुरक्षा अधिकार आयोग पर निशाना साधा था। राज्य बाल सुरक्षा अधिकार आयोग ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय बाल सुरक्षा अधिकार आयोग के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो बिना कुछ जाने भड़काऊ टिप्पणी कर रहे हैं।

राज्य सरकार को महिलाओं की सुरक्षा की चिंता नहीं- लॉकेट चटर्जी

इसके अलावा, राज्य आयोग ने यह भी आरोप लगाया है कि

राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग ने अनुच्छेद 144 का उल्लंघन किया है। इस संदर्भ में बोलते हुए भाजपा सांसद राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय बाल सुरक्षा अधिकार आयोग लोगों के हित में काम कर रहा है, जबकि राज्य प्रशासन को राज्य के लोगों की चिंता नहीं है। लॉकेट चटर्जी ने कहा, "किशोरी के शव को पुलिस घसीट कर ले गई। वे राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग पर सवाल नहीं उठा रहे हैं। उनके लिए छात्रा महत्वपूर्ण नहीं है। उनके लिए वोट ही असली है। वे आदिवासी हैं, महिलाओं और बच्चों को किसी की परवाह नहीं है। केवल अपने हित और वोट के बारे में सोच रहे हैं।

टीएमसी ने एनसीपीसीआर के दौरे पर उठाया सवाल

तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने प्रियंक कानूनगो के बंगाल दौरे की आलोचना की है। इसका जवाब देते हुए लॉकेट चटर्जी ने कहा, "राष्ट्रीय बाल सुरक्षा अधिकार आयोग राज्य में आया है और उसने अच्छा काम किया है। आम लोगों का राज्य प्रशासन पर से विश्वास उठ गया है। वे एक केंद्रीय एजेंसी द्वारा जांच चाहते हैं। इस तरह की घटना बंगाल में देखी जाती है और कहीं नहीं। "बता दें कि इस संबंध में राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा कालियागंज में हुई घटना को लेकर राज्य पुलिस के डीजी मनोज मालवीय को पहले ही पत्र भेज चुकी हैं। बीजेपी सांसद ने इस संदर्भ में कहा, "दिन पर दिन राज्य में बाल शोषण बढ़ता जा रहा है। अपराधियों पर मुकदमा नहीं चलाया जाता है। टीएमसी से जुड़े नेताओं पर पुलिस और प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करती है।"

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 24 अप्रैल, 2023

सुविचार

अगर आप को कोई काम करने में, मजा नहीं आ रहा है, इसका मतलब है कि वो कार्य, आपके करने लायक नहीं है!

मल्लापुर में केमिकल कंपनी में लगी आग

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। नचाराम के मल्लापुर इंडस्ट्रियल एरिया में रविवार शाम एक केमिकल कंपनी में आग लग गई। आग में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, आशंका जताई जा रही है कि यह आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी है। पुलिस के अनुसार, पास के रिहायशी इलाके में, जहां केमिकल कंपनी स्थित थी, स्थानीय लोगों ने औद्योगिक इकाई से निकलने वाला घना धुआं देखा और दमकल विभाग और पुलिस कर्मियों को सतर्क किया।

आग ने औद्योगिक इकाई में प्लास्टिक के कंटेनरों को अपनी चपेट में ले लिया, जहां रसायनों का स्टॉक किया गया था। रसायनों की उपस्थिति के कारण, घने काले धुएं ने आसपास के क्षेत्रों को ढक लिया। दमकल विभाग के अधिकारियों के साथ नचाराम पुलिसने दमकल की गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया। केमिकल कंपनी के प्रबंधन ने अभी तक शिकायत दर्ज नहीं कराई है और क्षतिग्रस्त संपत्ति का आकलन नहीं किया है।

भाजपा तेलंगाना में लौटाएगी रामराज्य : बंडी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चेवेल्ला बैठक में तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष बंडी संजय ने कहा कि उन्हें रात में पुलिस ने गिरफ्तार किया और 8 घंटे तक सड़कों पर घसीटा और घर नहीं भेजा गया। उन्होंने कहा कि करीमनगर पार करने के बाद उनकी पत्नी ने फोन किया और कहा कि दिल्ली से फोन आया है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि उन्हें कोत्तापल्ली, सिद्दीपेट, गजवेल, भुवनगिरी में कहां ले जाया जा रहा है। कार्यकर्ताओं की रक्षा करने वाले शेर अमित शाह ने दिल्ली से फोन किया और पार्टी नेताओं के साथ खड़े होने के लिए उनकी तारीफ की।

चेवेल्ला में भाजपा द्वारा आयोजित विजय संकल्प सभा में बोलते हुए बंडी संजय ने कहा कि भाजपा नेता दिल्ली से तेलंगाना राज्य के विकास के संकल्प के साथ आ रहे हैं, लेकिन बंडी ने राज्य के मुख्यमंत्री केसीआर पर राज्य के विकास में बाधा डालने और तेलंगाना के लिए गद्दार बनने का आरोप लगाया। भाजपा की सरकार बनते ही हर तरह से दिवालिया हो चुके तेलंगाना का विकास किया जाएगा। भाजपा सरकार मुफ्त चिकित्सा देखभाल, मुफ्त शिक्षा, फसल बीमा योजना

के साथ किसानों का समर्थन करेगी, नौकरी कैलेंडर जारी करेगी, और भर्ती प्रक्रिया करेगी। सरकारी कर्मचारियों को हर महीने की पहली तारीख को वेतन दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर केंद्र में मोदी सरकार चल रही है तो वे तेलंगाना में भाजपा सरकार के साथ राम राज्य लाएंगे। बंदी संजय ने प्रदेश की जनता से इस चुनाव में भाजपा को वोट देकर सत्ता में लाने और अमित शाह के नेतृत्व में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अगर राज्य का विकास करना है और राक्षस राज खत्म करना है तो बीजेपी सत्ता में आए। उन्होंने प्रदेश की जनता से आगामी चुनाव में भाजपा को आशीर्वाद देने की अपील की।

महात्मा बसवेश्वर के दर्शन पर चल रही है तेलंगाना सरकार : सीएम

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने रविवार को महात्मा वीरा बसवेश्वर जयंती के अवसर पर वीरशैव लिंगायत और लिंग बलीजा समुदायों को बधाई दी। एक संदेश में, मुख्यमंत्री ने बसवेश्वर को एक सामाजिक दूरदर्शी के रूप में सम्मानित किया, जिन्होंने न केवल उस समय के समाज में प्रचलित धार्मिक मूल्यों में सुधार किया और सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी, बल्कि लगभग 900 साल पहले रंग, जाति और लिंग भेदभाव से मुक्त समाज के लिए भी लड़ाई लड़ी। यह कहते हुए कि संसदीय लोकतंत्र के बीज उन दिनों दूरदर्शी नेता द्वारा बोए गए थे, मुख्यमंत्री ने कहा कि महात्मा बसवेश्वर ने सभी जातियों के प्रतिनिधित्व वाली 'अनुभव मंटप' प्रणाली की स्थापना की। उन्होंने बताया कि तेलंगाना सरकार आधिकारिक तौर पर हर साल बसवेश्वर की जयंती का आयोजन कर रही है और उनकी आकांक्षाओं की पूर्ति की दिशा में कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की पीढ़ियों के लिए संत की प्रेरणा को जारी रखने के प्रतीक के रूप में बसवेश्वर की कांस्य प्रतिमा टैंक बांध पर स्थापित की गई थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोकापेट में 'बसव भवन' के निर्माण के लिए 10 करोड़ रुपये की धनराशि भी आवंटित की है, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार बसवेश्वर के समानता के दर्शन को जारी रखेगी। पिछड़ी जातियों, आदिवासियों और महिलाओं, उन्होंने आश्वासन दिया।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने सिविल सेवा दिवस मनाया

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान ने हर्षोल्लास के साथ सिविल सेवा दिवस मनाया। देश भर से 86 भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) और 26 भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) अधिकारियों, जो संस्थान में विशेष फाउंडेशन कोर्स में भाग ले रहे हैं, ने उत्साह के साथ समारोह में भाग लिया। समारोह के एक भाग के रूप में, संस्थान ने तेलंगाना सरकार द्वारा परिकल्पित और क्रियान्वित की गई नवीन योजनाओं पर व्याख्यान आयोजित किए। समारोह का एक अन्य आकर्षण भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर आईएसएस और आईईएस अधिकारियों के 27 समूहों द्वारा नीति पत्रों की प्रस्तुति थी।

प्रोफेसर अमिताभ कुंडू, पूर्व डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय ने सिविल सेवा दिवस समारोह के समापन सत्र में उभरते भारत पर मुख्य भाषण दिया। प्रोफेसर कुंडू ने गर्व की भावना के साथ कहा कि 21वीं सदी सामान्य रूप से एशिया और विशेष रूप से भारत की है। उन्होंने युवाओं, विशेष रूप से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों सहित समाज के कमजोर वर्गों से संबंधित युवाओं के कौशल सेट को पूरी तरह से समृद्ध और विविधतापूर्ण बनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास 21वीं सदी में लाए गए नए अवसरों का पूर्ण उपयोग करने का मंत्र होना चाहिए। प्रो. कुंडू ने आईएसएस और आईईएस अधिकारियों से एक मजबूत डेटा प्रणाली के निर्माण की जिम्मेदारी लेने, कठोरता और निष्पक्षता के साथ आंकड़ों का विश्लेषण करने और समावेशी और सतत विकास की अपनी दृष्टि तैयार करने में विभिन्न विभागों की मदद करने और इस तरह सरकार को पूरा करने में मदद करने का आह्वान किया। देश की जनता से जो वादे किए हैं। बेन्हुर महेश दत्त एक्का, आईएएस, संस्थान के महानिदेशक और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव, जिन्होंने इस अवसर पर भी बात की, ने मेटकाफ हाउस में सिविल सेवकों के पहले बैच को सरदार वल्लभ भाई पटेल के 1947 के पहले संबोधन को याद किया। पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. माधवी रवुलापाई ने कहा कि सिविल सेवा दिवस समारोह ने आईएसएस और आईईएस अधिकारियों को खुद को महान राष्ट्र की सेवा के लिए फिर से समर्पित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान किया। श्रीमती अनमोल वाराइच, आईईएस ने सभा का स्वागत किया और धन्यवाद प्रस्ताव रखा।

'कंटी वेलुगु' के तहत अब तक 17 लाख 75 हजार 604 लोगों की आंखों की हुई जांच

18 लाख 19 हजार 113 लोगों को पढ़ने के चश्मे का वितरण

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिष्ठित 'कंटी वेलगू' कार्यक्रम के माध्यम से अब तक राज्य भर में 17 लाख 75 हजार 604 लोगों की आंखों की जांच की जा चुकी है। 18 लाख 19 हजार 113 दृष्टिबाधित व्यक्तियों को चिन्हित कर उन्हें निःशुल्क चश्मा एवं दवाई दी गई। इसमें 55 लाख 29 हजार 373 पुरुष, 62 लाख 34 हजार 558 महिलाएं और 4,896 ट्रांसजेंडर शामिल हैं। 18 लाख 19 हजार 113 लोगों को रीडिंग ग्लास वितरित किए गए जबकि 14 लाख 05 हजार 709 लोगों को प्रिस्क्रिप्शन ग्लास के लिए चिन्हित किया गया। 85 लाख 50 हजार 429 लोगों की बिना आंखों की समस्या के निदान किया गया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य की सरकार ने कांटी वेलम योजना शुरू की है ताकि कोई भी व्यक्ति आंखों की समस्या से पीड़ित न हो। मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने निर्णय लिया कि कंटी वेलगू कार्यक्रम की दूसरी किस्त राज्य सरकार द्वारा 18 जनवरी से 15 जून तक चलाई जाएगी।

राज्य सरकार सभी के लिए स्वास्थ्य के उद्देश्य से कंटी वेलगू योजना लाई है। सरकार ने इस योजना को 19 जनवरी से 15 जून तक 100 दिनों तक संचालित करने के निर्देश जारी किए हैं। जिले में कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और विभिन्न विभागों के अधिकारी जी जान से जुटे हुए हैं। सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार समय-समय पर कमियों को दूर करने के लिए अग्रिम योजनाओं, निरंतर निगरानी, दैनिक समीक्षा, विश्लेषण, वीडियो कॉन्फ्रेंस और बैठकों के साथ पूरे राज्य में नेत्र ज्योति कार्यक्रम को जोर-शोर सिलाई के काम से होने वाली आमदनी से जीवन यापन करने वाले मुरली ठीक से देख भी नहीं पाते। इसके साथ ही आंखों की समस्या के चलते वह दिन में दो से तीन घंटे ही काम करते थे। आमदनी कम होने के कारण परिवार का भरण-पोषण भी बहुत मुश्किल से होता था। वह पास के नलगोंडा शहर में जाकर किसी नेत्र रोग विशेषज्ञ को दिखाने का जोखिम भी नहीं उठा सकता था। उन्होंने अपने गांव में लगे नेत्र ज्योति चिकित्सा शिविर में जाकर जांच कराई और मौके पर ही उन्हें 2.5 प्वाइंट रीडिंग ग्लास दिया गया। उसने खुशी से कहा कि उसे इन चश्मों से साफ दिखाई दे रहा है और वह इन चश्मों से रोज दस घंटे से ज्यादा काम कर रहा है और मोटी कमाई कर रहा है।

लेक पुलिस द्वारा बचाई गई गर्भवती महिला

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हुसैन सागर में एक गर्भवती महिला जिसे कथित रूप से एक व्यक्ति ने धोखा दिया था और आत्महत्या करने का प्रयास किया था, को लेक पुलिस ने रविवार दोपहर बचा लिया। मेदक जिले की महिला और वर्तमान में बंजारा हिल्स में रहने वाली महिला को कुक्कटपल्ली के एक बिजली मिस्त्री राजशेखर ने कथित तौर पर धोखा दिया था, जिसने उससे शादी करने का वादा किया था लेकिन बाद में किसी और से शादी करने का फैसला किया।

पुलिस के मुताबिक, हाल ही में आठ महीने की गर्भवती महिला को पता चला कि राजशेखर ने उसे धोखा दिया है और उसने दूसरी महिला से शादी करने का फैसला किया है। उसने पहले बंजारा हिल्स पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसने इलेक्ट्रीशियन के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। ठगे जाने से परेशान और न्याय की मांग को लेकर रविवार को महिला हुसैन सागर के पास अपनी जीवन लीला समाप्त करने आ गई। लेक पुलिस ने उसे देखा और बचाव के लिए आई। बाद में, पुलिस अधिकारियों द्वारा महिला की काउंसलिंग की गई और उसके परिवार के सदस्यों को भी सूचित किया गया।

यूसुफगुड़ा के मधुरा नगर में मृत मिला व्यक्ति

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह यूसुफगुड़ा के मधुरा नगरमें एक अज्ञात व्यक्ति का शव एक सुनसान जगह पर पाया गया। वह व्यक्ति, जिसकी पहचान बाद में शिव शंकर रेड्डी (42) के रूप में हुई, एक व्यापारी होने का संदेह था, स्थानीय निवासियों द्वारा एक परिसर के पास मृत पाया गया है। स्थानीय लोगों द्वारा सतर्क किए जाने पर जुबली हिल्स पुलिस मधुरा नगर पहुंची और जांच में जुट गई। संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया गया था और पुलिस हत्या सहित सभी संभावित कोणों से विकास की जांच कर रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया गया।

मेरे और रेवंत के बीच कोई तुलना नहीं : इटेला

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और भाजपा विधायक इटेला राजेंदर ने आज प्रतिद्वंद्वी टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी की आलोचना की और कहा कि उनकी और कांग्रेस पार्टी के सांसद के बीच कोई तुलना नहीं है। रेवंत रेड्डी व्यक्तिगत आरोपों पर जेल गए और जन विरोध कार्यक्रम और आंदोलन करके मैं जेल गया। मेरे और रेवंत के बीच कोई तुलना नहीं है। भाग्य लक्ष्मी मंदिर में रेवंत द्वारा आंसू बहाने का जिक्र करते हुए राजेंद्र ने कहा कि जनता की समस्याओं के लिए लड़ने वाला नेता कभी आंसू नहीं बहाता। राजेंदर ने दोहराया कि उन्होंने किसी भी नेता को व्यक्तिगत रूप से निशाना नहीं बनाया और कहा कि उन्होंने सिंगरेनी कोलियरीज के बारे में बात करने के लिए अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि उन्होंने केवल इतना कहा था कि राष्ट्रीय राजनीतिक दल दिल्ली को अपना मुख्यालय बनाकर राजनीति करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना में उनकी पार्टी बीजेपी को परेशान करने के लिए बीआरएस और कांग्रेस पार्टी दोनों ने हाथ मिला लिया है।

उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं ने सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी के समर्थन में बात की। उन्होंने यह भी कहा कि बीआरएस पार्टी के नेता केके और कांग्रेस पार्टी के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने हाल ही में एक साथ बात की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि रेवंत ने आंखों से आंसू बहाते हुए अपमानजनक तरीके से बात की। यह कहते हुए कि वह एक छात्र के रूप में दो बार जेल गए, राजेंद्र ने रेवंत से पूछा कि जब वे अलग तेलंगाना राज्य के गठन के लिए विरोध कार्यक्रम आयोजित कर रहे थे तो वह क्या कर रहे थे? उन्होंने उपहास किया कि रेवंत वोट घोटाले के लिए और प्रदेश की जनता की खातिर सनसनीखेज रुपयों के मामले में जेल गए।

स्वस्थ भारत है पीएम मोदी का लक्ष्य : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य स्वस्थ भारत हासिल करना है। उन्होंने शहर के नामपल्ली में आयोजित हेल्दी बेबी शो कार्यक्रम में एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। रेड्डी इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि माताओं का दूध नवजात बच्चों के लिए सबसे अच्छा भोजन है और कहा कि स्वस्थ बच्चों की उपस्थिति से स्वस्थ भारत का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि एक मां अपने बच्चों के लिए सबसे अच्छी डॉक्टर होती है और कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश के बच्चों को पौष्टिक भोजन प्रदान करने के लिए कई कार्यक्रमों को लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार न केवल महिलाओं द्वारा अनुभव की जा रही सभी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने के लिए कदम उठा रही है, बल्कि बेटियों के माता-पिता के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित कर रही है, यह देखते हुए कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम उनकी सरकार का एक ऐसा कार्यक्रम है।

राजनीति में मूल्यों का पतन हो रहा है : वेंकैया नायुडू

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। देश के पूर्व उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने आज कहा कि राजनीति में मूल्यों का धीरे-धीरे पतन हो रहा है। उन्होंने सरकारी अधिकारियों से विकास और भविष्य के पुलों के नेता बनने का आह्वान किया। उन्होंने ये बातें शहर स्थित सुंदरैया विज्ञान केंद्र में आयोजित लोक सेवक दिवस समारोह के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने यह कहकर अपनी पीड़ा व्यक्त की कि कानून बनाने वाली संस्थाएँ भी लड़ने के लिए मंच बन गई हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सिविल सेवाएं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सिविल सेवकों, राजनेताओं, कानूनी चिकित्सकों और मीडियाकर्मियों के रूप में अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं, उन्हें निष्पक्ष तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए और कहा कि उनके द्वारा कर्तव्यों के कुशल निर्वहन से देश का विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने ब्रिटिश शासकों पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ब्रिटिश शासकों ने देश को ही नहीं, बल्कि देश की जनता के विचारों को भी लूटा है। उन्होंने देश के सभी नागरिकों से इसके विकास के लिए खुद को समर्पित करने का आह्वान किया। सिविल सेवकों के बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा कि सभी सिविल सेवकों को नैतिकता और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना चाहिए और कहा कि वे सभी सार्वजनिक सेवाओं के वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि लोक सेवक समय और भविष्य की जरूरतों के आधार पर नीतियां तैयार करेंगे। उन्होंने अधिकारियों से लोगों की समस्याओं को धैर्य व ध्यान से सुनने को कहा। उन्होंने उन सभी से सावधान रहने को कहा, जो कानून और व्यवस्था की समस्या पैदा करते हैं और कहा कि सिविल सेवकों को चालाकी से काम लेना चाहिए।

अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा की साधारण सभा व चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज अग्रसेन मार्ग शाखा की साधारण सभा बंजारा हिल्स में संपन्न हुई। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंदलाल अग्रवाल ने बताया कि सभा का संचालन शाखा के पूर्व अध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्ली वाले ने किया। शाखा के अध्यक्ष महेश कुमार अग्रवाल डाकोतिया ने उपस्थित सभी अग्रबंधुओं का स्वागत किया तथा केंद्रीय समिति द्वारा अग्रसेन ज्योति के रथ का स्वागत शाखा द्वारा किया गया। शाखा द्वारा दशहरे के समय डांडिया एवं दिवाली के समय अन्नकूट का भव्य आयोजन गोल्डन टेम्पल में किया गया। शाखा का लेखा जोखा कोषाध्यक्ष रवींद्र अग्रवाल ने प्रस्तुत किया। शाखा की विस्तृत रिपोर्ट शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रस्तुत की, जिसमे उन्होंने बताया कोरोना के समय शाखा ने अभूतपूर्व कार्य किया केंद्रीय समिति द्वारा गठित मैरेज डेटा कमिटी के चेयरमेन, संविधान कमेटी के वाइस चेयरमैन, इकोनॉमिक विकर सेक्शन कमिटी के वाइस चेयरमैन, अग्रसेन गार्डन कमेटी के चेयरमैन, प्रिविलेज मेम्बरशिप कमिटी के चेयरमैन के रूप में सेवाएँ प्रदान की गई, जिसमें अग्रसेन मार्ग शाखा का नाम हुआ उन्होंने आगे बताया शाखा में पहले केवल 25 सदस्य थे। आज सदस्य संख्या 116 है। इस कार्य को करने हेतु सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्ली वाले, मुन्ना लाल अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्ली वाले, सुरेश कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल का आभार प्रकट किया गया तत्पश्चात् चुनाव अधिकारी राजेंद्र कुमार अग्रवाल ने वर्ष 2023-25 हेतु चुनाव प्रक्रिया करते हुए बताया कि सभी पदों हेतु एक एक नामांकन प्राप्त हुआ है। अतः अध्यक्ष पद के लिये मुन्ना लाल अग्रवाल, उपाध्यक्ष पद के लिए तारा चंद बंसल, मानद मंत्री पद के लिए सुभाष कुमार अग्रवाल दिल्ली वाले, सह मंत्री पद के लिए कैलाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पद के लिए सुरेश कुमार अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य हेतु मुकुंद लाल अग्रवाल एवं सुरेश कुमार अग्रवाल दिल्ली वाले को निर्विरोध चुना गया। नव निर्वाचित पदाधिकारी एवं केंद्रीय समिति सदस्य गण आगामी 1 जुलाई 2023 को पदभार सम्भालेंगे। सभा में परामर्शदाता के रूप में पुरुषोत्तम भगेरिया, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मंसाराम अग्रवाल, मधु सुदन सोंथलीया को मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में शंकर लाल अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल आगरा वाले, विजय कुमार अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, शंकर लाल अग्रवाल कोतवाल, कैलाश चंद अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, रवींद्र कुमार अग्रवाल, अनुप मोर, आदि निर्विरोध चुने गये। महिला समिति की संयोजिका माया अग्रवाल को एवं युवा समिति के संयोजक जितेंद्र कुमार गोयल को मनोनीत किया गया तथा उनको अपनी टीम बनाने हेतु अधिकृत किया गया। सभा में वरिष्ठ सदस्य विषंभर लाल केडिया ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों एवं केंद्रीय समिति सदस्यों का सम्मान किया सभा में कैलाश चंद अग्रवाल, सुनील गुप्ता, आदि कई सदस्यों ने भाग लिया।

यूपी को मिल सकती है गर्मी से राहत

आईएमडी ने 20 से अधिक शहरों में जारी किया बारिश का अलर्ट

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश में मौसम ने करवट लेना शुरु कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार कल से कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। दिन में धूप के बाद भी तापमान में गिरावट के चलते सूरज की तपिश से थोड़ी राहत मिली है। वहीं कई जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। कानपुर, लखनऊ, उन्नाव, आयोध्या, कन्नौज, बाराबंकी, हरदोई आदि जिलों में भी तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुरखीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बंदायूं, सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर और आसपास बारिश, तेज हवा, बिजली की चेतावनी जारी की है। अप्रैल की शुरुआत से ही प्रयागराज में तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई। अप्रैल में ही तीन बार प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा और तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। भीषण लू के थपेड़ों की वजह से लोगों को मई-जून जैसी गर्मी का अहसास होने लगा था पर शुक्रवार को मौसम ने करवट बदलकर लोगों को राहत पहुंचाई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के प्रो। एआर सिद्दीकी ने बताया कि अभी उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है। इससे वर्षा की स्थिति बनी हुई है। प्रयागराज में इस सप्ताह पड़ी भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच शुक्रवार आंधी और वर्षा हवा के साथ-साथ बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे लुढ़क गया और न्यूनतम तापमान में करीब पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ गई। इसके बाद अब मौसम विभाग ने भी राहत भरी खबर दी है। अगले तीन दिनों तक बादल, आंधी और वर्षा का मौसम बना रह सकता है। इससे तापमान में और गिरावट आएगी। उधर मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार 25 अप्रैल तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ एक या दो बार वर्षा या गरज के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। इसकी वजह से अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट और आ सकती है। शनिवार को अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस रहा जो शुक्रवार की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से दो डिग्री कम था। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

सुबह धूप, दोपहर में बादल तापमान में हुई गिरावट

बरेली में सुबह से खिली धूप ने लोगों को गर्मी का एहसास करना शुरू कर दिया। मगर दोपहर में अचानक से सूर्य बादलों के साए में आ गया और उसकी तपन कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि बूंदाबांदी नहीं हुई, सिर्फ ठंडी हवाएं ही चली।मौसम वैज्ञानिक डा। आरके सिंह बताते हैं कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से अचानक से मौसम का मिजाज बदला था। उसी का असर था जो शुक्रवार को मैदानी क्षेत्रों में कुछ बादल बने थे। जिसकी वजह से तापमान में करीब एक से दो डिग्री की गिरावट दर्ज की गई थी। अब आगामी दिनों में वर्षा के कोई आसार नहीं हैं। सिर्फ तापमान में ही बढ़ोतरी होगी। अप्रैल के अंतिम दिनों में लू चलने की भी संभावना हैं। मई के बीच में लू चरम पर होगी। ऐसे में लोगों को उससे बचाव की जरूरत होगी। वहीं, जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजिशियन डा। एएम अग्रवाल बताते हैं कि लू से बचने के लिए के लोगों को अपने साथ पानी अवश्य रखना चाहिए। यदि हीट स्ट्रोक की आशंका हो तो तत्काल प्रभाव से डाक्टर को दिखाना चाहिए।

उमेश पाल के घर जाएंगे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मां-पत्नी से करेंगे मुलाकात

प्रयागराज, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य स्व। उमेश पाल के परिजनों से मिलने उनके घर जाएंगे। उमेश पाल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद उनकी मां-पत्नी से मुलाकात करेंगे। बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवाह रहे उमेश पाल व उनके दो गनर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 24 फरवरी को उमेश पाल की प्रयागराज में दिन दहाड़े गोली और बम से हमला कर हत्या कर दी गई थी। इस दौरान उमेश पाल की

सुरक्षा में तैनात दो पुलिसकर्मियों की भी मौत हुई थी। उमेश पाल 2005 में हुए विधायक राजू पाल हत्याकांड में अहम गवाह थे।

75 सभाएं करेंगे सीएम योगी

24 अप्रैल को सहारनपुर में पहली सभा

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नगर निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में 75 जनसभाएं करेंगे। सीएम 24 अप्रैल को सहारनपुर, शामली और अमरोहा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में प्रस्तावित जनसभाओं को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री का हर जिले में एक कार्यक्रम होगा, सभी जिलों से मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की चुनावी सभाओं की मांग की जा रही है। निकाय चुनाव में भाजपा ने सभी 17 नगर निगम के साथ जिला मुख्यालयों सहित बड़ी नगर पालिका परिषद व प्रमुख नगर पंचायतों में जीत का लक्ष्य रखा है। सभी जिलों से सीएम की सभाओं की मांग की जा रही है, पार्टी का चुनाव प्रबंधन शाखा में सीएम व दोनों डिप्टी सीएम सहित अन्य नेताओं के चुनावी दौरे तय किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री प्रतिदिन एक से अधिक जिलों में सभाएं करेंगे। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक की पहली चुनावी सभा 24 अप्रैल को गाजियाबाद में होगी। मुख्यमंत्री योगी कर्नाटक विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के स्टार प्रचारक हैं। यूपी में नगर निकाय चुनाव व विधानसभा के दो उपचुनावों की व्यस्तता की वजह से फिलहाल अभी उनका दो दिन का कार्यक्रम तय हुआ है। योगी 26 अप्रैल और 30 अप्रैल को कर्नाटक में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में चुनावी सभाएं करेंगे।

तो कह दीजिए न कि मुझे मिट्टी में मिला दे'

सम्राट चौधरी को सीएम का जवाब, नीतीश बोले- जो इच्छा है करो

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के बयान पर कि नीतीश कुमार को राजनीतिक रूप से मिट्टी में मिला देंगे। इस पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जवाब आ गया है। रविवार को नीतीश कुमार ने बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के बयान पर कहा कि ऐसा है तो मिट्टी में मिला दे मुझे फिर। नीतीश ने कहा कि बताइए इस तरह की भाषा का इस्तेमाल मेरे लिए किया जा रहा है। नीतीश कुमार ने कहा कि यह सब जो लोग बोलता है उसका कोई मतलब है क्या? हम कभी इस तरह की बात बोलते हैं? ऐसी बात कोई करता है तो समझ लीजिए कि बुद्धि नहीं है। जो मन करे बोले और जहां करना है कर दो, जो इच्छा है करो।

सीएम ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई के हमलोग कितने बड़े प्रशंसक रहे हैं। सीएम ने रविवार को वीर कुंवर सिंह के विजय उत्सव पर कहा कि हम लोगों ने बिहार में वीर कुंवर सिंह के लिए बहुत काम किया है। वहीं सीएम ने ममता बनर्जी से होने वाली मुलाकात के सवाल पर कहा कि यह अभी मत पूछिए। जब हम कर लेंगे सब चीज तब हमसे पूछिएगा। नीतीश ने कहा कि हम तो सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने में लगे हैं। हम अपने लिए कुछ नहीं चाहते हैं। जब भी मिलने के लिए कहते हैं हमारी कोई अपनी इच्छा नहीं है। हम देश हित में सोचते हैं। आजकल जो कुछ हो रहा है वह लोग पूरे देश के इतिहास को बदलने में लगा हुआ है। हम चाहते हैं देश सुरक्षित रहे। आजादी की लड़ाई नई पीढ़ी को मालूम होनी चाहिए और कुछ लोग आजकल है जो सब कुछ बदल देना चाहते हैं। नीतीश कुमार ने मीडिया के सवालों के जवाब में आगे कहा कि हम लोग जब एक साथ मिलकर रहेंगे तो देश सुरक्षित रहेगा और इसके लिए हम काम कर रहे हैं।

आनंद मोहन के रिहा होने पर भड़की मायावती

सीएम नीतीश कुमार का नाम लेकर लगाया गंभीर आरोप

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में बीते दिनों से माफिया आनंद मोहन की खूब चर्चा हो रही है। बीते दिनों उन्हें नीतीश कुमार की सरकार ने आनंद मोहन को जेल से रिहा कर दिया था। अब आनंद मोहन अपने बेटे की शादी की तैयारियों में लगे हुए है। हालिया दिनों में उन्होंने कई पार्टियों के बड़े नेताओं से मुलाकात भी की है। लेकिन बीएसपी चीफ मायावती को आनंद मोहन का रिहा किया जाना नहीं भाया है। बीएसपी चीफ ने रविवार को इसपर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बिहार की नीतीश सरकार द्वारा, आन्ध्र प्रदेश (अब तेलंगाना) महबूबनगर के रहने वाले गरीब दलित समाज से आईएएस बने बेहद ईमानदार जी। कृष्णैया की निर्दयता से की गई हत्या मामले में आनन्द मोहन को नियम बदल कर रिहा करने की तैयारी देश भर में दलित विरोधी निगेटिव कारणों से काफी चर्चाओं में है। मायावती ने आगे लिखा, आनन्द मोहन बिहार में कई सरकारों की मजबूरी रहे हैं, लेकिन गोपालगंज के तत्कालीन डीएम श्री कृष्णैया की हत्या मामले को लेकर नीतीश सरकार का यह दलित विरोधी व अपराध समर्थक कार्य से देश भर के दलित समाज में काफी रोष है। चाहे कुछ मजबूरी हो किन्तु बिहार सरकार इस पर जरूर पुनर्विचार करे। बेटे की होने वाली है शादी दरअसल, पूर्व सांसद आनंद मोहन अभी 15 दिनों के लिए पैरोल पर जेल से बाहर हैं। बीते छह महीने में ये तीसरी बार है जब उन्हें पैरोल पर बाहर आने दिया गया है। अब उनके बेटे और आरजेडी विधायक चेतन आनंद की शादी होने वाली है। चेतन आंनद का उपनयन 16 अप्रैल को और सगाई 24 अप्रैल को है। शादी तीन मई को देहरादून में होने वाली है। इसस पहले आनंद मोहन अपनी बेटी सुरभि आनंद की सगाई पर पांच नवंबर 2022 को पैरोल पर जेल से बाहर आए थे। तब 21 नवंबर को पैरोल खत्म होते ही फिर वह जेल चले गए थे। दूसरी बार पैरोल पर अपनी बेटी की शादी पर पांच फरवरी को बाहर आए थे। सुरभि आनंद की शादी 15 फरवरी को थी। इसके बाद 21 फरवरी को पैरोल खत्म होते ही फिर वह जेल चले गए थे।

शादी से पहले 'दूल्हा' पहुंचा सलाखों के पीछे

मेहंदी लगे हाथों में लगी हथकड़ी

फिरोजाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। एक साल तक लिव इन रिलेशनशिप में रहने के बाद प्रेमिका को धोखा देने वाले युवक को पुलिस ने शादी से पहले ही धरदबोचा। हल्दी की रस्म के बीच पुलिस को देख दूल्हा बनने की तैयारी में बैठा युवक भागा, लेकिन पुलिस ने पीछा करके दबोच लिया। बदन पर मेहंदी और हाथों में मेहंदी लगाए दूल्हे राजा जेल चले गए। मामला रसूलपुर थाना क्षेत्र का है। गुरुदेव नगर निवासी प्रशांत उर्फ जैकी गुप्ता के खिलाफ युवती ने 20 दिन पहले दुष्कर्म की प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप था कि एक साल लिव इन रिलेशन में रहने के बाद उसे छोड़ा और धमकी देकर दुष्कर्म किया। दो दिन पूर्व पुलिस ने युवती के कोर्ट में बयान दर्ज कराए। इसी बीच सूचना मिली कि जैकी गुप्ता शादी रचने की तैयारी कर रहा है। इंस्पेक्टर रसूलपुर कमलेश कुमार फोर्स के घर पहुंचे तो वहां हल्दी की रस्म चल रही थी। पुलिस को देख जैकी भाग निकला। पुलिस ने पीछा करते हुए उसे दबोच लिया और थाने ले आई। इंस्पेक्टर का कहना है कि दुष्कर्म के आरोप में जैकी को जेल भेजा गया है। पुलिस के अनुसार जेल भेजे गए दूल्हे राजा जैकी का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। 2012 में आर्म्स एक्ट में उसे जेल भेजा गया था। इसके बाद मादक द्रव्यों की तस्करी में वह दो बार जेल जा चुका है। उसके विरुद्ध रसूलपुर थाने में दस मुकदमे दर्ज हैं।

पूर्व सांसद बोले - पिता नहीं मिला सके मिट्टी में

अब वह बेटा मिलाएगा जो नीतीश की गोद में पला

सहरसा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के मिट्टी में मिला देंगे वाले बयान पर सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार समेत कई वरीय नेता ने सम्राट चौधरी के इस बयान का पलटवार किया है। अब जाप सरंक्षक और पूर्व सांसद पप्पू यादव ने भी उनपर जमकर निशाना साधा है। पप्पू यादव ने सहरसा में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि जो पला ही नीतीश कुमार के गोद में है। वह क्या बोलेगा। पहले इसके पिता भाजपा को ही मिट्टी में मिला रहे थे। पप्पू कुछ मुहावरों के जरिए सम्राट चौधरी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि सूप बाजे त बाजे चलनियां भी बाजे, अपने मियां मिट्ठू, टिटही बोला जो आकाश गिरेगा तो हम टेक लेंगे। जनता की ताकत से बढ़कर दुनियां में कुछ नहीं है। पप्पू यादव ने आगे कहा कि यह वह लोग बोल रहे हैं जिन्होंने 17 साल एनडीए में रहकर पैर छूकर लूटने का काम किया। हम चाहेंगे कि गिरिराज सिंह से लेकर सभी नेताओं की संपत्ति की जांच हो। उन्होंने आरोप लगाया कि एक भाजपा नेता के घर से 5 करोड़ रुपया मिला था। उसको जेल में बंद कर देना चाहिए। पप्पू यादव ने योगी सरकार पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगया कि कहा कि अतीक अहमद की हत्या की साजिश उत्तर प्रदेश की सरकार द्वारा रची गयी। आप मारिये जीतना क्रिमनल है लेकिन किसी जाति विशेष को टारगेट किए बगैर। इन्हें एनकाउंटर करके मत मारिये। अगर कोई क्रिमनल एनकाउंटर कर रहा है तो आप मारिये। जितने एनकाउंटर आप किये हैं लगभग सब फेक है। हम सर्वोच्च न्यायालय से उत्तर प्रदेश की एनकाउंटर की जांच की मांग करते हैं। ऐसी घटना को दबाने के लिए अतीक अहमद की हत्या के लिए जमीन तैयार की गई। जी 9 पिस्टल जिसमें 26 गोली लगती है वो आउट ऑफ इंडिया की है।

दिल्ली में सब 'सेट' तो पश्चिम बंगाल में क्यों 'वेट'

अब ममता को 'मनाने' चले सीएम नीतीश

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एक ही लक्ष्य है 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्षी एकता बनाकर बीजेपी को हराना। हालांकि नीतीश कुमार अपने 'मिशन 2024' में कितने सफल होंगे यह वक्त बताएगा लेकिन अपने प्लान को सेट करने में वेट नहीं करना चाह रहे हैं। हाल ही में सीएम नीतीश कुमार दिल्ली का दौरा कर बिहार लौटे हैं। अब वे बंगाल की तैयारी कर रहे हैं।

विपक्षी एकता की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए दौरा

दरअसल, ऐसी खबर आ रही है कि बिहार के सीएम नीतीश कुमार 25 अप्रैल को पश्चिम बंगाल जाएंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक वह अपने मिशन को पूरा करने के लिए ही इस दौरे पर जा रहे हैं। वह विपक्षी एकता की मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मुलाकात करेंगे। इस विपक्षी एकता की मुहिम में ममता बनर्जी का कितना साथ मिलता है यह भी देखने वाली बात होगी।

दिल्ली में 'सेट' पश्चिम बंगाल का 'वेट'?

हाल ही में बिहार के सीएम नीतीश कुमार दिल्ली दौरे पर गए थे। यहां उन्होंने विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकात की थी। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी वो मिले थे। नीतीश कुमार पहले तेजस्वी यादव के साथ कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे के घर पहुंचे थे। यहां राहुल गांधी भी मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के बाद नेताओं ने मीडिया को पूरी जानकारी दी थी। खुद राहुल गांधी ने कहा था कि कांग्रेस सभी दलों को साथ लेकर चलेगी। यह भी कहा था कि देश में जो लड़ाई चल रही है, उसमें अपने पूरा सहयोग देगी। बता दें कि विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस का साथ होना भी काफी अहम है। दिल्ली से संकेत मिलने के बाद अब सीएम नीतीश कुमार पश्चिम बंगाल जाने वाले हैं। बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कह चुके हैं कि यदि सभी विपक्ष दल एक साथ आ जाते हैं तो बीजेपी को लोकसभा चुनाव में 100 से कम सीटों पर समेटा जा सकता है। नीतीश कुमार सभी दलों के बीच सामंजस्य में अहम भूमिका निभाना चाहते हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक जानकारों का कहना है कि बीजेपी के खिलाफ 2024 की लड़ाई में कांग्रेस लगातार कमजोर साबित हो रही है। यही कारण है कि तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और समाजवादी पार्टी जैसे दल कांग्रेस से दूरी बनाए हुए हैं। ऐसे में अब देखना होगा कि विपक्षी एकता के लिए किसकी-किसकी सहमति बनती है।

बांदा में संदिग्ध परिस्थितियों में प्रोफेसर की हालत बिगड़ी इलाज के दौरान मौत

बांदा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मरका थाना के ग्राम समगरा निवासी 38 वर्षीय शिवकांत शहर के राजादेवी डिग्री कालेज में इतिहास के प्रोफेसर थे। घर में अचानक उनकी हालत बिगड़ने से स्वजन शहर के एक निजी चिकित्सक के यहां ले गए। जहां से चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें कानपुर रेफर कर दिया। उपचार के लिए कानपुर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई है। हेड कांस्टेबल बड़े भाई कृष्णकांत तिवारी ने बताया कि पत्नी उर्मिला व बच्ची की तबियत खराब होने से वह बबेरू से उपचार कराकर घर लौटे थे। अचानक हालत बिगड़ने की वजह पता नहीं चल रही। मामला संदिग्ध लगने से थाने में सूचना दी है। शव का पोस्टमार्टम कराने से मौत का कारण पता चल सकेगा।

क्या अखिलेश-शिवपाल मिलकर करेंगे नगर निकाय चुनाव प्रचार, सामने आई बड़ी खबर

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल यादव अब उत्तर प्रदेश में आगामी नगरपालिका चुनावों के लिए एक साथ प्रचार करेंगे। पार्टी जल्द ही अपने शीर्ष नेताओं के प्रचार कार्यक्रम की घोषणा कर सकती है। यह पहले ही घोषणा की जा चुकी है कि अखिलेश यादव और मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पार्टी की लखनऊ मेयर पद की उम्मीदवार वंदना मिश्रा के लिए तीन-तीन जनसभाएं करेंगे। अखिलेश यादव जहां अभी भी रणनीति बनाने में व्यस्त हैं, वहीं शिवपाल यादव यादवों के गढ़ इटावा, मैनपुरी और फिरोजाबाद का दौरा करते हुए मैदान में उतर गए हैं। शिवपाल अखिलेश के साथ इन जिलों में प्रचार करेंगे। 2016-17 में यादव परिवार की कलह सामने आने से पहले आखिरी बार शिवपाल यादव ने 2014 के लोकसभा चुनाव में पार्टी के लिए प्रचार किया था।

बाद में झगड़े के कारण अंततः अखिलेश और शिवपाल के बीच विभाजन हो गया। जब शिवपाल ने 2022 के विधानसभा चुनावों में अपनी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी-लोहिया को सपा के साथ जोड़ा, तो उन्होंने केवल अखिलेश के साथ करहल विधानसभा सीट के लिए प्रचार किया था। फिर दिसंबर 2022 में, शिवपाल ने डिंपल यादव की मैनपुरी लोकसभा उपचुनाव में अखिलेश के साथ प्रचार किया। इसके बाद, 10 अक्टूबर को पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव की मृत्यु के एक महीने बाद शिवपाल फिर से सपा में शामिल हो गए। अखिलेश अब पार्टी के महापौर, नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पंचायत अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के लिए टीमें बनाकर पार्टी अभियान की रणनीति का नेतृत्व कर रहे हैं। शिवपाल बीजेपी के गढ़ में सपा के प्रचार की कमान संभालेंगे। अखिलेश और शिवपाल सपा के गढ़ मैनपुरी, कन्नौज, इटावा और फिरोजाबाद में एक साथ नजर आएंगे। डिंपल यादव के अपने लोकसभा क्षेत्र मैनपुरी में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करने की संभावना है। अखिलेश रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में सपा और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार करेंगे। सपा ने राज्य में शहरी स्थानीय निकाय चुनाव पूरी ताकत से लड़ने का संकल्प जताया है। नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव दो चरणों में 4 और 11 मई को होंगे। मतगणना 13 मई को होगी।

शादी नहीं हुई तो सिरफिरे ने की सनसनीखेज हरकत, दीवारों पर चिपकाए युवती के आपत्तिजनक पोस्टर

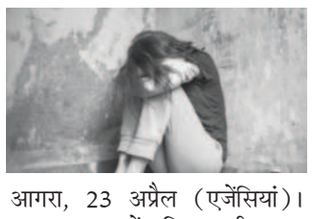

आगरा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आगरा शहर में रविवार की सुबह सनसनीखेज मामला सामने आया। युवती की शादी से क्रुद्ध सिरफिरे ने उसके साथ अपने आपत्तिजनक पोस्टर मोहल्ले में चिपका दिए। रविवार की सुबह मोहल्ले में इन पोस्टरों को देखकर लोगों में चर्चा शुरू हो गई। मामला रकाबगंज क्षेत्र का है। पोस्टरों में युवक ने दावा किया गया है कि वह दोनों शादी करना चाहते थे। युवती स्वजन ने उसकी शादी कहीं और कर दी। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामला थाने में नहीं आया है। किसी ने शिकायत नहीं की है।

'अतीक को शहीद बताने वाले का हो शूट एंड साइट'

केंद्रीय मंत्री अश्वनी चौबे बोले- बिहार में लागू हो योगी मॉडल

पटना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार में मंत्री अश्वनि चौबे ने ईद की नमाज के बाद माफिया डॉन अतीक अशरफ की हत्या को लेकर नारेबाजी करने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि इन अपराधियों के पक्ष में नारेबाजी करने और उन्हें शहीद बताने वालों का शूट एंड साइट होना चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने बिहार की कानून व्यवस्था और अराजकता पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यहां भी योगी मॉडल होना चाहिए। जिससे कि गुंडे माफियाओं को उनकी सही जगह पर पहुंचाया जा सके। बता दें कि ईद की नमाज के बाद बिहार में कई जगह लोगों ने अतीक अशरफ अमर रहे के नारे लगाए। इन दोनों बदमाशों को शहीद बताते हुए इनके शान में कसीदे गढ़ने की कोशिश की थी। यहां तक कि लोगों ने योगी मोदी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राष्ट्र विरोधी नारे भी लगाए। संबंधित खबरों पर रविवार को केंद्रीय

मंत्री अश्वनि चौबे ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि देश के लिए इससे बड़ा दुखद पल और नहीं हो सकता। उन्होंने इस तरह के लोगों पर तीखे हमले करते हुए कहा कि सरकार को चाहिए कि ऐसे लोगों को देखते ही गोली मारने का आदेश जारी करे। ऐसा करने से ही देश में अमन चैन का वातावरण कायम हो सकेगा। उन्होंने कहा कि देश में खासतौर पर बिहार में कानून व्यवस्था कायम रखने के लिए योगी मॉडल बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार उत्तर प्रदेश में गुंडा माफियाओं को उनकी असली जगह बता दी गई है। ठीक उसी प्रकार बिहार में इस मॉडल को लागू करते हुए सभी गुंडे माफिया को या तो जेल में बंद किया जाए, या फिर उनका एनकाउंटर किया जाए। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में अतीक अशरफ जैसे माफिया का कोई स्थान नहीं है। भयमुक्त समाज बनाने के लिए ऐसे लोगों का खात्मा जरूरी है। बता दें कि इस समय बिहार में कानून व्यवस्था एक बड़ा मुद्दा बन गया है। यहां मुख्य विपक्षी दल बीजेपी लगातार इस मुद्दे को लेकर मुखर है और इस अव्यवस्था के लिए चाचा भतीजे की सरकार को घेरने की कोशिश कर रही है। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री अश्वनि चौबे ने कहा कि बिहार में इस समय चाचा भतीजा, वंशवाद और जातिवाद का खेल चल रहा है और इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

डिजाइनर कपड़े और जूते पहनने के शौकीन हैं एमपी के ये विधायक

खुद डिजाइन करते हैं अपने ड्रेसेस

सतना, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कहते हैं शौक बड़ी चीज है। मध्यप्रदेश के सतना जिले के मैहर विधानसभा क्षेत्र के विधायक नारायण त्रिपाठी भी एक खास शौक रखते हैं। दरअसल वह अपने पहनावे को लेकर हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। उनका अंदाज राजा महाराजा जैसा रहता है। विधायक नारायण त्रिपाठी कपड़ों एवं जूते के शौकीन हैं। उनके कपड़ों का डिजाइन आपको कहीं और देखने को नहीं मिलेगा। खास बात यह है कि वे अपने कपड़े खुद ही डिजाइन करते हैं। विधायक किसी भी कपड़े को चार बार से ज्यादा नहीं पहनते। यही नहीं, वह जिस रंग का कपड़ा पहनते हैं, उसी रंग के मोजे और जूते भी पहनते हैं। इसके अलावा विधायक नारायण त्रिपाठी दिन के हिसाब से भी कपड़े पहनते हैं। जैसे सोमवार को सफेद रंग के कपड़े, मोजे और जूते, मंगलवार को लाल रंग के कपड़े, बुधवार को स्काई ब्लू रंग के कपड़े, गुरुवार के दिन पीले कपड़े, शुक्रवार को सफेद या फिर पताखा रंग के कपड़े, शनिवार को ब्लैक या ग्रे रंग के कपड़े, तो रविवार को लाइट कलर के कपड़े पहनते हैं। मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी ने बताया कि उन्हें कपड़े पहनने का बचपन से ही शौक है। वह अपने कपड़े जिस टेलर से सिलवाते हैं, उसे डिजाइन खुद बताते हैं और उसे यह भी बता देते हैं कि कपड़े की डिजाइन की कॉपी छह माह तक नहीं होनी चाहिए। अगर ऐसा हुआ तो वह उस टेलर से कपड़े सिलवाना बंद कर देते हैं। मैहर विधायक ने बताया कि जिस टेलर से कपड़े सिलवाता हूं, उसे कपड़ों के डिजाइन के साथ, कहां पर कैसे सिलाई होगी और कितने बार होगी।

किस जगह पर कौन सा कलर कॉबिनेशन होगा, यह भी खुद बताते हैं। विधायक का कहना है कि डिजाइन के विचार उनके मन में खुद ही आते हैं। उन्होंने ड्रेस डिजाइनिंग की कोई ट्रेनिंग नहीं ली। मैहर विधायक नारायण त्रिपाठी के मुताबिक, वह किसी भी कपड़े को तीन से चार बार पहनते हैं। उसके बाद उसे नहीं पहनते। अगर उससे ज्यादा एक कपड़े को पहनते हैं तो उन्हें परेशानी होने लगती है। विधायक का कहना है कि वह लगभग हर एक ब्रांड के कपड़े पहन चुके हैं।

बच्चों के शव के साथ राजनीति

पश्चिम बंगाल बाल अधिकार संरक्षण आयोग का केंद्र के पैनल पर निशाना

कोलकाता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कालियागंज में एक लड़की साथ कथित तौर पर बलात्कार के बाद उसकी हत्या किए जाने को लेकर स्थानीय लोगों के विरोध-प्रदर्शन के बाद शनिवार को वहां नए सिरे से हिंसा भड़क गई। इस मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस ने आज सुबह लोगों से लड़की की मौत के संबंध में गलत सूचना साझा नहीं करने की अपील करते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण जहर है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि 17 वर्षीय लड़की के शरीर पर चोट के कोई बड़े निशान नहीं पाए गए हैं, जिससे यौन उत्पीड़न का संकेत मिले। इस मामले में दो लोगों की गिरफ्तारी हुई। लगातार दो दिनों तक हिंसक विरोध पर पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई शुरू की। क्योंकि स्थानीय लोगों ने दावा किया कि पीड़िता के साथ रेप किया गया और उसकी हत्या कर दी गई।

एमपी में शादी से पहले प्रेग्नेंसी टेस्ट

219 युवतियों की जांच हुई; कांग्रेस बोली-यह घोर अपमान

डिंडौरी, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। गाड़ासरई में आयोजित सामूहिक विवाह समारोह से पहले युवतियों की प्रेग्नेंसी टेस्ट कराये जाने की बात सामने आई है। सामूहिक विवाह समारोह सीएम कन्यादान योजना के तहत हो रहा था। इस घटना के बाद कांग्रेस प्रदेश सरकार पर हमलावर हो गई है। कांग्रेस नेता और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने सीएम शिवराज सिंह से सवाल पूछा है कि क्या यह समाचार सत्य है? यदि यह है तो बेटियों के घोर अपमान का यह आदेश किसने दिया? कमलनाथ ने ट्वीट किया है कि इस मामले को सिर्फ प्रेग्नेंसी टेस्ट से सिर्फ और सिर्फ जोड़कर नहीं देखना चाहिए। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। अगर इस मामले में जो भी दोषी होंगे, उन्हें कड़ी से कड़ी सजा भी मिलनी चाहिए। वहीं, इस मामले पर कांग्रेस विधायक ओमकार का कहना है कि यदि सरकार ने कन्यादान योजना में प्रेग्नेंसी टेस्ट करने को लेकर यदि कोई नियम बनाया है तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए था। कांग्रेस विधायक ओमकार के मुताबिक, जिले की युवतियों का घोर अपमान किया गया है। वहीं, बीजेपी जिलाध्यक्ष अवधराज बिलैया ने कन्यादान योजना को लोगों के लिए लाभकारी बताया है। उन्होंने कहा है कि ओमकार इस मुद्दे को सियासी रूप दे रहे हैं। बता दें कि डिंडौरी जिले के गाड़ासरई कस्बे में जिला प्रशासन की ओर से मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 219 जोड़ों का विवाह कराया गया है। वहीं, इस मामले को लेकर बच्छरगांव की एक महिला बताती है कि उसने मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में विवाह कराने के लिए एक फॉर्म भरा था। इसके बाद एक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य कर्मियों ने उसका मेडिकल टेस्ट किया। इस दौरान उसका प्रेग्नेंसी टेस्ट भी हुआ। महिला के मुताबिक, जब उसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई तो लिस्ट से उसका नाम हटा दिया गया।

वहीं बछरगांव की ही एक अन्य महिला का कहना है कि उसे भी मेडिकल टेस्ट के बारे में कुछ भी नहीं बताया गया और उसका नाम सूची से हटा दिया गया। उसकी शादी नहीं हो पाई। इसको लेकर वो बेहद मायूस है। ग्राम पंचायत की सरपंच मेदनी मरावी भी प्रेग्नेंसी टेस्ट कराने को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी पहले तो इस मुद्दे पर जवाब देने में हिचकिचाते रहे, लेकिन बाद में वो भी प्रेग्नेंसी टेस्ट की बात को न सिर्फ कैमरे पर कबूला, बल्कि उन्हें तोनिर्देश प्राप्त हुए थे,

रिश्वत मामले में खुलासा, आईएएस दहिया और महिला के बीच हुई थी व्हाट्सएप चैट, बिलों के बारे में की थी बात

चंडीगढ़, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा कौशल विकास विभाग में लाखों रुपये के रिश्वत मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। 3 लाख रुपये रिश्वत लेती पकड़ी गई महिला पूनम चोपड़ा और विभाग के आयुक्त आईएएस विजय दहिया के बीच फाइलों और बिलों को लेकर व्हाट्सएप चैट हुई थी।

महिला ने यह व्हाट्सएप चैट रिंकू मनचंदा को विश्वास दिलाने के लिए उनके मोबाइल पर भेजी थी। एफआईआर के अनुसार, इन व्हाट्सएप चैट में आईएएस की ओर से पेमेंट और फाइलें क्लीयर कर दी हैं, का जिक्र किया गया है। ऐसे में अब आईएएस की मुश्किलें बढ़ने की संभावनाएं हैं। एंटी करप्शन ब्यूरो अब महिला और आईएएस को आमने सामने बैठाकर पूछताछ की तैयारी कर रहा है। एफआईआर के अनुसार, सीएसओ दीपक शर्मा ने महिला पूनम चोपड़ा का नाम सुझाया था और कहा था कि वह आईएएस विजय दहिया की निजी जानकार है।

महिला नेता की शिकायत पर बीवी श्रीनिवास को असम पुलिस का नोटिस

कांग्रेस ने सीएम हिमंता पर साधा निशाना

गुवाहाटी, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय युवा कांग्रेस (आईवायसी) के अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास के घर पर असम पुलिस ने नोटिस चिपकाया है। उन्हें युवा कांग्रेस की असम इकाई की पूर्व अध्यक्ष अंगकिता दत्ता की शिकायत के मामले में पूछताछ के लिए 2 मई को दिसपुर बुलाया है। इसे लेकर कांग्रेस ने बीजेपी और असम सीएम पर हमला बोला है। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि असम के दलबदलू सीएम हिमंता बिस्व सरमा जो अमित शाह को पीछे छोड़ने में लगे हैं। वे सुर्खियों में रहने की अपनी इन हरकतों के चलते बदनाम हो चुके हैं। सुरजेवाला ने आगे कहा कि वह (असम सीएम) कभी पवन खेड़ा, कभी बीवी श्रीनिवास और कभी किसी और को गिरफ़्तार करना चाहते हैं।

वे ऐसा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि कभी एक बार पीएम मोदी उनको शारदा मामले में गिरफ्तार करना चाह रहे थे और इसलिए वे बीजेपी में शामिल हो गए। उनकी बातों पर ज़्यादा ध्यान न दीजिए। कांग्रेस के आरोपों पर असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने ट्वीट कर जवाब दिया। सरमा ने ट्वीट कर लिखा कि असम पुलिस कानून के मुताबिक काम कर रही है।

वह (पुलिस) वर्तमान में एक महिला कांग्रेस कार्यकर्ता की ओर से आईपीसी की धारा 354 के तहत आरोपी व्यक्ति के खिलाफ दर्ज मामले की जांच कर रही है। महिला कार्यकर्ताओं के लिए कांग्रेस पार्टी के भीतर सुरक्षित वातावरण की कमी के लिए मुझे दोष देना अनुचित है। कृपया आरोपी को कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करने की सलाह दें। इसके साथ ही असम सीएम ने नोटिस का फोटो भी शेयर किया है।

युवती ने फांसी लगाई सुसाइड नोट में लिखा- मेरा दुनिया में कोई नहीं, मैं परेशान होकर जान दे रही

उज्जैन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। उज्जैन के महानंदानगर में किराए का मकान लेकर रह रही 20 वर्षीय युवती ने शनिवार देर रात अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मकान मालकिन ने युवती को फांसी के फंदे पर लटकता देखा और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव उतारा। माधवनगर थाने के उपनिरीक्षक रविन्द्र कटारे ने बताया कि महानंदानगर निवासी सविता पति किशोर मड़किया के मकान में 15 दिन पहले बुशरा नामक 20 वर्षीय युवती किराए से कमरा लेकर रह रही थी। कल रात उसने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुंछ आतंकी हमला: आतंकियों की तलाश में एनएसजी कमांडो उतारे दो और संदिग्ध लिए गए हिरासत में

जम्मू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पुंछ जिले के भाटादूड़ियां में सैन्य वाहन पर हुए आतंकी हमले के चौथे दिन भी घने जंगलों में ड्रोन व खोजी कुत्तों की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया। ऑपरेशन में एनएसजी कमांडो भी उतारे गए हैं। इस बीच दो और संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। इस मामले में अब तक 14 लोग हिरासत में लिए गए हैं। हीं, संजयोट गांव जहां इफ्तार के लिए फल लेकर जा रहे वाहन पर हमला किया गया था, वहां के लोगों ने सेना के साथ अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए ईद नहीं मनाई। केवल नमाज अदा की गई। न तो मिठाई बंटी और न ही लोगों ने एक-दूसरे के घर जाकर मुबारकबाद दी। आतंकियों की तलाश में भाटादूड़ियां के जंगल में शनिवार को भी बड़े स्तर पर तलाशी अभियान जारी रहा। सुरक्षा के लिहाज से भी भिंबर गली से जड़ां वाली गली तक 20 किलोमीटर का रास्ता वाहनों की आवाजाही के लिए बंद रखा गया। शनिवार को सुरक्षा एजेंसियों के आला अफसर भी घटनास्थल का जायजा लेने पहुंचे।

उत्तरी कमान सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी, बीएसएफ के डीजी एसएल थाउसेन, सीआरपीएफ के आईजी महेश चंद्र लड्ढा व एडीजीपी मुकेश सिंह ने भी घटनास्थल का दौरा किया और हमले से जुड़ी जानकारियां हासिल कीं। उत्तरी कमान प्रमुख ने तलाशी अभियान में लगाए गए सैन्य अफसरों और जवानों के साथ बातचीत कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा तैयारियों की भी जानकारी ली। उधर, डीजी बीएसएफ ने एलओसी का दौरा कर सुरक्षा प्रबंध जांचे। उधर, संजयोट गांव के सरपंच मुख्तियार खान ने कहा कि इफ्तार के लिए सामान लेकर आ रहे वाहन पर हमला में पांच जवानों की शहादत से पूरा गांव शोक में है। ग्रामीणों ने फैसला किया कि ईद सादगी के साथ मनाई जाएगी। किसी प्रकार का दिखावा नहीं किया जाएगा। इस वजह से केवल नमाज अदा की गई। शहीद जवानों के लिए विशेष प्रार्थना भी आयोजित क गई। राजोरी और पुंछ सीमा से सटे भाटादूड़ियां क्षेत्र में आतंकी हमले के बाद सेना ने हरकत में आते हुए राजोरी के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया है। सेना के जवानों ने बीजी और मंजाकोट से सटे जंगली इलाकों में चप्पे-चप्पे को खंगालना शुरू कर दिया है।

अभिनेत्री से फेरे लेते समय इंस्टाग्राम स्टार गिरफ्तार, रेप का केस दर्ज

इंदौर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। फेमस इंस्टाग्राम स्टार दीपेश बड़गल को इंदौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी पूरे फिल्मी अंदाज में हुई। जब दीपेश फाइव स्टार होटल में अभिनेत्री के साथ फेरे ले रहा था तभी पुलिस पहुंची और उसे पकड़कर दिल्ली ले गई। पहले शादी में मौजूद लोग समझते रहे कि पुलिस मेहमान के रूप में आई है लेकिन जब गिरफ्तारी की बात पता चली तो सभी चौंक गए। फेमस रील्स स्टा दीपेश को न्यू अशोका (ईस्ट-दिल्ली) की पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिल्ली में दीपेश के खिलाफ इंटरनेट मीडिया इन्फ्लूएंसर युवती ने दुष्कर्म की एफआइआर दर्ज करवाई है। शनिवार को दीपेश इंदौर में एक अभिनेत्री से शादी कर रहा था। यह अभिनेत्री कई धारावाहिकों और एलबम में अभिनय कर चुकी है। जब दीपेश फेरे ले रहा था उसी समय एसआइ सीमा भाटी और एसआइ राहुल पहुंचे और एफआइआर की प्रति दिखाकर दीपेश को गिरफ्तार करने की बात कही। इसके बाद वहां मौजूद लोगों ने पुलिसवालों को रोकने का प्रयास किया लेकिन किसी की एक न चली। पुलिस दीपेश को लसूड़िया थाना ले आई। दीपेश के परिचित दो घंटे तक थाने में जमे रहे लेकिन पुलिस दीपेश को दिल्ली लेकर चली गई। वहीं दुल्हन फेरे पूरे करने के लिए होटल में दीपेश की वापसी का इंतजार करती रही पुलिस ने बताया कि एफआइआर दर्ज करवाने वाली युवती भी पहले दीपेश के साथ ही काम करती थी। यह सोशल मीडिया कंटेंट बनाते थे।

यात्रियों से भरी बस में पीछे से जा घुसा ट्रक

4 लोगों की गई जान, 22 बुरी तरह घायल

पुणे, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे से एक भयानक सड़क हादसे की खबर आ रही है। पुणे के नरहे इलाके के पास आज सुबह करीब 3 बजे एक ट्रक और एक प्राइवेट बस में जोरदार टक्कर हो गई। ये हादसा पुणे-बेंगलुरु हाईवे पर हुआ है। ट्रक और प्राइवेट बस की टक्कर में 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस दुर्घटना में 22 लोग घायल बताए जा रहे हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार नीता ट्रैवल्स कंपनी की निजी बस एमएच-03-सीपी-4409 कोल्हापुर से डोंबिवली जा रही थी। एक बड़े मालवाहक ट्रक एमएच-10-सीआर-1224 में भारी मात्रा में चीनी की बोरियां लदी हुई मिलीं।

बस में सवार 3 यात्रियों और ट्रक ड्राइवर की मौत

पुलिस ने बताया कि यह हादसा मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मंदिर के पास शनिवार देर रात करीब 3 बजे हुई। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सातारा से ठाणे के डोम्बिवली जा रही निजी यात्री बस जब स्वामीनारायण मंदिर के पास पहुंची तो पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में बस में सवार तीन यात्रियों और ट्रक चालक की मौत हो गयी जबकि 22 यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि ट्रक चालक ने वाहन पर से नियंत्रण खो दिया था जिसके कारण ट्रक बस से टकरा गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद चिकित्सा आपात सेवा का दल घटनास्थल पर पहुंचा।

सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया

अधिकारियों ने बताया कि 13 घायल यात्रियों को पुणे के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। वहीं अन्य घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुणे जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आयुष प्रसाद ने बताया कि वाहन चालकों में थकान एक प्रमुख समस्या है जिससे निपटने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, ''यह आवश्यक है कि सभी नागरिक रात के समय वाहन चलाते समय आवश्यक एहतियात बरते। यात्रा शुरू करने से पहले पर्याप्त आराम करें, नियमित विराम लें और सड़क पर अन्य चालकों का भी ध्यान रखें।''

पुलिस को चकमा देकर चौकी से भागी दुष्कर्म पीड़िता, उल्टी का बनाया बहाना

सोनीपत, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सोनीपत में गांव भैंसवान स्थित चौकी से दुष्कर्म पीड़िता महिला पुलिस इंस्पेक्टर को चकमा देकर भाग निकली। महिला इंस्पेक्टर किशोरी को बहकाकर ले जाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में जांच करते हुए उसे लेकर भैंसवान चौकी पहुंची थी। वहां किशोरी ने उल्टी का बहाना बनाकर पानी मांगा तो इंस्पेक्टर पानी लेने चली गई। इसी दौरान किशोरी भाग निकली। सीसीटीवी में वह रोहतक रोड की तरफ भागती दिखाई दे रही है। पुलिस ने इंस्पेक्टर के बयान पर मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। इंस्पेक्टर कृष्णा ने भैंसवान चौकी पुलिस को बताया कि वह बहालगढ़ थाने में जांच अधिकारी तैनात है। उन्हें कुंडली थाना में 12 अप्रैल को दर्ज हुए किशोरी को बहकाकर ले जाने के बाद सामूहिक दुष्कर्म व जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के मुकदमे की जांच सौंपी गई थी। किशोरी राई थाना क्षेत्र स्थित निराश्रित बच्चों के घर में रह रही थी। किशोरी ने बताया था कि उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म उत्तर प्रदेश के जिला मेरठ के गांव में हुआ था। इस पर वह जांच करने व घटनास्थल की पहचान कराने के लिए 22 अप्रैल को किशोरी व एफएसएल की टीम को साथ लेकर मेरठ के गांव में गए थे। वहां पर नक्शा तैयार किया गया। इसके बाद वह पीड़िता और एफएसएल की टीम को लेकर पीड़िता के घर पानीपत थाना क्षेत्र के गांव में पहुंची थी। वहां से जब वह लौट रहे थे भैंसवान चौकी क्षेत्र में पहुंचने पर एफएसएल की टीम को सूचना मिली कि बरोदा थाना क्षेत्र में महिला ने जहर खा लिया है। जिस पर टीम महिला इंस्पेक्टर व किशोरी को भैंसवान चौकी में छोड़कर चली गई।

सेना में कमांड और लीडरशीप की भूमिकाओं में होंगी महिला अधिकारी, सरहदों पर दुश्मन से लेंगी लोहा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय सेना में अब महिलाओं की भूमिका को परखा जा रहा है। उन्हें कमांड और लीडरशीप की भूमिकाओं के लिए आगे किया जा रहा है। ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी (चेन्नई) से पास होने वाली महिलाओं को बड़ी जिम्मेदारी दी जाने लगी है, जिससे वो फ्रंटलाइन पर दुश्मनों से लोहा ले सके। ऐसे में हिंदुस्तान की बेटियां अब सरहद पर दुश्मनों से लोहा लेने के लिए तैयार हैं। जी हां, 29 अप्रैल को ऑफिसर्स ट्रेनिंग एकेडमी से पास आउट होने वाली इन पांच महिला अधिकारियों को फ्रंटलाइन आर्टिलरी रेजीमेंट में कमीशन किया जाएगा। इसके बाद उन्हें कर्नल और उससे आगे की भूमिका के रूप में सीमा पर तैनात किया जाएगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी का कहना है कि भारतीय सेना ने महिला अधिकारियों को सशक्त बनाने के लिए कई स्तरों पर काम किया है। यह इसलिए ताकि वो अपनी सूझबूझ के साथ सीमा पर दुश्मनों का सामना कर सके। उसी दिशा में यह एक बड़ा कदम है। अधिकारी ने कहा कि हाल ही में महू में आर्मी वॉर कॉलेज में 'सीनियर कमांड' कोर्स आयोजित किया गया था। इसका मकसद ये था कि महिला अधिकारियों को ऑपरेशनल, इंटेलिजेंस, लॉजिस्टिक्स और प्रशासनिक पहलुओं के सभी हथियारों से ट्रेन किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस साल की शुरुआत में एक विशेष चयन बोर्ड के माध्यम से सेना ने 108 महिला अधिकारियों को कर्नल-रैंक में कमांड असाइनमेंट के लिए लिस्ट किया था। अधिकारी ने बताया कि सरकार ने इन महिला अधिकारियों के लिए विशेष रूप से 150 अतिरिक्त वैकेंसियां जारी की हैं। उन्होंने कहा कि शॉर्ट-सर्विस कमीशन (एसएससी) अधिकारियों के रूप में केवल 10-14 वर्षों के बाद सेवा छोड़ने के लिए मजबूर होने के बजाय महिला अधिकारियों को 2020-21 से सेना में स्थायी कमीशन (पीसी) मिलना शुरू हो गया था। बता दें कि आर्टिलरी रेजिमेंट में 280 से अधिक इकाइयां होंगी। इसमें महिला अधिकारी विभिन्न प्रकार के हॉवित्जर, बंदूकें और बहु-लॉन्च रॉकेट सिस्टम को संभालेंगी।

टेलीग्राम बना साइबर जालसाजों का नया ठिकाना

खुलेआम बिक रहा लोगों का डाटा, हर दिन हो रहे शिकार

नोएडा, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। साइबर जालसाज अब ठगी करने के लिए लिंक, मैसेज, कॉल, ओटीपी आदि का ही सहारा नहीं ले रहे हैं, बल्कि और भी नए तकनीक से जालसाजी कर रहे हैं। टेलीग्राम साइबर जालसाजों का नया ठिकाना बन गया है। यहां पार्ट टाइम नौकरी दिलाने से लेकर क्रिप्टो निवेश के नाम पर फ्रॉड हो रहा है। अब तो टेलीग्राम पर खुलेआम लोगों का डाटा बेचा जा रहा है।

टेलीग्राम पर टास्क देकर 29 लाख की ठगी

साइबर जालसाजों ने घर बैठे मोटी रकम कमाने का झांसा देकर आम्रपाली जोडिएक निवासी हिमांशु विज के साथ 29.59 लाख रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित हिमांशु ने पुलिस से शिकायत की है कि उनके पास कुछ दिन पहले अज्ञात नंबर से मैसेज आया था, जिसमें घर बैठे लाखों रुपये कमाने की बात कही गई थी। मैसेज में दिए गए नंबर पर जब हिमांशु ने बात की तो उन्हें इंस्टाग्राम पर पोस्ट और वीडियो लाइक करने का काम दिया गया। पहली बार में उन्हें 210 रुपये मिले। इसके बाद भी दो बार कुछ रकम पीड़ित के खाते में ट्रांसफर की गई। झांसे में पूरी तरह से लेने के बाद जालसाज ने पीड़ित को एक टेलीग्राम ग्रुप पर जोड़ा और प्रीपेड टास्क दिया। पहली बार में पांच हजार रुपये का पीड़ित ने निवेश किया। इसके बाद मुनाफा पाने के चक्कर में उन्होंने 29 लाख रुपये का निवेश कर दिया। अब जालसाजों से संपर्क नहीं हो पा रहा है।

60 प्रतिशत मुनाफा के नाम पर 8.5 लाख की जालसाजी

साइबर जालसाजों ने 60 फीसदी मुनाफा का लालच देकर एक युवक से 8.50 लाख रुपये की ठगी कर ली। सेक्टर- 2 निवासी वरुण खोसला ने शिकायत की है कि कुछ दिन पहले अंकिता नाम की महिला ने उनसे टेलीग्राम पर संपर्क किया। महिला ने झांसा दिया कि अगर वह टेलीग्राम की एक साइट पर निवेश करते हैं तो उन्हें 50 से 60 प्रतिशत अधिक रकम मिलेगी। महिला ने पहले पांच हजार रुपये निवेश कराए और उन्हें 60 फीसदी अधिक रकम लौटा दी। इसके बाद उन्होंने 8.50 लाख रुपये निवेश कर दिया लेकिन पैसे नहीं मिले।

आनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 1.56 करोड़ की ठगी

आनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर साइबर जालसाजों ने एक शख्स से 1.56 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। मामले में सेक्टर-36 स्थित साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई है। पीड़ित प्रवाल चौधरी ने शिकायत की है कि कुछ महीने पहले कुछ लोगों ने उनसे संपर्क किया और आनलाइन ट्रेडिंग के लिए बात की। आरोपियों ने आरंभ में ट्रेडिंग में फायदा दिखाकर उन्हें अपने विश्वास में ले लिया। उनसे कई बार में अपने विभिन्न खातों में 1.56 करोड़ रुपये ट्रांजेक्शन करा लिए।

टेलीग्राम पर डाटा बेचने की शिकायतें

टेलीग्राम पर लोगों का प्राइवेट डाटा खुलेआम शेयर किया जा रहा है और वहां ग्रुप पर बोली लगाई जा रही है। साइबर जालसाज लोगों के डाटा खरीद रहे हैं और उनके खाते में सेंधमारी कर रहे हैं। यूपी साइबर क्राइम के एसपी प्रो। त्रिवेणी सिंह का कहना है कि इस तरह के गिरोह सक्रिय हैं और इनकी शिकायतें साइबर पुलिस को मिल रही हैं। पुलिस की टीम इसकी जांच कर रही है और सोर्स के बारे में पता लगा रही है। इन डेटा से लोग ऑनलाइन फ्रॉड, हैकिंग और अटैक का शिकार हो रहे हैं।

टेलीग्राम पर वीडियो ट्रेनिंग नया ट्रेंड

अब साइबर जालसाजों ने टेलीग्राम ग्रुप पर वीडियो ट्रेनिंग देने का नया ट्रेंड शुरू किया है। इसके तहत पहले किसी भी शख्स को टेलीग्राम पर जोड़ते हैं और क्रिप्टो निवेश सहित अन्य तरह से निवेश कराने के लिए प्रेरित करते हैं। इसके बाद उसी टेलीग्राम ग्रुप पर उस विषय की वीडियो ट्रेनिंग देने लगते हैं ताकि सामने वाले शख्स को विश्वास हो जाए। इसके बाद जब पीड़ित विश्वास में आ जाता है तो साइबर ठगी शुरू हो जाती है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 24 अप्रैल- 2023

घाटी में निशाना बनते जवान

लाख सरकारी प्रयास के बाद भी कश्मीर घाटी में दहशतगर्दों की कमर तोडने में सरकार अब भी अपेक्षित सफलता नहीं पा सकी है। यही वजह है कि वे आए दिन अपनी कारगुजारियां करने से बाज नहीं आ रहे हैं। सरकार के दावों के बाज जमीनी हकीकत यही है कि वहां आतंकवादियों का मंसूबा अब भी कमजोर पडता नहीं दिखाई दे रहा है। अक्सर देखने में आ रहा है कि वे समय-समय पर अपनी रणनीति बदलते हुए सेना और सुरक्षा बलों पर हमला करते हुए देश का बहुत बडा नुकसान करने में सफल होते दिखाई दे रहे हैं। गुरुवार को पुंछ में आतंकवादरोधी अभियान में तैनात एक वाहन पर हथगोले से हमला इसका ताजा उदाहरण है। दहशतगर्दों ने घनघोर बारिश और कम दृश्यता का लाभ उठाते हुए सेना के वाहन पर हथगोले फेंके, जिससे उसमें आग लगने से पांच जवान शहीद हो गए और एक गंभीर रूप से घायल है। आर्मी का ट्रक पूरी तरह जलकर स्वाहा हो गया। एक ओर तो सरकारी आंकड़ों में दावे किए जाते हैं कि घाटी में सघन तलाशी अभियान चल रहा है। आतंकियों को वित्तपोषण करने वालों की पहचान और उनके खिलाफ सख्ती के चलते आतंकवादियों की कमर टूक चुकी है। यही नहीं आतंकवादी हमलों में कमी के आंकड़े भी पेश किए जाते हैं। वहीं दूसरी ओर शायद ही कोई महीना गुजरता है, जब सुरक्षाबलों पर आतंकी हमले की कोई घटना नहीं घटती हो। इसके साथ ही घाटी में रह रहे बाहरी लोगों, खासकर निर्दोष कश्मीरी पंडितों को निशाना बनाया जा रहा है। यह सब तब हो रहा है, जब सड़क मार्ग के रास्ते पाकिस्तान के साथ आवाजाही बंद है, जो दहशतगर्दों तक हथियारों की खेप पहुंचने का बड़ा माध्यम मानी जाती थी। सीमा पर भी कई लेयर में फोर्स की चौकसी बढ़ी है। अत्याधुनिक उपकरणों से लगातार निगहबानी भी जारी है। इसके बावजूद यदि उनके पास हथियार, हथगोले और धन पहुंच रहा है, तो निगरानी तंत्र को और पुख्ता बनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। बहरहाल, इसमें दो राय नहीं कि कश्मीर घाटी में आतंकवादियों को पाकिस्तान की ओर से मदद मुहैया कराई जा रही है। मगर पिछले सात-आठ सालों में जब वहां लगातार अलगाववादियों और दहशतगर्दों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। उन तक हथियार और पैसे की पहुंच रोकने के तमाम उपाय किए गए हैं। उनका समर्थन और वित्तपोषण करने वालों को सलाखों के पीछे डाला जा चुका है, उसके बावजूद क्या वजह है कि आतंकवादी न सिर्फ अपनी मौजूदगी बनाए हुए हैं, बल्कि सुरक्षा बलों को लगातार चुनौती भी दे रहे हैं। अब समय आ गया है जब सरकार को इन पहलुओं पर नए सिरे से गंभीरता से विचार करे। इस सच्चाई को नजरंदाज नहीं किया जा सकता कि बिना स्थानीय समर्थन के आतंकवादी वहां बने रह सकते हैं। बता दें कि जिस दौर में स्थानीय लोगों ने आतंकवादियों को पनाह देनी बंद कर दी थी और वे उनका विरोध करने लगे थे, उस दौरान घाटी में आतंकवादी घटनाओं पर काफी हद तक लगाम लग गई थी। घाटी में चर्चा है कि जबसे जम्मू-कश्मीर का विशेष राज्य का दर्जा छिना है, तब से वहां के लोगों में खासा आक्रोश है। सच्चाई यह भी है कि सरकार वहां के लोगों को अपने फैसले के पक्ष में सहमत कर पाने का प्रयास तो कर रही है लेकिन अभी अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। इससे वहां के आम लोगों और हुकूमत के बीच दूरी बढ़ती ही जा रही है। संवाद के सारे रास्ते लगभग बंद हो गए लगते हैं। ऊपर से रोजगार के नए अवसर भी पैदा नहीं हो रहे हैं। परंपरागत रोजगार भी तरह-तरह की दुविधाओं का शिकार हो रहा है। ऐसे माहौल में वहां के युवाओं का गुमराह होना स्वाभाविक है। वे हाथों में हथियार उठाने में भले ही संकोच करें लेकिन हथियार उठाने वालों की मदद करने लगते हैं। आंकड़े भी बताते हैं कि आतंकी संगठनों में नई भर्तियों को रोकने में वह कामयाबी नहीं मिल पाई है जिसकी अपेक्षा की गई थी। स्थानीय प्रशासन को समझना होगा कि केवल बंदूक के बल पर दहशतगर्दी को रोकने का दावा नहीं किया जा सकता। यदि दहशतगर्दों की समय रहते कमर नहीं तोडी गई तो वे आए दिन इसी तरह जवानों व कश्मीरी पंडितों को अपनी गोली का निशाना बनाते रहेंगे।

चीन को दी पटकनी

रेखा शाह आरबी

सुबह-सुबह मोहल्ले के कचौड़ी लाल दरवाजे पर आदत अनुसार पधारे थे। उन्हें मुफ्त की खबर और मुफ्त की चाय बेहद अजीज है । उनके और पाकिस्तान के शौक एक समान है । उनकी दोनों पसंदीदा चीजें उनके खिदमत में उनके आगे परोस दी गई ।जी भर कर समाचार पत्र निचोड़ने के उपरांत और चाय का प्याला खाली करके छोडने के पश्चात बोले बधाई हो बधाई । तो मैंने पूछ लिया -क्या हुआ कैसी बधाई पर बधाई दे रहे हैं । तो ज्ञानियों के अंदाज में बोले -अरे हम विश्व में नंबर वन हो गए । उनकी गोल गोल अस्पष्ट बातें सुनकर खींजकर पूछ बैठे-- - देश में नंबर वन होने के लिए तो बहुत सी चीजें है और अपना परचम लहराने के लिए बेताब है । बलात्कार, अपहरण, इनकाउंटर ,किसानों की आत्महत्या, फर्जी मुकदमा, रिश्वतखोरी ,बेरोजगारी , जनता की लाचारी, और भी ना जाने कितने यह सपना पाले हुए हैं कि हम पहले नंबर पर आ जाएं, लेकिन आप किसके बारे में बात कर रहे हैं? कचौड़ी लाल ने बताया कि हम जनसंख्या में नंबर वन पर पहुंच गए। ईश्वर की अपरंपार कृपा से। और जनता की कृपा से। चलिए कचौड़ी लाल जी आखिर कहीं तो हमने चीन को पटखनी दे दी अब तक उसने इस पहले नंबर की उपलब्धि पर कब्जा किया हुआ था। अब आखिर कहीं तो हमारे देश को सफलता मिली। किसी मामले में तो हम नंबर वन हुए हैं। और जनता का तो विशेष रूप से आभार करना ही पड़ेगा क्योंकि पहले रेलगाड़ियों में अकेले सफर करने पर दिक्कत होती थी अब रेल की कोच भरी पूरी रहेगी तो मन लगा रहेगा। पहले साफ पीने के पानी के लिए दिक्कत रहता था और अब सबको अलग-अलग पानी के टैंकर दिए जाएंगे तो ठंडक मिलेगा । पहले सड़कों पर अकेले गाड़ी चलाने में जनता को मजा नहीं आता था और अब सड़क थोड़ा व्यस्त मिलेगी तो जनता का मनोरंजन होगा पहले सरकारी और गैर सरकारी नौकरियों के लिए कैंडिडेट नहीं मिलते थे अब कम से कम सरकार के पास यह सुविधा रहेगी।

चलिए आपको भी बधाई जनता ने तरक्की कर ली। कचौड़ी लाल ---मुझे तो इस बात का डर है कि कहीं इस पर भी जांच ना बैठा दी जाए कि आखिर नंबर वन हुआ तो हुआ किसके सहयोग से और कल को क्या पता कोई नेता यह भी कहने लगे भाइयों एवं बहनों देश को नंबर वन पहुंचाने में हमारी पार्टी का अथक परिश्रम लगा हुआ है । जिसका परिणाम आपके सामने है और हम इसी प्रकार देश को नंबर वन पहुंचाते रहेंगे। मैं- तो इसमें कौन सी गलत बात कहेंगे वह लोग... आखिर ये लोग परिवार नियोजन के जन जागरण कार्यों को प्रचार और प्रसारित करने में असफल रहे... तभी तो जनता ने यह शानदार सफलता पाई है। और सफलता तो सफलता होती है चाहे वह किसी भी क्षेत्र में हो.. आपको तथा हम सबको बधाई कि हम जनसंख्या में अव्वल नंबर हो गए हैं।

पंजाब में बढ़ता कट्टरपंथ

रघु ठाकुर

पंजाब के हालात चिंताजनक है। पिछले कुछ समय से कट्टरपंथ पुनः सक्रिय हुआ है। किसान आंदोलन के अंतर्गत चल रहे धरने के आखिरी दिनों में भी एक निहंग ने एक निर्दोष व्यक्ति की हत्या कर दी थी और यह तर्क दिया था कि वह धर्म का अपमान यानि ईश निंदा कर रहा था। अमृतपाल सिंह के नेतृत्व में निहंगों ने अजनाला थाने पर अपने साथियों को छुड़ाने के लिये हमला किया था जिसमें अनेकों पुलिसकर्मी भी हमले के शिकार और घायल हुये थे। एक पुलिस थाने पर इस प्रकार का सामूहिक हमला और अपराधियों को छुड़ाकर ले जाना सामान्य घटना नहीं थी। उसके बाद से निरंतर पंजाब में कहीं न कहीं तनाव नज़र आ रहा है। इस उभरते तनाव के पीछे क्या कारण है और उन्हें कैसे हल किया जाए, यह भी चिंता का विषय है। सिख पंथ या सिख धर्म जो भी कहें वह बहादुरी, उदारता, समता, तार्किकता और सहनशीलता का विचार है। गुरूनानक ने तो लगभग सभी धर्मों के जो उनके समकालीन थे या प्राचीन थे से अच्छे सिद्धान्त अपने उपदेशों में शामिल किये थे। और यहां तक कि कबीर, रविदास जैसे समाज सुधारकों की भी कुछ बातों को उन्होंने अपने दर्शन में शामिल किया था। उन्होंने लगभग देश के बड़े हिस्से का भ्रमण किया और गुरूद्वारों की स्थापना की थी। उनके पंच प्यारों में जिन्हें लोग आमतौर पर छोटी जाति का या अस्पृश्य जैसा मानते थे उन्हें भी शामिल किया था। याने समर्पण और विचार के प्रति संकल्प उनके चयन का आधार था। उनके जीवन काल की कई उल्लेखनीय घटनायें हैं जो उनकी वैचारिक उदारता और व्यापकता को स्पष्ट करती है। जैसे एक कथानक बताया जाता है कि वे जब सो रहे थे तो उनके पैर मस्जिद की ओर थे किसी मुस्लिम भाई ने इस पर आपत्ति की तो उन्होंने कहा कि वह जगह बताओ जहां खुदा न हो। जब ईश्वर सब जगह व्याप्त है तो फिर पैर कहां हो कहां न हो यह अर्थहीन है। गुरू ग्रंथ साहिब को ही अपना मार्गदर्शक मानना यह भी एक क्रान्तिकारी कदम था। जिसका अर्थ था कि पत्थर की पूजा की बजाय विचार और असूल को मानो। उस कालखण्ड में हिन्दू समाज में व्याप्त कई कुरीतियों को भी उन्होंने अपने नये विचारों के द्वारा त्याग करा दिया था। गुरूद्वारों का संचालन, वहां आने जाने वालों के प्रति प्रेम और सेवा उनका तरीका था। आज भी मैं देखता हूँ बगैर किसी भेदभाव के, बगैर किसी जाति धर्म की कसौटी के, इंसान के साथ समानता प्रेमभाव और सेवा, गुरूद्वारों में नज़र आती है। दिल्ली के गुरूद्वारों में मैंने बड़े-बड़े संपन्न सिखों को गुरूद्वारे में आने वाले दर्शनार्थियों के जूते संभालते तथा उन्हें बाद में पॉलिश कर वापिस करते देखा है। यह एक विनम्र सेवा भाव तो है ही साथ ही इंसान-इंसान के बीच, छोटे-बड़े, अमीर-गरीब, के भेद को नकारने वाला विचार भी है। परन्तु पिछले कुछ दिनों से सिखों के एक समूह में कुछ कट्टरतायें पैदा हुई है या उनके दिमाग में भरी जा रही है। जिससे एक तरफ उग्रता और कट्टरता बढ़ रही है और दूसरी तरफ सिख धर्म के अनुयायियों में भी मानसिक विभाजन हो रहा है। जो दलित लोग गुरूनानक के दर्शन को मानकर सिख बने थे वे अब अपने को जट सिखों के साथ सहज नहीं महसूस कर रहे हैं। उन्हें रामगड़िया सिख कहा जाता है। और वे अब जट सिखों के गुरूद्वारों से अपने अलग गुरूद्वारे बनाना चाहते है। याने उनकी निष्ठा गुरूनानक के विचारों में तो है परन्तु सिख संस्थाओं के नियंत्रकों में नहीं। ऐसा ही कुछ राम रहीम पंथ के साथ भी है और उनके अनुयायी भी गुरूद्वारों के केन्द्रीय नियंत्रण से अलग होकर अपना अस्तित्व देखते है। और इसका स्वर्ण मंदिर और अकाल तख्त के नियंत्रण पर भी असर पड़ा है। एक समय जनमत की एकजुटता व दबाव के कारण राजा, महाराजा भी अकाल तख्त के फैसलों को स्वीकार करते थे। अकाल तख्त के सामने पेश होकर वे महाराजा नहीं बल्कि सामान्य इंसान होते थे। तात्पर्य यह है कि राज्य का सर्वोच्च अधिकारी भी अकाल तख्त के दण्ड को सहज सामान्य व्यक्ति के रूप में स्वीकारता था। लेकिन अब स्थितियां बदल रही है। अनेकों स्थानों पर सिखों के विभिन्न समूहों ने प्रथक गुरूद्वारे बनाये हैं और शिरोमणि प्रबन्धक कमेटी के नियंत्रण से वे मुक्त होना चाहते है। वैसे तो यह अच्छा ही है कि किसी भी धर्मों के केन्द्रों का सत्ताई केन्द्रीयकरण न हो क्योंकि केन्द्रीयकरण अपने आप में धार्मिक नहीं है। ईश्वर व व्यक्ति के बीच किसी संस्था या सत्ता की आवश्यकता नही है। धार्मिक संस्थाओं की देख-रेख या प्रबन्धन एक अलग विषय है। परन्तु उनके शरीर और मन पर प्रबंधक संस्थाओं का संगठनात्मक नियंत्रण धार्मिक मूल्यों के प्रतिकूल है। कुछ विदेशों से भी कट्टरताओं और विभाजक मानसिकता को हवा दी जाती है और बरगलाया जाता है। हालांकि यह महत्वपूर्ण है कि पंजाब का आम सिख और बहुमत बल्कि कहें तो चंद लोगों को छोड़कर सभी सिख अपने आपको भारतीय मानते है और खालिस्तानी जैसे नारों या विचारों का समर्थन नहीं करते। अमृत पाल के संगठन पंजाब दे को भी आम सिखों का कोई समर्थन नहीं है। आप किसी भी आम सिख से पंजाब में पूछें कि क्या वह खालिस्तान चाहता है तो शायद ही कोई हां कहे वरना हर सिख इससे इंकार करता है और इसे असंभव बताता है। कई वर्ष पूर्व एक ढाबे पर मैंने एक सिख ड्राईवर से यह पूंछा था कि क्या वह खालिस्तान चाहता है तो उसका उत्तर चौंकाने वाला था। उन्होंने कहा कि, हम लोग ट्रक पर काम करते हैं और हमारी इतनी गाड़ियां हैं कि वे पंजाब की सीमा से बाहर देश के दूसरे कोने तक चली जायेंगी। हम अपनी गाड़ियां कहां खड़ी करेंगे? याने छोटे से देश की कल्पना उनके दिमाग में नहीं है। पढ़े लिखे सिख और सीमा के नजदीक रहने वाले सिख भी पाकिस्तान के खतरे को समझते हैं और कहीं दूर तक भी उनके दिमाग में अलगाव की भावना नहीं है। परन्तु कुछ राजनीतिक, कुछ वैश्विक कारणों से उनमें कट्टरता की पुनः प्रवेश की बातें होती हैं। जैसे 26 मार्च को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर अमृत पाल सिंह के समर्थन में सिख भाईयों ने प्रदर्शन किया। कुछ दिनों पूर्व लंदन, सेंट फ्रांसिसको और वाशिंगटन में भी भारतीयों पर हमले का प्रयास हुआ है, यह घटनायें कहीं न कहीं हस्तक्षेप को दर्शाती हैं इसमें कोई दो राय नहीं है कि सिख समूदाय स्वर्ण मंदिर की पवित्रता और सम्मान के लिये अपना सब कुछ कुर्बान करने को तैयार रहा है और आज भी है। परन्तु स्वर्ण मंदिर की पवित्रता और गुरूद्वारों की सत्ता के केन्द्रीयकरण में कोई साम्य या संबंध नहीं है गुरूद्वारों के प्रबन्धन के लिये राज्य को स्थानीय समाज जनों को ही अधिकृत कर देना चाहिये। वे अपने गुरूद्वारों का प्रबंधन अपने तरीके से करें। राज्य को केवल राज्य या राष्ट्रीय कानून व्यवस्था के बारे में चिंता करना चाहिये। सिख समाज के भी प्रबुद्धजनों, राजनेताओं और समाज सेवियों को कट्टरताओं को पनपने से रोकने का प्रयास करना चाहिये। बल्कि ज्यादा अच्छा यह हो कि वह इस पर भी विचार करें कि रामगड़िया सिख या राम रहीम जैसे लोग जो सिख समाज के हिस्से हैं के मनों को कैसे अलगाव की भावना पनपती है ये कैसे समाज में स्थान बना पाते हैं।

क्या कहीं यह उनके साथ होने वाले भेदभाव के कारण तो नहीं है? कुछ संकीर्ण मानसिकता और उग्रवाद की पोषक मांगों का विरोध भी स्वतः सिख समाज के भीतर से होना चाहिये। स्व. भिण्डरवाले या श्रीमती इंदिरा गाँधी या सरदार बेअंत सिंह की हत्या करने वालों को संत की उपाधि कैसे दी जा सकती है और अगर इन्हें संत माना जायेगा तो फिर क्या धार्मिक कट्टरता नहीं बढ़ेगी? इन सवालों पर सिख समाज को सोचना चाहिये। आजकल यह भी मांग उठी है कि जिन्हें आतंकवाद के दौर में हत्याओं के अपराध में सजा हुई है उन्हें भी रिहा किया जाये। यह मांग उचित नहीं है। अपराध करने वाले को सजा देना न्यायिक प्रक्रिया है और उसे धार्मिक आधार पर नहीं देखा जाना चाहिये। हालांकि राज्य की पक्षपात पूर्ण और संकीर्ण कार्यवाही के कारण कई बार लोगों को ऐसी अनुचित मांगों के लिये तर्क मिल जाते हैं। मसलन गुजरात के बेकरी हत्याकांड में उम्र कैद की सजा पाये कुछ बंदियों को शासन द्वारा रिहा किये जाने की घटना एक गलत निर्णय था तथा वैधानिक शक्तियों व प्रक्रिया का खुला दुरूपयोग है।

क्या यूपी में 2024 की तैयारियाँ प्रारंभ हो गईं हैं ?

श्रवण गर्ग

पूरे देश को अगर माफिया गिरोहों की दहशत से मुक्त कर विश्व का आदर्श राष्ट्र बनाना हो तो क्या उत्तर प्रदेश द्वारा किए जा रहे प्रयोगों पर संपूर्ण भारत या कम से कम भाजपा-शासित प्रदेशों में अमल प्रारंभ नहीं कर देना चाहिए ? उत्तर प्रदेश में जिस प्राथमिकता के आधार पर माफिया गिरोहों के ख़िलाफ़ कार्रवाई को अंजाम दिया जा रहा है उससे राज्य में अपराधियों की कुल संख्या और उनकी ताक़त का अनुमान लगाया जा सकता है ! इसी प्रकार पूरे देश की स्थिति के बारे में भी कल्पना की जा सकती है। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक़, पिछले छह वर्षों के दौरान अकेले उत्तर प्रदेश में ही पुलिस और अपराधियों के बीच दस हज़ार से ज़्यादा एनकाउंटर्स हो चुके हैं। लगभग छह हज़ार अपराधियों की धर-पकड़ इस दौरान हुई है। इससे समस्या की गंभीरता का पता चलता है। (साल 2019 के लोकसभा चुनावों के बाद एडीआर(एसोसिएशन ऑफ़ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स) के हवाले से प्रकाशित एक खबर में बताया गया था कि तब नव-निर्वाचित 539 सदस्यों में लगभग आधों (233 अथवा 43%) के ख़िलाफ़ विभिन्न मामलों में आपराधिक प्रकरण लंबित थे। इनमें 116 (39%) भाजपा, 29 (57%) कांग्रेस , 13 (81%)जद(यू) ,10 (43%)द्रमुक तथा नौ (41%) तृणमूल के सांसद बताए गए थे। 2014 के मुक़ाबले यह संख्या 26 प्रतिशत अधिक थी।) मीडिया के प्रायोजित दंगलों के ज़रिए जनता का मन इस बात के लिए तैयार किया जा रहा है कि पंद्रह अप्रैल, शनिवार की रात प्रयागराज (इलाहाबाद) में एक मिनिट से भी कम समय में जो घटित हुआ उसके बाद से प्रदेश के नागरिकों ने राहत की साँस ली है। 'गोदी मीडिया' देश को समझा रहा है कि एक ऐसा अपराधी जिसके ख़िलाफ़ सौ से अधिक गंभीर आरोप थे ,जिसके ख़ौफ़ से प्रदेश की जनता चार दशकों से पीड़ित थी ,उसके ख़ात्मे का संदेश अब दूसरे अपराधियों तक भी जाएगा। जिन अन्य अपराधियों के ख़िलाफ़ अगली कार्रवाई को अंजाम दिया जाना है उनके बारे में भी मुनादी कर दी गई है। चूँकि मारे गए अपराधी का संबंध अल्पसंख्यक समुदाय से था ,मीडिया के जागरूक पत्रकार यह समझाने की कोशिश में भी लगे हैं कि उसकी ज्यादतियों से पीड़ितों में ज़्यादातर उसी के समुदाय के लोग थे। इन प्रयासों का छद्म संदेश यह है कि अल्पसंख्यकों को तो अब राहत की साँस लेना चाहिए। एक प्रमुख हिन्दी दैनिक ने अपने लखनऊ स्थित संवाददाता के हवाले से इस शीर्षक से खबर प्रकाशित की है कि :' मुस्लिम ही ज़्यादा पीड़ित थे अतीक और अशरफ़ के जुर्म से।' खबर में बताया गया है कि अतीक के '44 साल के आपराधिक जीवन में उसके जुल्मों से पीड़ित लोगों में मुस्लिम समाज की भी लंबी सूची है। 'व्यवस्था-आश्रित मीडिया जानता है कि कोई भी पाठक सवाल नहीं पूछने वाला है कि क्या अपराधियों और उनसे पीड़ित लोगों की सूचियाँ भी अब जाति और संप्रदायों के आधार पर तैयार होने लगीं हैं ? प्रयागराज की घटना के अगले ही दिन मैंने एक ट्वीट जारी किया था कि यूपी को उसकी आबादी (लगभग 25 करोड़) के आधार पर अगर एक राष्ट्र मान लिया जाए तो वर्तमान में राष्ट्रसंघ के 193 सदस्य देशों में वह पाँचवे नंबर पर आ जाएगा। उसके ऊपर के तीन देश चीन ,अमेरिका और इंडोनेशिया होंगे। आबादी में भारत अब पहले क्रम पर हो गया है। ट्वीट में बताए गए आँकड़े की मंशा दुनिया के दूसरे मुल्कों की तुलना में यूपी की ताक़त को राष्ट्र के रूप में एक अज्ञात भय के साथ व्यक्त करना था। भय यह कि एक ऐसी सर्वमान्य संवैधानिक व्यवस्था जिसमें क्रूर से क्रूर अपराधी (मान लीजिए 26/11 का गुनहगार कसाब)को भी क़ानूनन सज़ा घोषित होने तक जीवन का अधिकार हासिल है,क्या राज्य की अभिरक्षा में उसके होते हुए किसी तीसरी बाहरी शक्ति द्वारा उसके प्राणों का हरण किया जा सकता है ? अगर ऐसा होता है तो इतने बड़े राज्य-राष्ट्र में आम नागरिक को सुरक्षा की गारंटी कहाँ से प्राप्त होगी ?

क़ानून की संवैधानिक हैसियत और उसकी ज़रूरत कितनी रह जाएगी ? इस बात से कोई भी इंकार नहीं कर रहा है कि हर अपराधी को क़ानून के मुताबिक़ कड़ी से कड़ी सज़ा मिलनी चाहिए, ज़ुल्म उसने चाहे किसी भी जाति या संप्रदाय से जुड़े व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के प्रति किए हों। अतीक और उसके भाई की सरे आम हत्या और उस दौरान पुलिस की संदेहास्पद भूमिका किसी भी सभ्य नागरिक समाज के लिए दहशत पैदा करने वाली है। विशेषकर उन परिस्थितियों में जब अपराधी इस बात को लेकर पूर्व से आशंकित था कि उसकी हत्या हो सकती है और उसने देश की सर्वोच्च अदालत से उसने अपने संरक्षण के लिए आवेदन भी किया था। सर्वोच्च अदालत ने उसकी प्रार्थना को इस टिप्पणी के साथ ख़ारिज कर दिया था कि राज्य की व्यवस्था उसे संरक्षण प्रदान करेगी। क्या इन कारणों की ईमानदारी से जाँच हो पाएगी की राज्य की व्यवस्था सर्वोच्च न्यायालय की भावनाओं का सम्मान करने में किन कारणों से विफल रही ? अतीक पिछले चार दशकों से अपराधों का साम्राज्य चला रहा था। कई राजनीतिक दलों का संरक्षण भी उसे कथित रूप से प्राप्त था। वह एक बार के लिए लोकसभा और पाँच बार विधानसभा का सदस्य रह चुका था। निश्चित ही राजनीतिक दलों ने अतीक के अतीत की जानकारी के बाद ही उसे अपना उम्मीदवार बनाया होगा और जनता ने जिताया होगा।

वर्तमान सरकार भी 2017 से राज्य की सत्ता में है ! सवाल यह है कि क्या केवल किसी एक हत्याकांड के चश्मदीद गवाह की राज्य में हुई हत्या इतनी उत्तेजक साबित हो सकती है कि उसके बाद चलने वाला घटनाक्रम इतने बड़े प्रदेश में क़ानून-व्यवस्था की नींव हिला दे ? या फिर कोई अन्य कारण हैं जिनका खुलासा होना बाक़ी है ? देश के भविष्य से जुड़ी अतीत की कुछ महत्वपूर्ण घटनाओं की चौंका देने वाली जानकारियाँ इन दिनों आश्चर्यजनक रूप से प्रकट हो रहीं हैं ! हो सकता है अतीक की हत्या से जुड़े रहस्य भी किसी दिन फूटकर बाहर आ जाएँ ! पूछा तो यह भी जा रहा है कि यूपी में जो कुछ भी चल रहा है क्या उसे 2024 की तैयारियों के साथ जोड़कर भी देखा जा सकता है ? अगर ऐसा ही है तो आने वाले दिनों में और भी काफ़ी कुछ देखने-समझने की तैयारी रखना चाहिए ?

-http://shravan-garg1717.blogspot.com

वन प्रबंधन के लिए सही योजनाएं नहीं बनाई तो परिणाम झेलने होंगे

अशोक भाटिया

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग का असर इस साल की शुरुआत में ही दिखने लगा है। देश के बड़े हिस्से में तापमान औसत से अधिक दर्ज किया गया है और इस बार तीन मार्च से ही लू या हीटवेव का प्रकोप शुरू हो गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा 19 अप्रैल, 2023 को जारी अखिल भारतीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, 18 अप्रैल, 2023 को भारत के 60 प्रतिशत से अधिक या 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। 2022 की तुलना में इस बार हीटवेव ने देश में 10 दिन पहले दस्तक दी है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2023 तक, तीन राज्यों में लू या हीटवेव का सितम रहा। तीन मार्च से 18 अप्रैल, 2023 तक अब यह संख्या बढ़ कर 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक पहुंच गई, जिन्हें गर्म हवाओं ने अपने आगोश में ले लिया था।भारत में लू या हीटवेव इस सप्ताह सुर्खियां बना रहा है, 16 अप्रैल को कथित तौर पर हीटस्ट्रोक से 13 लोगों की मौत हो गई। 20 अप्रैल को प्रकाशित, कैमब्रिज विश्वविद्यालय के एक अध्ययन ने बताया कि देश के 90 प्रतिशत लोगों को गर्मी के कारण आजीविका क्षमता, खाद्यान्न उपज, वेक्टर जनित रोग फैलने और शहरी स्थिरता में नुकसान होने का खतरा है। यहां बताते चले कि, जब किसी स्टेशन का अधिकतम तापमान मैदानी इलाकों में कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस, तटीय क्षेत्रों में कम से कम 37 डिग्री सेल्सियस और पहाड़ी क्षेत्रों में कम से कम 30 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो उसे हीटवेव घोषित किया जाता है।कर्नाटक में साल का पहला लू का प्रकोप तीन मार्च को दर्ज किया गया था। नौ मार्च तक राज्य में चार दिन लू का कहर दर्ज किया गया था। गोवा में लू के चार दिन और गुजरात में दो दिन रहे। महीने की आखिरी लू 12 मार्च 2023 को दर्ज किया गया था।देश में 12 अप्रैल, 2023 को पश्चिम बंगाल में गंगा के अलग-अलग इलाकों में लू ने दस्तक दी। आंध्र प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, हरियाणा, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब और पश्चिम बंगाल में 12 से 18 अप्रैल तक लू का प्रकोप दर्ज किया गया।वर्तमान स्थितियों को देखते हुए इससे निपटने के लिए तैयारी बहुत जरूरी है, विशेष रूप से क्योंकि लू के सितम के जारी रहने के आसार हैं और यह लोगों के स्वास्थ्य पर असर डाल सकती है।मौसम विभाग द्वारा 21 अप्रैल, 2023 तक लू या लू जैसी चरम स्थितियों पर कम से कम आठ राज्यों में चेतावनी जारी की गई है। बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश में 26 अप्रैल, 2023 तक इन चरम स्थितियों के जारी रहने की आशंका जताई गई है।लोगों के स्वास्थ्य पर लू के प्रभाव को स्थापित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली ऐसी चरम घटनाएं घातक भी हैं और इनसे निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी की जरूरत है। देश के कई राज्यों में जंगल में आग लगने से हजारों हैक्टेयर का जंगल तबाह हो गया वहीं वन्य संपदा और वन्य जीवों के जीवन पर खतरा मंडराने लगा है। जंगलों से उठी आग की लपटों ने जम्मू, उत्तराखंड, हिमाचल, राजस्थान, गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और झारखंड को आग की तपती भट्ठी बना दिया है। उत्तराखंड और हिमाचल की स्थिति चीड़ की पत्तियों के कारण काफी विकराल है। 70 के दशक में ही पर्वतीय राज्यों में चीड़ उगाने के अभियान ने एक तरह का जंगल राज पैदा कर दिया। चीड़ उगाने की मुहिम में पर्वतीय राज्यों में न केवल चारागाहें छीन ली बल्कि मनुष्य को भी वनों से दूर कर दिया। वनाग्नि से हिमालीय राज्यों में कहर बरप रहा है, जहां तापमान सामान्य से दो से लेकर चार डिग्री तक बढ़ गया है। आप कल्पना कर सकते हैं कि बर्फ का सागर और एशिया की जलवायु के नियंत्रक हिमालय की क्या दशा होगी? तापमान बढ़ने से जंगलों में सूखे पत्ते और टहनियां ईंधन का काम करती हैं। एक छोटी सी चिंगारी हीट का काम करती है। ऐसे में अगर तेज हवायें चल रही हों तो यह आग पूरे जंगल को तबाह कर देती है। इंसानों की लापरवाही के चलते भी आगजनी की घटनायें बढ़ रही हैं। जम्मू के रियासी जिले के जंगल, हिमाचल के पार्वती घाटी में, राजस्थान के अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व, उत्तराखंड में बमराडी से लेकर सीमार के जंगलों में मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के जंगलों में आग से प्रकृति तबाह हो चुकी है। गर्मियों में तापमान के कहर ढाने के कारणों में ग्लोबल वामिर्जा तो है ही लेकिन भारत में बढ़ते तापमान का कारण वनों का क्षरण भी है।

उड़ने का पहला शौक़

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

वह हमारी पहली हवाई यात्रा थी। कभी हम टिकट पर 'सिर झुकाए हमारी खातिरदारी के लिए उतावले महाराज' को देखते थे, तो कभी वो हमें देखता था। अंदर की बात तो यह है कि न मैं उसे देखता था न वह मुझे, बल्कि दुनिया को दिखाना चाहता था कि मैं हवाई यात्रा करने जा रहा हूँ। इससे गजब रौब जमता है। ऐसा करने से गर्दन समकोण में और हम अहंकोण में पहुँचकर घमंडी होने का परमसुख प्राप्त कर सकते हैं। वैसे भी जो दिखावा न कर सके उसे हवाई यात्रा करने का अधिकार नहीं होना चाहिए। ऐसे लोगों की हवाई यात्रा पर बैन लगा देना चाहिए। अथवा अनागरिक घोषित कर भारी-भरकम जुर्माना ठोक देना चाहिए। इस मामले में मेरा कोई सानी नहीं है। मैं दिखावे के सिवाय कुछ करता ही नहीं। पानी का गिलास भी होंठों से यूँ स्पर्श कराता हूँ जैसे मेरे होठों के स्पर्श से स्टील का गिलास टूट न जाए। बार-बार चश्मे की दंडी को इस तरह से हिलाता हूँ जिससे कि लोगों को पता चल जाए कि मैं बहुत बड़ा विद्वान हूँ। हवाई अड्डा तो क्या मैं शौचालय जाने तक के लिए अंग्रेजी समाचार पत्र का इस्तेमाल करता हूँ। इससे स्टेटस बढ़ता है। लोग सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। हाथ में हिंदी समाचार पत्र हो तो समझो गए काम से। आवारा, गंवार और फिसड्डी कहलाने में देर नहीं लगती। हवाई अड्डा पहुँचते ही मन आत्मियाना (सेल्फियाना) हो उठा। झट से पॉकेट में से 'कटे सेब के ब्रांड वाला मोबाइल' निकाला और कैमरे की फ्लैश लाइट से चौंधियाने और खिचिक-खिचिक की आवाज से खिचखिचाने तक फोटो उतरते रहे। सूरत कैमरे के लायक है या नहीं, यह मैं ठीक-ठीक नहीं बता सकता लेकिन इतना विश्वास के साथ अवश्य बता सकता हूँ कि कैमरा के फिल्टर मेरी सूरत के लिए ही बने थे। एक से बढ़कर एक तस्वीरें आयीं। इतनी बढ़िया तस्वीरें देखकर किसका मन नहीं ललचाएगा। मैं अंतिम सांस गिन रहे पिता के मुख में तुलसी जल डालने में देरी कर सकता हूँ लेकिन सोशल मीडिया पर फोटो अपलोड करने में कतई नहीं। स्टेटस का सवाल भी तो कुछ होता है। हवाई अड्डे जैसे स्थानों पर शरीर में डीप फ्रीजर जैसी कड़ाके की जकड़न और अकड़न होनी चाहिए। सबकी नजर हम पर और हमारी नजरे रेबन के काले-काले गॉगल्स के भीतर से मंद-मंद मुस्कुराते हुए फूले नहीं समाता है। हाँ इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि हवाई अड्डे पर अपनी जान-पहचान वाला कोई मिल जाए तो अपने अहंकार ग्राफ को कभी नीचे न आने दें। प्राण जाए पर अहंकार न जाए।

मेहनत के बाद भी नहीं टिकता है पैसा, बनी रहती है आर्थिक तंगी तो करें ये बदलाव और देखें कमाल

आज आचार्य इंदु प्रकाश से जानिए कुछ उपायों के बारे में, जिन्हें करके आप जीवन में आ रही छोटी-मोटी परेशानियों से बच सकते हैं। कई बार बहुत मेहनत करने पर भी पैसे नहीं टिकते, ऐसा किसी वास्तु सम्बन्धी समस्या के कारण भी हो सकता है।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, उत्तर-पूर्व दिशा धन आगमन की दिशा होती है और अगर इस दिशा में भारी सामान रखा हो या इस जगह पर बहुत गंदगी रहती हो, तो आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। घर में धन आगमन की गति धीमी हो जाती है।

ऐसे ही उत्तर-पूर्व दिशा में अगर हर समय अंधेरा रहता हो तो परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ सकता है।

इसलिए इस दिशा में हमेशा उजाला होना चाहिए। ऐसे ही दक्षिण दिशा यम की दिशा मानी जाती है। इस दिशा में दरवाजा या तिजोरी रखना पैसों और आयु की हानि कराने वाला होता है।

क्या आप भी दीवार की तरफ मुंह कर के बैठते हैं? जान लीजिए इसके नुकसान

अक्सर अधिकतर लोग अपने खाली समय में कोई शांत जगह बैठना पसंद करते हैं, जहां आंखों के सामने कोई अच्छा नजारा हो। लेकिन बहुच से लोग ऐसे भी होते हैं जिन्हें घर में दीवार की ओर मुंह कर के बैठना पसंद होता है। अगर आप भी घंटों बैठकर खाली दीवारों को निहारते हैं तो सावधान हो जाइए। दरअसल, वास्तु शास्त्र में खाली दीवार के सामने बैठना ठीक नहीं माना गया है। आज हम वास्तु शास्त्र में आचार्य इंदु प्रकाश से जानेंगे कि आखिर खाली दीवार की तरफ मुंह कर के बैठने से क्या होता है और इसके उपाय क्या है।

खाली दीवार पर लगा दें कोई तस्वीर

आपने वो कहावत तो सुनी होगी- खाली दिमाग शैतान का घर। जब आप खाली होते हैं, जब आपके पास कोई काम नहीं होता तो ढेर सारे अच्छे-बुरे विचार आपके दिमाग में चलते रहते हैं। आप कुछ न कुछ सोचते रहते हैं इसलिए अगर आप कहीं बाहर से या ऑफिस से आकर घर पर किसी ऐसी जगह पर बैठते हैं जहां सामने दिवार पर कुछ न हो, वह बिल्कुल खाली हो तो और यह आपके रोज बैठने की निश्चित जगह है तो उस दिवार पर कोई पॉजिटिव तस्वीर लगाएं। आप चाहे तो अपने ही परिवार के सदस्यों की एक तस्वीर भी उस दीवार पर लगा सकते हैं। इससे आपका मन सकारात्मक रहेगा।

खाली दीवार की तरफ मुंह कर के बैठने से होती है ये दिक्कत

वहीं अगर आप अकेले खाली दिवार की तरफ मुंह करके बैठेंगे तो आप निगेटिव विचारों से घिरे रहेंगे जो कि आपके लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं है। वास्तु शास्त्र के मुताबिक, खाली दीवार की ओर मुंह कर के बैठने से आपके आत्मविश्वास में कमी आती है। तो अब समय रहते अपनी आदतों में बदलाव कर लें या फिर उसमें सुधार, क्योंकि तभी आपका जीवन संवर पाएगा।

आज जरूर करें पानी वाले नारियल का ये उपाय

1. अगर आप अथाह धन की प्राप्ति करना चाहते हैं तो आज रात के समय एक पानी वाला नारियल लें और शिव प्रतिमा के सामने उस नारियल को धन प्राप्ति की कामना करते हुए जमीन पर तोड़ दें। अब नारियल के इन टूटे हुए टुकड़ों को भगवान शिव की प्रतिमा के पास ही रख दें और रात भर वहीं रखा रहने दें। सुबह उठकर उन नारियल के टुकड़ों को वहां से उठा लें और घर के सब सदस्यों में बांट दें।

2. अगर जीवन में आपको किसी भी तरह की परेशानी है तो उससे निजात पाने के लिए आज एक लाल रंग का मोटा धागा लेकर गले में पहनें और उसे अगले महीने की अमावस्या तक पहने रखें। अगले महीने अमावस्या तिथि 19 मई को है । 19 मई को वह धागा अपने गले से निकालकर रात के समय घर से बाहर कहीं विराने में गड्ढा खोदकर दबा दें।

3. अगर आप आर्थिक समस्याओं से निजात पाना चाहते है तो आज 8 कागजी बादाम और 8 काजल की डिबिया लेकर, रात के समय उन्हें एक काले कपड़े में बांध कर अपनी पैसों की अलमारी या तिजोरी के नीचे रख दें। अगले दिन उस काले कपड़े को बादाम और काजल की डिबिया समेत पानी में बहा दें।

4. अगर आपके और आपके जीवनसाथी के बीच किसी न किसी बात को लेकर हमेशा अनबन बनी रहती है, तो आज थोड़ा-सा दूध लेकर, उसमें एक चुटकी शक्कर मिलाकर किसी कुएं में डाल दें। अगर आपको घर के आस-पास कहीं कुआं न मिले तो घर के बाहर कच्ची मिट्टी में दूध डाल दें और उसके ऊपर थोड़ी-सी मिट्टी डाल दें।

5. आज के दिन शाम के समय एक रोटी लेकर, उस पर सरसों का तेल डालकर दूसरी रोटी की सहायता से चुपड़ दें और तेल चुपड़ी दोनों रोटियों को काले कुत्ते को डाल दें। आज ऐसा करने से आपको जल्द ही आपकी बुराई करने वाले लोगों से छुटकारा मिलेगा।

6. अगर आप कर्ज से परेशान हैं, तो आज थोड़े-से राई के दाने हाथ में लेकर आधी रात को अपने घर के चौक में या घर की छत पर जाकर घड़ी की विपरित दिशा में तीन चक्कर काटें। इसके बाद थोड़-थोड़े राई के दाने दसों दिशाओं में फेंक दें।

7. अगर आपके परिवार का कोई सदस्य कुछ दिनों से अस्वस्थ है या आप स्वयं अस्वस्थ हैं तो आज स्नान आदि के बाद अस्वस्थ व्यक्ति के पहने हुए कपड़े से एक धागा निकाल लें और उस धागे को रूई के साथ मिलाकर उसकी बत्ती बना लें। अब एक मिट्टी के दिये में सरसों का तेल डालकर, वह बत्ती लगा दें और मंदिर के बाहर वह दीपक जला दें।

8. अगर आप बेरोजगारी की समस्या से परेशान हैं या आपको लगता है कि आपका कोई सीनियर आपके प्रमोशन में बाधा बन रहा है, तो आज शाम के समय एक नींबू लेकर, उसके चार अलग-अलग टुकड़े कर दें। किसी चौराहे पर जाकर चुपचाप चारों दिशाओं में एक-एक नींबू का टुकड़ा फेंक दें।

9. अगर आपकी कोई खास इच्छा है, जो बहुत समय से पूरी नहीं हो पा रही है तो आज एक नारियल लेकर उसे देवी मां का नाम लेकर तोड़ दें। अंदर से प्राप्त गिरी के 42 टुकड़े करें। 3 टुकड़े भगवान शंकर को चढ़ाएं, नौ टुकड़ें छोटी कन्याओं को बांट दें। दो टुकड़े दर्जी को, दो टुकड़े माली को, दो टुकड़े कुम्हार को प्रसाद के रूप में बांट दें और चार टुकड़े अपने लिये रख कर शेष बीस टुकड़े मंदिर में चढ़ा दें या प्रसाद के रूप में बांट दें।

10. अपने करियर को एक नई दिशा देने के लिए आज के दिन एक पानी वाला नारियल लें और उस पर लाल रंग का धागा सात बार लपेटकर अपने ईष्ट देव का ध्यान करते हुए बहते पानी में प्रवाहित कर दें

11. अपना कॉन्फिडेंस लेवल बढ़ाने के लिए आज रात के समय मंदिर के दरवाजे बंद होने से पहले एक घी का दीपक जलाएं। अगर घर के बाहर मन्दिर में नहीं जा सकते हैं, तो रात को सोने से पहले घर के मंदिर में ही घी का दीपक जलाएं। देखिये जो आप रोज़ शाम की पूजा के लिये दीपक जलाते हैं, वो दीपक अलग है, वो तो आपको जलाना ही है लेकिन साथ ही रात को सोने से पहले एक और घी का दीपक आपको जलाना है।

12. अपने परिवार से सारी परेशानियों को मिटाने के लिए और खुशियों को बरकरार रखने के लिए आज के दिन 5 लाल फूल और 5 तेल के दीपक जलाकर बहते पानी में प्रवाहित कर दें। अगर ये उपाय आप शाम को दिन छिपने के बाद करें, तो और भी अच्छा है। बाकी आप अपनी सुविधा के अनुसार कर सकते हैं।

कबूतर की गुटर गूं को ना करें नजरअंदाज, माना जाता है बड़ा इशारा

भारतीय समाज में ऐसी कई मान्यताएं प्रचलित हैं। जिन्हें शुभ या अशुभ से जोड़कर देखा जाता है। शकुन शास्त्र में पशु पक्षियों से जुड़े कुछ विशेष संकेतों के महत्व के बारे में बताया जाता है। इन्हीं पक्षियों में से एक है कबूतर। हिंदू धर्म में कबूतर को सुख और शांति का प्रतीक माना जाता है।

कबूतर से संबंधित कुछ शुभ और अशुभ संकेतों के बारे में।

-सौभाग्य लाता है कबूतर

शास्त्रों के अनुसार कबूतर का घर में आना-जाना आपके दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल सकता है। सुबह-सुबह यदि कबूतर की गुटर गूं सुनाई दे तो यह लाभ मिलने की ओर संकेत हो सकता है। माना जाता है कि कबूतर के घर में आने से घर में सुख शांति में वृद्धि होती है।

यदि कबूतर बिना घोंसला बनाएं आपके घर पर आते रहते हैं। तो यह आपके लिए शुभ संकेत है। शकुन शास्त्र में बताया गया है कि कबूतर माता लक्ष्मी के भक्त होते हैं, इसलिए इनके घर आने पर इन्हें दाना जरूर खिलाएं। ज्योतिष शास्त्र भी मानता है कि कबूतरों को दाना खिलाने से कुंडली में गुरु और बुध ग्रह की स्थिति मजबूत होती है। इसके अलावा कबूतर के घर आने से घर में सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

-कबूतर का घोंसला बनाना अशुभ संकेत

मान्यता के अनुसार कबूतर का घर में घोंसला बनाना शुभ नहीं माना जाता। कई बार देखने में आया है, कि कबूतर घरों में छत पर या बालकनी में घोंसला बना लेते हैं। शकुन शास्त्र मानता है कि घर में कबूतर का घोंसला बनाना अशुभ होता है। कबूतर का घर में घोंसला बनाना दुर्भाग्य को आमंत्रित करता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके कबूतर का घोंसला अपने घर से हटा दें। माना जाता है कि कबूतर के घोंसला बनाने से घर के सदस्यों की आर्थिक स्थिति पर बुरा प्रभाव पड़ता है, और उन्हें अपने कार्य क्षेत्र में कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

गौरी शंकर रुद्राक्ष है बेहद लाभकारी

कुछ लोग इसे गले में माला की तरह धारण करते हैं, तो वहीं कुछ लोग इसका ब्रेसलेट बनाकर पहनते हैं। जो लोग शिव के अनन्य भक्त हैं उनका इस बात में दृढ़ विश्वास है कि रुद्राक्ष धारण करने से हर तरह की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

क्या है रुद्राक्ष?

रुद्राक्ष एक तरह का मनका होता है जो पेड़ों पर उगता है। रुद्राक्ष 1 मुखी से 21 मुखी तक पाए जाते हैं। इसमें उपचार शक्ति होती है। इसलिए अन्य रत्नों की तुलना में रुद्राक्ष महत्वपूर्ण स्थान रखता है। सनातन धर्म में मंत्र जाप के समय रुद्राक्ष की माला का उपयोग करना अत्यंत शुभ माना गया है।

रुद्राक्ष का ब्रेसलेट धारण करने के फायदे

जो व्यक्ति रुद्राक्ष का ब्रेसलेट धारण करता है उसके आत्मविश्वास में गजब का इजाफा होता है। वह व्यक्ति स्वस्थ रहता है, उसकी शक्ति में वृद्धि होती है। उसे भय से मुक्ति मिलती है। रुद्राक्ष धारण करने से नकारात्मक शक्तियां दूर रहती हैं। इसके अलावा यह ब्रेसलेट भाग्योदय का संकेत माना जाता है।

धारण करते समय इन बातों का रखें ध्यान

रुद्राक्ष धारण करने से पहले गंगाजल से शुद्ध करें अवश्य करें। जब भी आप रुद्राक्ष के ब्रेसलेट को धारण कर रहे हैं तो ध्यान रखें कि सही मंत्रों का उच्चारण करें। रुद्राक्ष का ब्रेसलेट धारण करने के लिए किसी भी महीने के शुक्ल पक्ष का सोमवार सर्वोत्तम माना जाता है।

इन बातों का रखें ध्यान

रुद्राक्ष का ब्रेसलेट महिला और पुरुष दोनों ही धारण कर सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखमय बनाने के लिए महिलाओं के लिए गौरी शंकर रुद्राक्ष धारण करना सर्वोत्तम माना गया है। गौरी शंकर रुद्राक्ष धारण करने से पति पत्नी के बीच में विश्वास और प्यार बढ़ता है। परंतु सोने से पहले और माहवारी के समय रुद्राक्ष के ब्रेसलेट को निकाल देना उचित होता है।

अंबरनाथ शिव मंदिर

एक दिन में बना अंबरनाथ के शिव मंदिर के बारे में

आपने बहुत से मंदिरों के बारे में सुना होगा। लेकिन आज हम जिस मंदिर के बारे में बता रहें है वह मंदिर 11 वी शताब्दी में राजा मम्बानी ने बनवाया था हम बात कर रहे हैं महाराष्ट्र के अंबरनाथ शिव मंदिर की, जो मुंबई के पास स्थित है। इस मंदिर का स्थान अंबरनाथ है। इसका दूसरा नाम अंबरेश्वर है। इस मंदिर में भगवान शिव की पूजा की जाती है।

अंबरनाथ शिव मंदिर

महाराष्ट्र के अंबरनाथ मंदिर में भगवान शिव की पूजा की जाती है। मंदिर में मिले एक शिलालेख के अनुसार शिलाहाट के राजा मम्बानी ने इसे 1060 ई. में बनवाया था। स्थानीय लोगों का मानना है कि यह मंदिर पांडव वंश का है। यह मंदिर अतीत से हिंदू मूर्तिकला का एक अद्भुत उदाहरण है।

अंबरनाथ शिव मंदिर जैसा दुनिया में कोई दूसरा मंदिर नहीं है, जिसे ग्यारहवीं शताब्दी के मध्य में बनाया गया था।

इस मंदिर में 20 सीढ़ियाँ हैं जो गभरा नामक मुख्य कक्ष तक जाती हैं, जिसमें केंद्र में एक शिवलिंग भी शामिल है। महाशिवरात्रि के दिन, भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए अंबरनाथ में एक बड़ा मेला आयोजित किया जाता है।

इस मंदिर के बाहर दो नंदी हैं। त्रिमस्तिकी, जिसके घुटने पर एक महिला है, मंदिर की प्रमुख मूर्ति है, जो शिव-पार्वती की आकृति का प्रतिनिधित्व करती है। वलधन नदी के तट पर स्थित यह मंदिर इमली और आम के पेड़ों से घिरा है। मंदिर की वास्तुकला असाधारण गुणवत्ता की है। यहां 1060 ईस्वी का एक प्राचीन शिलालेख भी खोजा गया था। इस शहर में आप माचिस की फैक्ट्रियों का भी दौरा कर सकते हैं।

अंबरनाथ शिव मंदिर अपनी विशिष्ट वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है। 11वीं शताब्दी में बने इस मंदिर के बाहर दो नंदी बैल हैं। मंदिर के प्रवेश द्वार पर तीन मुखमंडप हैं। अंदर रहते हुए, हॉल में आगे बढ़ें, और फिर गर्भगृह में, जो 9 चरणों के नीचे स्थित है। मंदिर का मुख्य शिवलिंग त्रिमस्ती का है और उसके घुटने पर एक महिला है, जो शिव-पार्वती की आकृति का प्रतिनिधित्व करती है। शिव को शीर्ष खंड पर एक नृत्य मुद्रा में दर्शाया गया है।

पौराणिक कथा

अंबरनाथ की उत्पत्ति का पता महाभारत काल से लगाया जा सकता है। पौराणिक कथा के अनुसार, पांडवों ने अपने निर्वासन के सबसे कठिन कुछ वर्ष अंबरनाथ में बिताए, जहां उन्होंने एक ही रात में इस पुराने मंदिर को बड़े पैमाने पर पत्थरों से बनाया था। कौरवों द्वारा लगातार उनका पीछा किए जाने के कारण उन्हें इस स्थान से भागना पड़ा। गर्भगृह के ठीक ऊपर गर्भगृह का अभाव, जो मंडप से 20 कदम नीचे है और आकाश के साथ स्वयंभू शिवलिंग का दृश्य प्रदान करता है मंदिर अभी भी खड़ा है, उसका सिर खड़ा है, आने वाले तूफान का सामना कर रहा है। जब भी वलधूनी नदी में भयंकर बाढ़ आती है तो सबसे पहले इमली और आम के पेड़ों से घिरी इस संरचना का नजारा होता है। अंबरनाथ मंदिर की तुलना अबू के दिलवाड़ा मंदिरों, उदयपुर के उदयेश्वर मंदिर और सिन्नार के गोंडेश्वर मंदिर से की जा सकती है।

अंबरनाथ शिव मंदिर का इतिहास

राजा मम्बानी ने इस मंदिर को 1060 ई. में बनवाया था। पांडव युग का मंदिर इस मंदिर का दूसरा नाम है। मंदिर के बारे में बताया जाता है कि दुनिया में इसके जैसा कोई दूसरा मंदिर नहीं है। अंबरनाथ शिव मंदिर के पास कई प्राकृतिक चमत्कार हैं, जो इसकी बढ़ती लोकप्रियता में योगदान करते हैं।

मंदिर में दर्शन करने का समय

दिन भर मंदिर दर्शन के लिए खुला रहता है। माघ माह में शिवरात्रि के अवसर पर यहां विशाल मेला लगता है।

इस मंदिर का पुनर्निर्माण किया गया है, हालांकि परंपरा यह है कि इसे पांडवों द्वारा एक ही पत्थर से बनाया गया था।

अंबरनाथ शिव मंदिर

अंबरनाथ शिव मंदिर कैसे पहुँचें

अंबरनाथ रेलवे से जुड़ा हुआ है जो मध्य रेलवे का हिस्सा है, रेलवे स्टेशन से दूरी 2 किलोमीटर है। अंबरनाथ पूर्व से आप 15 रुपये में एक शेयरिंग ऑटो प्राप्त कर सकते हैं।

निकटतम हवाई अड्डा मुंबई हवाई अड्डा है, जो मंदिर से 50 किलोमीटर दूर है।

अंबरनाथ और बदलापुर के बीच स्थित चिखलोली बांध गर्मियों में ठंडा होने के लिए एक लोकप्रिय स्थल है। सर्दियों के दौरान, यह अत्यधिक भीड़भाड़ वाला हो जाता है और स्थानीय लोगों के लिए एक लोकप्रिय सप्ताहांत पलायन के रूप में कार्य करता है। पहाड़ों और झीलों का शांत दृश्य, साथ ही ताजी हवा जो आपकी आत्मा को सुकून देगी, आपको तरोताजा कर देगी। छोटे झरने जहाँ आप तैर सकते हैं और अपने दोस्तों और परिवार के साथ ढेर सारी तस्वीरें खींच सकते हैं।

'रुस्लान' की रिलीज से पहले ही सलमान खान के जीजा को मिला कानूनी नोटिस

बॉलीवुड के 'दबंग' एक्टर सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' के प्रमोशन में बिजी हैं. उनकी फिल्म बीते शुक्रवार सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर केबीकेजे कुछ खास कमाल नहीं कर सकी. इस बीच सलमान खान के जीजा यानी एक्टर आयुष शर्मा अपनी अपकमिंग फिल्म 'रुस्लान' को लेकर कानूनी पचड़े में फंस गए हैं. फिल्म के टाइटल को लेकर कानूनी विवाद शुरू हो गया है, जिसके लिए एक्टर आयुष शर्मा और फिल्म के डायरेक्टर केके राधामोहन को लीगल नोटिस भेजा गया है. ये नोटिस एक्टर राजवीर शर्मा ने भेजा है. श्रीसत्यसाई आर्ट्स के बैनर तले बनी 'रुस्लान' में आयुष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं, सुश्री मिश्रा इस फिल्म से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रही हैं. जगपति बाबू और विद्या मालवडे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे.

एक रिपोर्ट के अनुसार, सलमान खान के बहनोई आयुष शर्मा और निर्माता केके राधामोहन को उनकी आगामी फिल्म के लिए 'रुस्लान' शीर्षक का उपयोग करने के लिए कानूनी नोटिस भेजा गया है. नोटिस में दावा किया गया है कि इसी टाइटल वाली फिल्म 2009 में रिलीज हुई थी और आने वाली फिल्म के लिए 'रुस्लान' शीर्षक के इस्तेमाल के कानूनी परिणाम हो सकते हैं. 2009 में आई फिल्म 'रुस्लान' में मुख्य भूमिका निभाने वाले राजवीर शर्मा ने अपने वकील रुद्र विक्रम सिंह के जरिए नोटिस भेजा है. नोटिस में यह भी मांग की गई है कि शर्मा और राधामोहन मूल फिल्म के किसी भी डायलॉग या कहानी का इस्तेमाल करने से बचें.

तेलुगू सुपरस्टार जगपति बाबू और सुश्री मिश्रा अभिनीत आयुष शर्मा की फिल्म का ट्रेलर 21 अप्रैल को रिलीज हुआ था. सूत्रों के मुताबिक, फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. 2009 की फिल्म 'रुस्लान' में मौसमी चटर्जी की बेटी मेघा चटर्जी ने भी मुख्य भूमिका निभाई थी. कानूनी नोटिस ने आगामी फिल्म की रिलीज के लिए बाधा उत्पन्न की है, और निर्माताओं ने अभी तक नोटिस का जवाब नहीं दिया है।

सामंथा ने निर्माता चिट्टीबाबू पर कसा तंज कहा- लोगों ने अपने कान में बाल उगा लिए हैं

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु अक्सर मीडिया की सुर्खियों में रहती हैं। फिल्मों के अलावा अपनी निजी जिंदगी की वजह से भी एक्ट्रेस खबरों में छाई रहती हैं। हाल ही में सामंथा सीरीज 'सिटाडेल' के वर्ल्ड प्रीमियर में शामिल हुईं, जिसके बाद एक बार फिर लोगों ने उनके व्यक्तिगत जीवन में ताकझांक शुरू कर दी है। पिछले दिनों सामंथा की फिल्म 'शाकुंतलम' के बॉक्स ऑफिस पर विफल होने के बाद निर्माता चिट्टी बाबू ने उनके करियर के बारे में टिप्पणी की थी। अब सामंथा ने उनके बयान पर पलटवार किया है।

चिट्टी बाबू ने सामंथा पर कसा तंज

पिछले दिनों चिट्टी बाबू ने अपने हालिया इंटरव्यू में सामंथा को लेकर तंज कसते हुए कहा है कि सामंथा का फिल्मों में करियर खत्म हो चुका है, और अब वह दोबारा स्टारडम नहीं पा सकती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक त्रिपुरनेनी चिट्टी बाबू ने यह दावा सामंथा के फिल्म प्रमोशन के तरीके को देखकर कहा। यही नहीं, उन्होंने सामंथा पर यह भी आरोप लगाया कि फिल्म को प्रमोट करने के लिए अपनी बीमारी और हेल्थ कंडीशन का इस्तेमाल कर रही हैं।

सामंथा ने भी किया पलटवार

अब सामंथा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर लिखा है कि वह गूगल पर कैसे लोगों के कान से बाल उगते हैं? खोज रही थी। यह ढूंढने के बाद उन्हें यह पता चला कि यह आदमियों में बढ़े हुए टेस्टोस्टेरोन के कारण होता है। उन्होंने हैशटैग के साथ अपनी खोज का स्क्रीनशॉट साझा किया। अब सामंथा के इस पोस्ट के बाद लोगों ने कयास लगाना शुरू कर दिया कि यह उन्होंने निर्माता चिट्टी बाबू का मजाक उड़ाने के लिए पोस्ट किया है। आपको बता दें कि फिल्म 'शाकुंतलम' कालिदास के नाटक 'शकुंतला' पर आधारित है, जो एक पौराणिक महाकाव्य कथा है। फिल्म में सामंथा के साथ देव मोहन मुख्य भूमिका में नजर आए हैं। साथ ही फिल्म में साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की बेटी अल्लू अरहा 'भरत' के रूप में नजर आईं।

काजोल ने परेशान होकर ट्रोल्स को दी गाली!

बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल पर्दे पर बेबाक रोल निभाने के साथ-साथ निजी जिंदगी में भी अपनी स्ट्रॉन्ग पर्सनैलिटी को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस समय-समय पर ट्रोल्स को अपने बयान से सबक सिखाती नजर आती हैं। इसी कड़ी में काजोल ने क्रिप्टिक नोट साझा कर सोशल मीडिया की हलचल बढ़ा दी है। डीवा ने नोट लिखकर दोनों जेंडर के 'कायर' लोगों को आड़े हाथों लिया है।

काजोल ने क्रिप्टिक नोट से मचाया तहलका

काजोल भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी बॉलीवुड एक्ट्रेस में से एक हैं, जिन्होंने हाल ही में फिल्म जगत में अपने 31 साल पूरे किए हैं। वहीं, एक्ट्रेस ने शनिवार देर रात एक पोस्ट कर तहलका मचा दिया। एक्ट्रेस ने एक क्रिप्टिक नोट साझा किया, जिसमें लिखा है, 'दोनों लिंगों के कायरों का अपना सेट है और एक *##*** लेस है। उनकी योग्यता या उनकी अयोग्यता को जेंडर के अनुसार देखा जाता है।' इसके साथ ही काजोल ने हैशटैग 'दिसशिटहोम' का इस्तेमाल किया है।

काजोल यहीं नहीं रुकीं और उन्होंने रूमी की लाइन को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किया, जिसके अनुसार, 'अलविदा केवल उन लोगों के लिए है जो अपनी आंखों से प्यार करते हैं। जो लोग अपने दिल और आत्मा से प्यार करते हैं, उनके लिए अलगाव जैसी कोई चीज नहीं है।' कथित तौर पर काजोल का यह पोस्ट एक्ट्रेस से जुड़ी तमाम खबरों से है। अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कई चैनल काजोल से जुड़ी ऐसी खबरें साझा कर रहे हैं, जिसने उन्हें काफी परेशान कर दिया है।

इस बीच, काजोल हाल ही में अपनी बेटी नीसा देवगन के लिए उनके खास जन्मदिन पोस्ट के लिए चर्चा में थीं। न्यासा, गुरुवार को 20 साल की हो गईं और काजोल ने उन पर गर्व होने की बात कही। नीसा के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए काजोल ने लिखा, 'हमेशा यही हम और हमारी कहानी है।

आपके सेंस ऑफ ह्यूमर और आपके दिमाग को प्यार करें और आपका ओह सो वेरी स्वीट हार्ट.. लव यू टू बिट्स बेबी गर्ल और आप हमेशा मुस्कुराएं और हमेशा मेरे साथ हंसें!' वर्क फ्रंट की बात करें तो, काजोल को आखिरी बार फिल्म 'सलाम वेंकी' में देखा गया था। आने वाले दिनों में वह इब्राहिम अली खान की डेब्यू फिल्म में नजर आएंगी, जिसके नाम से पर्दा उठना अभी बाकी है।

जल्द ही रिया कपूर की फिल्म में दिखेंगी शहनाज गिल

बोलीं- मेरे पास कई फिल्में हैं, एक समय था जब पंजाबी इंडस्ट्री ने मुझे साइडलाइन किया था

फिल्म किसी का भाई किसी की जान में शहनाज गिल की परफॉर्मेंस काफी पसंद की गई। फिल्म में शहनाज ने सुकून का किरदार निभाया था। हाल ही में पिंकविला को दिए इंटरव्यू में शहनाज ने बताया कि वो जल्द ही फिल्ममेकर रिया कपूर की अपकमिंग फिल्म में अनिल कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ नजर आएंगी। इंटरव्यू में शहनाज ने कहा- मेरे पास पाइपलाइन में कई फिल्में हैं। मैंने रिया कपूर की फिल्म में काम किया है। जब भी ये फिल्म रिलीज होगी, हम इस पर भी बात करेंगे। मैंने इस फिल्म में भी अच्छा काम किया है। मैंने अपना बेस्ट दिया है। हालांकि ये फिल्म अभी तक अनाउंस नहीं हुई है।रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म को रिया कपूर के पति करण बुलानी डायरेक्ट करेंगे। 2019 में ये रुमर थी कि शहनाज गिल रिया कपूर की किसी फिल्म में काम कर रही हैं। ये भी कहा जा रहा था कि इस फिल्म में वो बिल्कुल अलग अवतार में नजर आएंगी। इंटरव्यू के दौरान शहनाज से ये भी पूछा गया कि बिग बॉस के होस्ट और फिल्म में एक्टिंग कर रहे सलमान खान एक-दूसरे से कितने अलग हैं ? इस बात का जवाब देते हुए शहनाज ने कहा कि वो इन दोनों जगहों पर बिल्कुल एक जैसे लगते हैं और एक जैसे रहते भी हैं।

उनकी पर्सनालिटी में कोई अंतर नहीं है। वो सलाह तो देते रहते हैं, लेकिन मुफ्त में नहीं। वो मेरे टीचर या गुरु तो नहीं हैं, लेकिन जब भी मैं उनसे कोई सलाह मांगती हूं वो मुझे कोई काम की एडवाइस देते हैं। शहनाज ने आगे बताया- उन्होंने फिल्म के प्रीमियर के लिए सभी को बुलाया था। प्रोडक्शन हाउस को भी बुलाया गया था। मैंने फिल्म देखी और जब मैं फिल्म देखकर निकल रही थी तो मैंने फिल्म के प्रीमियर में आए लोगों की फोटो और वीडियो देखी। वहां मुझे छोड़कर सब थे। उस दिन मैं बहुत रोई थी। इंटरव्यू में शहनाज ने ये नहीं बताया कि वो किस फिल्म का जिक्र कर रही हैं। उन्होंने 2017 में सत श्री अकाल इंग्लैंड फिल्म के साथ अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। शहनाज काला शाह काला और डाका जैसी पंजाबी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

टूट गई थी डिंपल कपाड़िया की उंगली, फिर भी दरवाजे को मार रही थीं मुक्का, आखिर क्यों सहती रहीं ये दर्द?

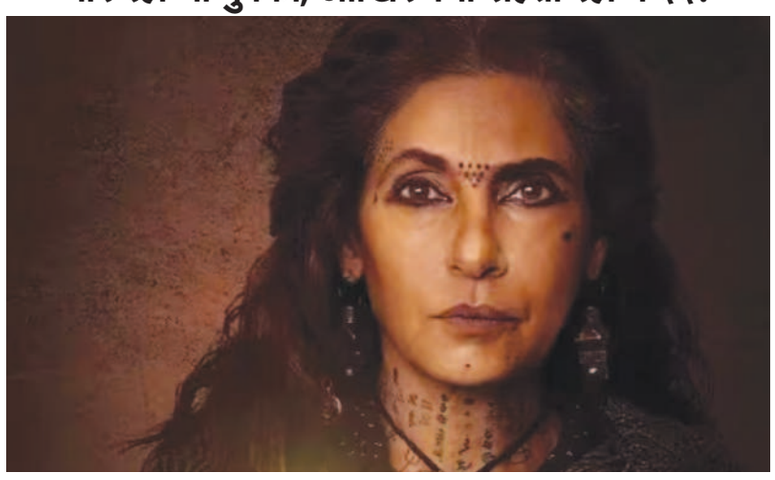

बॉलीवुड की दिग्गज एक्ट्रेस डिंपल कपाड़िया अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं. कई बार वो अपने काम में इतना खो जाती हैं कि उन्हें अपने अपने आस-पास के माहौल का पता ही नहीं चलता. डिंपल कपाड़िया अपनी ओटीटी वेब सीरीज 'सास, बहू और फ्लेमिंगो' में नजर आने वाली हैं, जो 5 मई को डिज्नी+हॉटस्टार पर रिलीज होगी. डिंपल कपाड़िया के अलावा वेब सीरीज में राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार जैसे बड़े स्टार है. वेब सीरीज को होमी अदजानिया ने डायरेक्ट किया है, हाल ही में उन्होंने शूटिंग के दौरान का एक दिलचस्प किस्सा सुनाया, जिसने सभी को हैरान कर दिया. शूटिंग के दौरान डिंपल कपाड़िया के हाथ की उंगली टूट गई थी. डिज्नी+ हॉटस्टार सीरीज 'सास, बहू और फ्लेमिंगो' का शानदार ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें डिंपल कपाड़िया का एक खूंखार अवतार देखने को मिला. वेब सीरीज की कहानी सास-बहू कनेक्शन पर आधारित है, जिसने इस मजेदार रिश्ते को देखने का एक नया नजरिया दिया है.

'सास, बहू और फ्लेमिंगो' में सास और बहू एक टफ, ताकतवर और शातिर महिलाओं के तौर पर नजर आ रही हैं. वेब सीरीज चार महिलाओं पर फोकस्ड है, जो एक दूरदराज के गांव हस्तीपुर में रहती हैं, घर की लेडी बॉस डिंपल कपाड़िया हैं. होमी अदजानिया ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक सीन की शूटिंग के दौरान डिंपल कपाड़िया को पता ही नहीं चला कि उनकी उंगली टूट चुकी है. वो फिर भी अपना सीन करती रहीं. दरअसल, डिंपल कपाड़िया ने शो के एक एक्शन सीक्वेंस के दौरान अपनी उंगली तोड़ ली, लेकिन फिर भी वो अगले चार टेक के लिए दरवाजे पर टूटी हुई उंगली के साथ घूंसा मारती रहीं. वहीं, राधिका मदान ने 30 फुट ऊंची इमारत से छलांग लगाई और एक फंदे के सहारे फिर से ऊपर चढ़ गई, इस शूट को करते समय उनके चेहरे पर कोई डर नहीं था. शूटिंग के दौरान ही ईशा तलवार को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा, लेकिन वो जल्द ही सेट पर वापस आ गईं. होमी अदजानिया ने कहा, "फिर मुझे समझ में आया कि वे मजबूत महिलाओं का एक ग्रुप है और मैं कहानी के साथ कुछ गलत नहीं कर रही हूं.'

'प्लीज फरहाद सामजी को हेरा फेरी 3 से हटा दो..', सलमान की फिल्म का हाल देख निर्देशक पर भड़के फैंस

सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान 21 अप्रैल को बड़े पर्दे पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को लेकर लोगों में जबरदस्त बज बना हुआ था और सलमान के फैंस चार साल के बाद उनके दोबारा पर्दे पर वापस लौटने के इंतजार में थे। ईद के खास मौके पर फैंस को सलमान ने तोहफा दिया। पहले दिन इस फिल्म ने महज 13 करोड़ रुपये का औसत कारोबार किया, वहीं दूसरे दिन फिल्म की कमाई डबल यानि तकरीबन 25 करोड़ रुपये रही। वहीं कुछ लोगों को यह फिल्म बिल्कुल नहीं पसंद आई है। लेकिन लोगों ने इसका ठीकरा सलमान खान नहीं बल्कि फिल्म के निर्देशक फरहाद सामजी पर फोड़ा है। सलमान खान की फिल्म किसी का भाई किसी की जान की तुलना शाहरुख खान की पठान से की जा रही थी। लेकिन किसी का भाई किसी की जान के कलेक्शन के आंकड़ों ने बता दिया कि फिल्म की हालत क्या है। इसके पीछे लोगों को फरहाद सामजी का कमजोर डायरेक्शन नजर आ रहा है।

किसी का भाई किसी की जान की रिलीज के बाद से ही यूजर्स फरहाद सामजी पर जमकर भड़के हुए हैं। लोगों ने कहना शुरू कर दिया है कि ये फिल्म जिस साउथ फिल्म वीरम का हिंदी रीमेक है, उसे तो लोगों ने पसंद किया था, लेकिन फरहाद के डायरेक्शन में इतनी कमियां हैं कि दर्शकों को कहानी में मजा ही नहीं आया। एक यूजर ने लिखा- फिल्म का डायरेक्शन फरहाद से करा के कबाड़ा कर दिया।

कुछ लोगों ने तो सोशल मीडिया पर यह तक कह दिया है कि एक और फिल्म किसी का भाई किसी की जान को बर्बाद कर दिया और अभी भी हेरा फेरी 3 का निर्देशन कर रहे हैं, प्लीज इन्हें हटा दो। एक अन्य यूजर ने लिखा, हेरा फेरी 3 के निर्माताओं से मेरा अनुरोध है, अगर फरहाद सामजी निर्देशित कर रहे हैं... तो मत करो। बता दें कि इससे पहले भी लोगों ने हेरा फेरी 3 से फरहाद सामजी को हटाने का अनुरोध किया था। किसी का भाई किसी की जान की बात करें तो इस फिल्म में सलमान खान के अलावा पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, पलक तिवारी, भूमिका चावला, सिद्धार्थ निगम, जगपति बाबू आदि सितारे नजर आए हैं।

'फ्रेडी' की एक्ट्रेस अलाया ने ये क्या कह दिया? बॉलीवुड में मेल-फीमेल एक्टर्स के बीच भेदभाव...

बॉलीवुड स्टार एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म 'फ्रेडी' से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचने वाली खूबसूरत एक्ट्रेस अलाया एफ ने हाल ही में मेल-फीमेल एक्टर्स के बीच भेदभाव पर बड़ा बयान दिया है. हाल ही में उनकी सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म 'यू-टर्न' रिलीज हुई है, जिसमें वो एक रिपोर्टिंग इंटर्न राधिका की मुख्य भूमिका निभाती नजर आ रही हैं. उनके रोल को एक खास फ्लाईओवर पर 'यू-टर्न' पर होने वाली दुर्घटनाओं की जांच करने का काम दिया गया है. उन्होंने कहा कि किसी भी प्रोजेक्ट में मुख्य भूमिका निभाने का बहुत दबाव होता है क्योंकि निमार्ताओं को अभिनेता से बहुत उम्मीद होती है, उनपर एक अतिरिक्त दबाव होता है. अलाया ने कहा कि वह एक ऐसे सिनेमा का हिस्सा बनकर खुश हैं, जहां महिला किरदारों के इर्द-गिर्द ज्यादा से ज्यादा प्रोजेक्ट बन रहे हैं.

उन्होंने कहा, 'बहुत दबाव है, मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन कभी-कभी आपको इसमें कूदना पड़ता है. मैं इस बारे में चिंतित थी, लेकिन फिर आप खुद को याद दिलाते हैं कि आप एकता मैम जैसी हस्ती के साथ काम कर रहे हैं जो इस उद्योग में मजबूत और शक्तिशाली बॉस महिला हैं. लैंगिक पक्षपात या भूमिकाओं ने उनके व्यक्तित्व को कभी प्रभावित नहीं किया. यह उन पर लागू नहीं होता.' निर्माता एकता कपूर के बारे में अधिक बताते हुए, अलाया ने कहा, 'वह इतने लंबे समय से एक बॉस महिला रही है. वह डर, अहंकार जैसी चीजों को कभी भी अपने ऊपर हावी नहीं होने देती है.'

अलाया ने 2020 में कॉमेडी फिल्म 'जवानी जानेमन' से एक्टिंग की शुरूआत की, और बाद में वह 'फ्रेडी', 'लगभग प्यार विद डीजे मोहब्बत' में दिखाई दीं, और 'बड़े मियां छोटे मियां', 'श्री' और 'एक और गजब कहानी' के प्रोजेक्ट का भी हिस्सा हैं. एक्ट्रेस ने आगे कहा कि इंडस्ट्री में चीजें बदल रही हैं और आजकल कई फिल्में में महिला अभिनेताओं को हीरो के रुप में दिखाया जाता हैं. उन्होंने कहा, 'अपनी पहली फिल्म से ही मैं अपनी हर फिल्म में शानदार और साफ-सुथरे किरदारों की पेशकश के लिए वास्तव में आभारी हूं. यह एक आशीर्वाद है. यह सबसे अच्छी पीढ़ी है जहां फिल्में हैं.'

जुगाड़ू जोगी की भूमिका में नजर आएंगे नवाजुद्दीन

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी को आखिरी बार फिल्म 'हीरोपंती' में देखा गया था, जहां उन्होंने नकारात्मक किरदार निभाकर खूब तारीफें बटोरीं। वहीं, अब नवाज को फैमिली कॉमेडी मूवी में देखा जाना है, जिसमें उनके अपोजिट नेहा शर्मा नजर आएंगी। इसी कड़ी में नवाजुद्दीन ने ईद के शुभ अवसर पर अपनी अपकमिंग मूवी 'जोगीरा सा रा रा रा' का टीजर जारी कर दिया है। इस टीजर में जबरदस्त कॉमेडी है, जो लोगों को खूब गुदगुदा रहा है।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने अपनी आने वाली फिल्म 'जोगीरा सा रा रा रा' का टीजर साझा कर फैंस को विजुअल ट्रीट दी। इस पारिवारिक कॉमेडी फिल्म का टीजर जारी करते हुए नवाजुद्दीन ने कैप्शन में लिखा, 'आप सभी को ईद मुबारक। आपके लिए ट्विस्ट से भरी एक साफ-सुथरी पारिवारिक कॉमेडी फिल्म पेश कर रहा हूं। जोखिम, और जुगाड़।'

नवाजुद्दीन ने आगे लिखा, 'हमारी आने वाली फिल्म 'जोगीरा सा रा रा रा' का आधिकारिक टीजर अभी आउट हो गया है।' मूवी में एक्टर जुगाड़ू जोगी प्रताप की भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, नेहा शर्मा उनकी प्रेमिका डिंपल के किरदार में देखी जाएंगी। 'जोगीरा सा रा रा रा' का टीजर जारी होने के बाद से ही सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। नवाज के फैंस कमेंट कर फिल्म के लिए अपना प्यार जाहिर करते नजर आ रहे हैं।

एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है, 'बॉलीवुड के दिग्गज वापस आ गए हैं।' दूसरे ने लिखा है, 'नवाज भाई की लाजवाब एक्टिंग।' वहीं, एक अन्य लिखते हैं, 'बॉलीवुड में कुछ नया आ रहा है।' 'जोगीरा सा रा रा रा' फिल्म 12 मई 2023 को रिलीज होगी। इसका निर्देशन कुशान नंदी ने किया है। इस फिल्म की सक्रिप्ट गालिब असद भोपाली ने लिखी है। मूवी में नेहा शर्मा और नवाजुद्दीन सिद्दीकी के अलावा संजय मिश्रा और महाक्षय चक्रवर्ती भी नजर आएंगे।

विदेश में पढ़ने का सपना होगा पूरा ऐसे करें फाइनेंशियल प्लानिंग

कई स्टूडेंट्स का विदेश में जाकर पढ़ाई करने का सपना होता है। अगर आप भी विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी करनी चाहती हैं तो आप किस तरह से फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

विदेश में ऐसी कई यूनिवर्सिटी और कॉलेज हैं जो हायर एजुकेशन के लिए बेस्ट माने जाते हैं। अगर आप भी हायर एजुकेशन के लिए विदेश जाकर पढ़ाई करना चाहती है, लेकिन आपको यह समझ नहीं आ रहा है कि किस तरह से इसके लिए फाइनेंशियल प्लानिंग करनी चाहिए तो हम आपको बताएंगे कि आप कैसे फाइनेंशियल प्लानिंग कर सकती हैं।

फीस की पूरी जानकारी हासिल करें

आपको जिस भी यूनिवर्सिटी में पढ़ाई करनी है उसकी सारी डिटेल्स पता करें। यूनिवर्सिटी में कौन-कौन से कोर्स ऑफर किए जाते हैं इसके बारे में पता करने के साथ-साथ फीस के बारे में भी पूरी जानकारी हासिल करें। इसके बाद आपको फीस के अनुसार अपना बजट तय करना होगा। (विदेश में करना चाहती हैं पढ़ाई तो आसानी से इन सरकारी स्कीम में करें अप्लाई)इसके अलावा यह भी पता करें कि यूनिवर्सिटी किसी प्रकार की स्कॉलरशिप देती है या

नहीं। आपको बता दें कि कुछ कॉलेज और यूनिवर्सिटीज तो स्कॉलरशिप में फीस का हिस्सा पूरी तरह से माफ कर देती हैं। ऐसे में स्टूडेंट्स को सिर्फ विदेश में रहने के लिए ही खर्च करना पड़ता है।

बजट तय करना है जरूरी

विदेश में पढ़ाई पूरी करने के लिए सही तरह से बजट बनाना बहुत जरूरी होता है। इसमें आपको विदेश में रहने का खर्च और अन्य खर्चों को ध्यान में रखना होगा। अगर आप लोन लेने पर विचार कर रही हैं तो लोन लेने से पहले इस बात का ध्यान रखें कि जो लोन आप लेंगी उसमें क्या-क्या कवर होगा। साथ ही आपको विदेश में पार्ट टाईम जॉब के लिए भी अप्लाई करना चाहिए। इससे आपके विदेश में रहने का खर्च आप संभाल पाएंगी। आपको यह भी बता दें कि आप जिस भी जगह पढ़ाई के लिए जा रही हैं वहां के नियम-कानून के बारे में पहले से पता कर लें क्योंकि कुछ देशों में ऐसा भी है जहां जॉब करने की छूट नहीं होती है।

पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें

ज्यादातर लोग एजुकेशन लोन ले तो लेते हैं पर उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं होती है कि उनकी पढ़ाई पर कितना खर्च हो रहा है इसलिए यह जरूरी है कि आप पढ़ाई पर कुल खर्च का आकलन करें और साथ ही लोन के री-पेमेंट की स्ट्रैटेजी को बनाएं।

इन सभी टिप्स की मदद से आप विदेश में जाकर पढ़ाई पूरी कर सकती हैं। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

सोशल मीडिया में ब्लॉग लिखने में बनाएं करियर

ब्लॉगिंग हमारे देश में नई नहीं है। सालों से ब्लॉग बन रहे हैं इसके बावजूद आज भी रोज नए-नए ब्लॉग क्रिएट होते रहते हैं। गूगल ब्लॉगिंग एक आसान और सस्ता तरीका है जिसके माध्यम से रीडर्स तक पहुंचा जा सकता है। हालांकि, यह आसान लगने वाला काम आसानी से पैसा कमाने का जरिया नहीं बनता।

सालों की मेहनत और रीडर्स के बीच पैठ बैठाने के बाद ही सफलता पाई जा सकती है इसलिए अगर अच्छा कंटैंट क्रिएट करने और धीरे-धीरे पाठकों के बीच अपनी साख जमाने का धैर्य आप में हो तो इस फील्ड में आ सकते हैं। इसे फुल टाइम काम की तरह करेंगे तो ही पैसा बना पाएंगे। हालांकि, आप चाहें तो दूसरे कामों के साथ भी ब्लॉगिंग को हॉबी के तौर पर अपना सकते हैं।

ब्लॉगिंग की शुरूआत 90 के दशक में हो गई थी पर इसे लोकप्रियता 2005 के आसपास मिली। साल 2010 आते-आते देश में हजारों की संख्या में ब्लॉगर आ गए। गूगल विज्ञापनों से पैसा कमाने का जरिया बनते ही हर कोई उस विषय पर लिखने लगा जो रीडर्स पसंद करते हैं। यहीं आपको सावधानी बरतनी है । इस लालच में न पड़ें कि क्या पढ़ा जाता है बल्कि वह लिखें जिसमें आपको रुचि हो, ज्ञान हो और जिसके बारे में रिसर्च करने के लिए आप तैयार हों।

आजकल लोग अलग-अलग टॉपिक्स पर ब्लॉगिंग के जरिए नाम और पैसा दोनों कमा रहे हैं।

इनमें से कुछ ब्लॉग बहुत फेमस भी हैं जैसे न्यूज ब्लॉगिंग, हैल्थ ब्लॉगिंग, फैशन ब्लॉगिंग, फूड ब्लॉगिंग, एजुकेशन ब्लॉगिंग, टूरिज्म ब्लॉगिंग, गैजेट्स ब्लॉगिंग, ऑटोमोबाइल ब्लॉगिंग, नेचर ब्लॉगिंग ब्लॉगिंग में भी आजमा सकते हैं हाथ

जब कोई भी सूचना, विचार या जानकारी, किसी वैब पेज या वैबसाइट जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट की जाती है, तो इसी प्रक्रिया को ब्लॉगिंग कहा जाता है। जो व्यक्ति ब्लॉग या वैबसाइट के लिए ये सब पोस्ट या आर्टिकल लिखता है, उसे ब्लॉगर कहा जाता है। ब्लॉगिंग अब एक मजबूत करियर विकल्प के तौर पर तेजी से बढ़ रहा है।

यदि आप कैमरे के सामने सहज महसूस करते हैं तो आप ब्लॉगिंग यानी वीडियो ब्लॉग में भी हाथ आजमा सकते हैं। इसमें तरह-तरह के वीडियो बनाए जा सकते हैं जिन्हें देखना लोग आजकल काफी पसंद करते हैं ।

कंटैंट अच्छा हो तो रीडर आते हैं

आप जो लिख रहे हैं, वह घिसे-पिटे कंटैंट से अलग है तो ही रीडर आकर्षित होता है। किसी विषय को चुनें तो उसे पूरी तरह निचोड़ दें। ऐसा लिखें कि आने वाला रीडर अपने सब सवालों के जवाब लेकर जाए। इसके लिए आपको अपनी फील्ड में होने वाले नए इनवैंशन, नए रिसर्च, नए एडवांसमेंट वगैरह के बारे में पता होना चाहिए।

संभावनाएं : इस फील्ड में सफलता मिलती है पर देर से मिलती है। अगर आने वाले समय की बात करें तो ये अच्छा ग्रो करने वाला सैक्टर है। यहां आगे बढ़ने के लिए और पैसा बनाने के लिए आपको समय लगेगा।

धीरे-धीरे ही रीडर आते हैं और धीरे-धीरे ही आप पर उनका विश्वास पैदा होता है। शुरू-शुरू में (ये शुरू भी एक से दो साल के बाद हो सकता है) महीने के 30 से 40 हजार रुपए तक कमा सकते हैं जो बाद में दो से लाखों रुपए महीने भी हो सकती है।

इसके लिए फॉर्मल एजुकेशन की जरूरत नहीं पड़ती है पर आप चाहें तो राइटिंग स्किल्स निखारने वाले कोर्स कर सकते हैं। कई बार ब्लॉगर्स दूसरी कम्पनियों के लिए भी ब्लॉगिंग करते हैं ।

कुछ जरूरी टिप्स

सबसे पहले तय करें कि आप किस विषय पर ब्लॉगिंग करेंगे। विषय चुनते समय आपको केवल अपनी रुचि ही नहीं देखनी है बल्कि यह भी देखना है कि किस विषय पर आप ज्यादा से ज्यादा लिख पाएंगे।

कीवर्ड रिसर्च भी है बहुत जरूरी । अगर आपको इसकी जानकारी नहीं है तो आप कितनी भी मेहनत कर लीजिए ब्लॉगिंग में बहुत सफल नहीं हो सकेंगे।

आपको पता करना चाहिए कि जिस विषय पर आप लिखना चाहते हैं, उससे संबंधित कीवर्ड्स को लोग सर्च भी करते हैं या नहीं, उस पर कम्पीटिशन कितना है । ये सब पता करने के बाद ही उस पर लिखना शुरू करें ।

हाई क्वालिटी कंटैंट बनाएं। आपके ब्लॉग पर सबसे महत्वपूर्ण चीज आपका कंटैंट ही होता है इसलिए अगर आप सफल होना चाहते हैं तो इसका सबसे ज्यादा ध्यान रखना है।

पहली बार जाने वाली हैं कॉलेज तो इन बातों का रखें ध्यान

पहली बार कॉलेज जाना सभी के लिए एक खास पल होता है। नए कॉलेज को लेकर सभी स्टूडेंट्स के मन में ढेर सारी उम्मीदों के साथ कुछ सवाल भी होते हैं। एक ओर स्टूडेंट्स यह सोचते हैं कि वह कॉलेज में अच्छे दोस्त बनाएंगे तो वहीं दूसरी ओर कॉलेज उनके लिए बिल्कुल अनजानी जगह होती है। आने वाले कुछ दिनों में कॉलेज एडमिशन भी शुरू हो जाएंगे। अगर आप पहली बार कॉलेज जाने वाली हैं, तो हम आपको बताएंगे कि आपको किन बातों का जरूर ध्यान रखना होगा।

कॉन्फिडेंस है जरूरी

आपको इस बात का डर छोड़ देना चाहिए कि कॉलेज में कैसे सीनियर होंगे और आप उनसे कैसे बात कर पाएंगे। आपको बस अपने कॉन्फिडेंस का बनाए रखना होगा। लेकिन इसका यह मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आप घमंड करें। कॉलेज में पहले दिन से ही कॉन्फिडेंट रखना जरूरी होता है। कॉन्फिडेंट की कमी होने के कारण अक्सर स्टूडेंट्स नए लोगों से बातचीत करने में भई घबराते हैं लेकिन अगर आपके अंदर कॉन्फिडेंस होगा तो आप निडर होकर नए लोगों से मिल पाएंगे और उनसे अपने विचार भी व्यक्त कर पाएंगे।

दोस्त बनाएं

पहली बार कोई भी स्टूडेंट अगर कॉलेज जाता है तो उसके लिए वह एकदम नई जगह होती है पर धीरे-धीरे कॉलेज में स्टूडेंट्स की कई सारी यादें बन जाती हैं। आपको यह समझना होगा कि जब तक आप आगे बढ़कर बात नहीं करेंगे तब तक आप सामने वाले को नहीं जान पाएंगे। इसलिए पहले दिन से ही सभी से बात करें और नए दोस्त बनाने की कोशिश करें। इसके अलावा आपको कैंपस की पूरी जानकारी भी रखनी चाहिए।

अपने व्यवहार का भी रखें ध्यान

कॉलेज में ज्यादातर लोग वेशभूषा, भाषा, संस्कृति आदि में आपसे बिलकुल अलग हो सकते हैं इसलिए आपको सभी का आदर करना चाहिए और अपने व्यवहार का भी ध्यान रखना चाहिए। (भारत के इन मेडिकल कॉलेज में है सबसे कम फीस, सरकारी और प्राइवेट दोनों है शामिल)किसी से भी बात करते समय उनकी भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचानी चाहिए अगर आप ऐसा करती हैं तो इससे आपकी ईमेज लोगों के सामने गलत सेट हो जाएगी और लोग आपसे बात करना कम कर देंगे।

इन सभी बातों का ध्यान आपको पहली बार कॉलेज जाते समय जरूर रखना चाहिए। साथ ही, अगर आपको यह लेख अच्छा लगा हो तो इसे शेयर जरूर करें व इसी तरह के अन्य लेख पढ़ने के लिए जुड़ी रहें आपकी अपनी वेबसाइट हरजिन्दगी के साथ।

स्लिंग बैग के नए और लेटेस्ट डिजाइंस

स्लिंग बैग को आप केवल एक्सेसरीज के तौर पर भी स्टाइल कर सकती हैं। वहीं इसके आपको अलग-अलग साइज और डिजाइन भी काफी देखने को मिल जाएंगे। साथ ही लेटेस्ट फैशन ट्रेंड के हिसाब से ही स्लिंग बैग खरीदें।

किसी भी लुक को कम्प्लीट करने के लिए हम कई तरह की एक्सेसरीज को स्टाइल करना काफी पसंद करते हैं। वहीं आजकल हम स्लिंग बैग को भी एक्सेसरीज में ही गिनते हैं। वहीं कई इसे जरूरत अनुसार ही कैरी करना पसंद करते हैं।

हालांकि आजकल कई थर के स्लिंग बैग आपको ऑनलाइन स्टोर से लेकर ऑफलाइन मार्केट में नजर आ जाएंगे, लेकिन उन्हें स्टाइल करते समय कई बार हम कंफ्यूज हो जाते हैं। इसलिए आज हम आपको दिखाने वाले हैं स्लिंग बैग के कुछ लेटेस्ट और स्टाइलिश डिजाइंस। सगठ ही बताएंगे इन्हें स्टाइल करने के कुछ खास टिप्स ताकि आपका लुक कम्प्लीट और क्लासी नजर आए।

लेदर स्लिंग बैग

लेदर डिजाइन तो हमेशा ही ट्रेंड में रहता है। वहीं इस तरह का मिलता-जुलता लेदर बैग आपको मार्केट में लगभग 200 रुपये से लेकर 1200 रुपये में

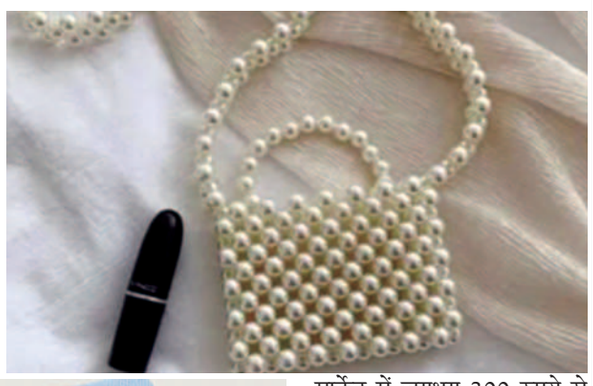

मिल जाएगा। बता दें कि इसमें आपको लेदर क्वालिटी के हिसाब से अलग-अलग वैरायटी और डिजाइन देखने को मिलेंगे।

स्टोन वर्क स्लिंग बैग

इस तरह का फैंसी डिजाइन वाला स्लिंग बैग आप साड़ी से लेकर किसी भी तरह की पार्टी वियर आउटफिट के साथ कैरी कर सकती हैं। बता दें कि इस तरह का मिलता-जुलता स्टोन वर्क वाला स्लिंग बैग आपको मार्केट में लगभग 400 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक में आसानी से मिल जाएगा।

कूल लुक स्लिंग बैग

वहीं वेस्टर्न लुक पाने के लिए आप इस तरह के कूल प्रिंटेड डिजाइन वाला स्लिंग बैग कैरी कर सकती हैं। बता दें कि इसमें आपको कई तरह के स्ट्रैप वाले और काफी तरह के प्रिंट देखने को मिल जाएंगे। वहीं इस तरह का मिलता-जुलता स्लिंग बैग आपको मार्केट में लगभग 300 रुपये से लेकर 600 रुपये में मिल जाएगा।

पर्ल डिजाइन स्लिंग बैग

अगर आप हैण्डमेड वर्क की शौकीन हैं तो इस तरह का पर्ल डिजाइन वाला स्लिंग बैग आपके लिए बेस्ट रहेगा। बता दें कि इसे आप किसी भी तरह के वेस्टर्न वियर से लेकर इंडियन वियर तक के साथ स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का मिलता-जुलता पर्ल डिजाइन स्लिंग बैग आपको मार्केट में लगभग 350 रुपये से लेकर 800 रुपये में मिल जाएगा।

अगर आपको स्लिंग बैग के लेटेस्ट डिजाइंस और इनसे जुड़े कुछ खास स्टाइलिंग टिप्स पसंद आए हों तो इस आर्टिकल को शेयर करना न भूलें। साथ ही, इस आर्टिकल पर अपनी राय हमें नीचे दिए गए कमेंट सेक्शन में जरूर बताएं। ऐसे अन्य आर्टिकल पढ़ने के लिए हरजिंदगी को फॉलो करें।

दूरदर्शन में वीडियोग्राफर की निकली भर्ती

दूरदर्शन ने डीडी न्यूज में वीडियोग्राफर के रूप में काम करने के लिए उम्मीदवारों से आवेदन मांगे हैं। उम्मीदवार जो भी इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे प्रसार भारती की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं। कार्यस्थल नई दिल्ली होगा। उम्मीदवार विज्ञापन के प्रकाशन से 15 दिनों के अंदर application.prasarbharat.org पर अपना फॉर्म जमा कर सकते हैं। इस भर्ती का विज्ञापन 18 अप्रैल को वेबसाइट पर पोस्ट किया गया था।

इस भर्ती के लिए फॉर्म जमा करने में किसी भी कठिनाई आने पर उम्मीदवार स्क्रीनशॉट के साथ hrcell413@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं।

पदों की संख्या : 41

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं कक्षा के साथ-साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से सिनेमेटोग्राफी या वीडियोग्राफी में डिग्री/डिप्लोमा होना चाहिए। साथ ही MOJO में अनुभव और लघु फिल्म-निर्माण कोर्स में हिस्सा लिया होना जरूरी है। वीडियोग्राफी या सिनेमेटोग्राफी या किसी अन्य प्रासंगिक क्षेत्र में कम से कम 5 वर्ष वर्क एक्सपीरियंस भी होना चाहिए।

सैलरी : 40,000 रुपये प्रतिमाह। इस काम की अवधि दो वर्ष है।

एज लिमिट : उम्मीदवारों की अधिकतम आयु सीमा नोटिफिकेशन की तारीख को 40 वर्ष होनी चाहिए।

सरकारी नौकरी

सीमा सुरक्षा बल में 247 हेड कॉन्स्टेबल की भर्ती के लिए आवेदन

भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अधीन सीमा सुरक्षा बल द्वारा 247 हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) और हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो मेकेनिक) की भर्ती के लिए नोटिफिकेशन हाल ही में जारी किया गया है। इन पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया शनिवार, 22 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। उम्मीदवार बीएसएफ के ऑफिशियल भर्ती पोर्टल, rectt.bsf.gov.in पर ऑनलाइन फॉर्म के माध्यम से 12 मई तक अप्लाई कर सकते हैं।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में न्यूनतम 60 फीसदी अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा पास होना जरूरी है। हालांकि, 12 वीं के बाद आईटीआई किए उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिट : उम्मीदवारों की आयु 12 मई 2023 को 18 वर्ष से कम और 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। विभिन्न आरक्षित वर्गों (जैसे- एससी, एसटी, ओबीसी, आदि) के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु छूट दी जाएगी, जो कि सीमा में केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार होगी।

सिलेक्शन प्रोसेस : भर्ती प्रक्रिया में उम्मीदवारों का सिलेक्शन रिटन टेस्ट, फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा।

सैलरी : भर्ती में सिलेक्ट होने पर उम्मीदवार को पे-मैट्रिक्स लेवल - 3, पे स्केल 25,500 रुपए से 81,100 रुपए तक सैलरी मिलेगी।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले ऑफिशियल वेबसाइट rectt.bsf.gov.in पर जाएं।

इसके बाद हेड कॉन्स्टेबल रिक्रूटमेंट लिंक पर क्लिक करें। पर्सनल डिटेल्स दर्ज करके सबमिट करें। फॉर्म भरें और डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें। इसके बाद फाइनल सबमिट बटन पर क्लिक करें। फॉर्म की एक प्रति डाउनलोड कर अपने पास रख लें।

CISF में 12वीं पास के लिए निकली वैकेंसी

सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। CISF में हेड कांस्टेबल के पदों पर वैकेंसी निकली है। जिसके तहत रेडियो ऑपरेटर और रेडियो मैकेनिक के 247 पदों पर भर्तियां की जाएंगी। जिसके लिए 12वीं पास उम्मीदवार सीआईएसएफ की ऑफिशल वेबसाइट पर जाकर 12 मई तक ऑनलाइन अप्लाई कर सकेंगे। उम्मीदवारों का सिलेक्शन रिटन टेस्ट के बाद फिजिकल टेस्ट के आधार पर किया जाएगा।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से फिजिक्स, केमिस्ट्री और मैथमेटिक्स में न्यूनतम 60 फीसदी अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा पास होना जरूरी है। हालांकि, 12 वीं के बाद आईटीआई किए उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिटः उम्मीदवारों की उम्र आवेदन की आखिरी तारीख यानी 12 मई 2023 को 18 वर्ष से कम और 25 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। हालांकि, आरक्षित वर्गों के उम्मीदवारों को अधिकतम आयु सीमा में केंद्र सरकार के नियमों के अनुसार छूट दी जाएगी।

वैकेंसी डिटेल्सः सीमा सुरक्षा बल निदेशालय के अंतर्गत सूचना एवं संचार तकनीक निदेशालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक, हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) के 217 पदों और हेड कॉन्स्टेबल (रेडियो मेकेनिक) के 30 पदों पर भर्ती की जानी है। इस भर्ती के लिए पुरुष उम्मीदवारों के साथ-साथ महिला उम्मीदवार भी आवेदन कर सकती हैं।

सिलेक्शन प्रोसेस

भर्ती प्रक्रिया में उम्मीदवारों का सिलेक्शन रिटन टेस्ट फिजिकल टेस्ट और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के आधार पर किया जाएगा।

सैलरी :भर्ती में सिलेक्ट होने पर उम्मीदवार को पे-मैट्रिक्स लेवल - 3, पे स्केल 25,500 रुपए से 81,100 रुपए तक सैलरी मिलेगी।

वित्तमंत्री बोलीं- क्रिप्टो को रेगुलेट करने के लिए वैश्विक सहमति जरूरी, मिलकर करना होगा काम

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि क्रिप्टो के नियमन के लिए वैश्विक सहमति जरूरी है। उन्होंने कहा कि इससे पहले कि भारत इस पर कोई कदम उठाए, एक वैश्विक टेम्पलेट बनाना पड़ सकता है और सभी को इस पर मिलकर काम करना होगा। अन्यथा इसे विनियमित करना प्रभावी नहीं होगा। हालांकि, मंत्री ने कहा कि इसका मतलब 'डिस्ट्रीब्यूटेड लेजर टेक्नोलॉजी' को नियंत्रित करना नहीं है, जिसकी अपनी अच्छाई और क्षमता है।

वित्तीय स्थिरता पर केंद्रित एफएसबी, रिपोर्ट देने पर सहमत

उन्होंने कहा, जी-20 की अध्यक्षता भारत कर रहा है, यह भारत का प्रस्ताव था और इसे साथ लिया गया है। मुझे खुशी है कि जी-20 ने इसे इस साल के लिए अपने एजेंडे में रखा है। आईएमएफ ने क्रिप्टो करेंसी पर एक पेपर दिया है कि यह किस तरह से मैक्रोइकॉनॉमिक स्थिरता को प्रभावित कर सकता है। जी-20 द्वारा गठित वित्तीय स्थिरता बोर्ड (एफएसबी) एक रिपोर्ट

देने के लिए सहमत हो गया है जो वित्तीय स्थिरता पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

एफएसबी और आईएमएफ की रिपोर्ट पर जुलाई में चर्चा

सीतारमण ने कहा, उनकी (एफएसबी) रिपोर्ट और आईएमएफ की रिपोर्ट पर जुलाई में चर्चा होने होगी, जब वित्त मंत्री और केंद्रीय बैंक के गवर्नर जी-20 के तहत बैठक करेंगे और उसके बाद सितंबर में जी-20 देशों के प्रधानमंत्रियों और राष्ट्रपतियों का शिखर सम्मेलन होगा जो भारत में होगा।

फरवरी में हुई जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की पहली बैठक

मंत्री यहां 'थिंकर्स फोरम, कर्नाटक' के साथ बातचीत के दौरान डिजिटल या क्रिप्टो करेंसी के नियमन के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रही थीं।

जी-20 इंडिया प्रेसीडेंसी के तहत जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों (एफएमसीबीजी) की पहली बैठक 24-25 फरवरी को बेंगलुरु में हुई थी।

क्रिप्टो करेंसी टेक्नोलॉजी द्वारा संचालित, कोई सीमा नहीं

सीतारमण ने कहा, डिजिटल करेंसी पूरी तरह से डिजिटल और टेक्नोलॉजी से संचालित हैं। टेक्नोलॉजी बहुत वितरित है, और कभी-कभी पहचान स्थापित करना बहुत मुश्किल होता है। हालांकि, इसमे क्षमता है, इसलिए इस पर सभी देशों को एक साथ आने पर काम करना होगा। उन्होंने कहा, कोई भी देश अकेले टेक्नोलॉजी संचालित क्रिप्टो संपत्ति के मामले में इसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित नहीं कर सकता है, क्योंकि टेक्नोलॉजी की कोई सीमा नहीं है।

सरकार जल्द रिटेल ट्रेड पॉलिसी की घोषणा करेगी

जीएसटी रजिस्टर्ड ट्रेडर्स के लिए इंश्योरेंस स्कीम लाएगी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सरकार माल और सेवा कर (जीएसटी) में रजिस्टर्ड ट्रेडर्स के लिए जल्द एक राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति और दुर्घटना बीमा योजना की घोषणा कर सकती है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित नीति से व्यापारियों को बेहतर बुनियादी ढांचा उपलब्ध होगा और साथ ही वे अधिक कर्ज भी ले सकेंगे।अधिकारी ने कहा कि इस नीति में सस्ते और सुगम कर्ज, खुदरा व्यापार का आधुनिकीकरण और डिजिटलीकरण, वितरण श्रृंखला के लिए आधुनिक ढांचागत समर्थन, कौशल विकास और श्रम उत्पादकता में सुधार और एक प्रभावी परामर्श और शिकायत निपटान तंत्र का प्रावधान हो सकता है।भारत वैश्विक स्तर पर खुदरा क्षेत्र में दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा गंतव्य है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय वित्तीय सेवा विभाग के साथ मिलकर सभी जीएसटी-पंजीकृत खुदरा व्यापारियों के लिए एक बीमा योजना पर भी काम कर रहा है। अधिकारी ने कहा, ₹सरकार न केवल ई-कॉमर्स में नीतिगत बदलाव की कोशिश कर रही है, बल्कि व्यापारियों के लिए एक राष्ट्रीय खुदरा व्यापार नीति भी ला रही है, जिससे कारोबार सुगमता की स्थिति बेहतर होगी, ढांचागत सुविधाएं उपलब्ध होंगी और व्यापारियों को ज्यादा कर्ज के साथ अन्य सुविधाएं भी मिलेंगी।प्रस्तावित नीति के तहत, एक केंद्रीकृत और कंप्यूटरीकृत निरीक्षण प्रणाली के अलावा व्यापारियों के लिए एकल खिड़की मंजूरी तंत्र विकसित किया जा सकता है। व्यापारियों के संगठन कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के महासचिव प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि खुदरा व्यापार नीति से निश्चित रूप से इस क्षेत्र को मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि खुदरा कारोबार अर्थव्यवस्था का एकमात्र क्षेत्र है जिसके लिए कोई नीति नहीं है।

आरबीआई को यकीन, काम आया ये उपाय

महंगाई को काबू करने में मिली मदद

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पिछले महीने खुदरा महंगाई (खुदरा मुद्रास्फीति मार्च 2023) की दर दो महीने के बाद फिर से रिजर्व बैंक के 6 फीसदी के दायरे में आ गई। जनवरी और फरवरी महीने के दौरान देश में खुदरा महंगाई की दर 6 फीसदी से ज्यादा रही थी। इस बारे में रिजर्व बैंक का मानना है कि मौद्रिक नीति में किए गए उपायों से महंगाई को काबू करने में मदद मिली है। हालांकि सेंट्रल बैंक का यह भी मानना है कि जब तक इसे 4 फीसदी से नीचे नहीं कर लिया जाता है, उसकी राह आसान नहीं रहने वाली है। रिजर्व बैंक ने ये बातें ताजी बुलेटिन में छपे एक आर्टिकल में की है।

बेकाबू हो गई थी महंगाई

केंद्र सरकार ने रिजर्व बैंक को उपभोक्स मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई दर को 4 फीसदी पर रखने का लक्ष्य दिया है। इसके साथ महंगाई दर दो फीसदी तक ऊपर या नीचे रहने की गुंजाइश भी दी गई है। खुदरा महंगाई साल भर से ज्यादा समय से परेशानी का सबब रही है। पिछले साल आखिरी के दो महीने को छोड़ दें तो पूरे साल खुदरा महंगाई की दर 6 फीसदी से ज्यादा बनी रही थी।

खुदरा महंगाई से तय होती है नीति

खुदरा महंगाई की दर नवंबर और दिसंबर 2022 में 6 फीसदी से नीचे आने के बाद जनवरी 2023 में एक बार फिर से दायरे के पार निकल गई थी। फरवरी में भी खुदरा महंगाई 6 फीसदी से ज्यादा रही थी, लेकिन मार्च में यह फिर कुछ नरम हो गई। रिजर्व बैंक खुदरा महंगाई की दर के आधार पर ही मौद्रिक नीति तय करता है। रेपो रेटमें बढ़ोतरी होगी या इसे स्थिर रखा जाएगा, यह बहुत हद तक खुदरा महंगाई पर निर्भर करता है।

मई 2022 से हुई शुरुआत

खुदरा महंगाई को काबू करने के लिए रिजर्व बैंक ने पिछले साल मई में एक आपात बैठक कर रेपो रेट को बढ़ाना शुरू किया। उसके बाद लगातार 6 बार मौद्रिक नीति समिति की बैठक में ब्याज दरों को बढ़ाने का फैसला लिया गया। इस दौरान रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में 250 बेसिस प्वाइंट यानी 2.50 फीसदी की बढ़ोतरी की।

10 महीने बाद लगा ब्रेक

मार्च महीने में खुदरा महंगाई की दर 5.66 फीसदी रही थी। यह पिछले 15 महीने में सबसे कम खुदरा महंगाई थी।

एफपीआई ने अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में बढ़ाया निवेश

अब तक 8643 करोड़ रुपये डाले

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजारों में 8,643 करोड़ रुपये का निवेश किया है। विश्लेषकों ने कहा है कि मूल्यांकन उचित स्तर पर होने की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में पैसा लगा रहे हैं। इससे पहले मार्च में एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 7,936 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इसमें से ज्यादातर निवेश अमेरिका की जीक्यूजी पार्टनर्स ने अडाणी समूह की कंपनियों में किया था।

अप्रैल में एफपीआई ने शुद्ध रूप से 8643 करोड़ रुपये डाले हैं-

एफपीआई ने चालू वित्त वर्ष की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, तीन अप्रैल से अबतक एफपीआई ने शेयरों में शुद्ध रूप से 8,643 करोड़ रुपये डाले हैं।

क्या कहते हैं वित्तीय बाजार के जानकार

मॉर्निंगस्टार इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, ₹एफपीआई प्रवाह की दृष्टि से भारत जैसी अर्थव्यवस्थाओं में स्थिति अनुकूल है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भारतीय शेयरों का मूल्यांकन अब उचित स्तर पर आ गया है, जिसकी वजह से एफपीआई लिवाली कर रहे हैं। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने

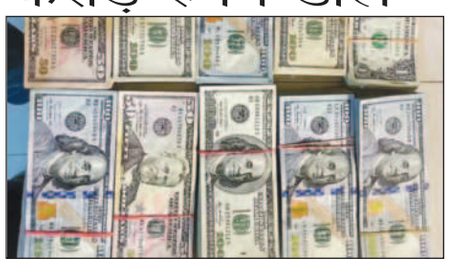

शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में 778 करोड़ रुपये डाले हैं।विभिन्न क्षेत्रों की बात करें, तो एफपीआई ने 15 अप्रैल को समाप्त पखवाड़े में सबसे ज्यादा 4,410 करोड़ रुपये के वित्तीय शेयर खरीदे हैं। इसके अलावा उन्होंने वाहन और पूंजीगत सामान कंपनियों के शेयरों में भी अच्छी लिवाली की है।एफपीआई ने इससे पहले वित्त वर्ष 2022-23 में भारतीय शेयर बाजारों से 37,631 करोड़ रुपये निकाले थे।

वैश्विक स्तर पर केंद्रीय बैंकों द्वारा आक्रामक तरीके से दरें बढ़ाने के बीच एफपीआई बिकवाल रहे थे। 2021-22 में एफपीआई ने भारतीय बाजार से 1.4 लाख करोड़ रुपये की रिकॉर्ड निकासी की थी। वहीं 2020-21 में एफपीआई ने शेयरों में 2.7 लाख करोड़ रुपये और 2019-20 में 6,152 करोड़ रुपये डाले थे। अप्रैल में अब तक एफपीआई ने ऋण या बॉन्ड बाजार से 1,085 करोड़ रुपये निकाले हैं।

डॉलर की जगह रुपये में जल्द होगा विदेशों से व्यापार

जानें उद्योग मंत्री ने और क्या दिए तर्क

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि व्यापारी जल्द ही रुपये में विदेशों से व्यापार करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि बहुत से देशों के बैंक भारतीय बैंकों में स्पेशल वोस्ट्रो अकाउंट ओपन कर रहे हैं। ऐसे में रुपये में कई देशों के साथ डील होने की उम्मीद है। भारतीय रिजर्व बैंक ने यूके, सिंगापुर और न्यूजीलैंड समेत 18 देशों के संवाददाता बैंकों के स्पेशल रुपया वोस्ट्रो अकाउंट्स खोलने के 60 अनुरोधों को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आरबीआई इस मामले में कई अन्य देशों के मुख्य बैंकों के साथ बातचीत कर रहा है। पीयूष गोयल ने अपने बयान में आगे कहा कि आरबीआई की बातचीत कई देशों के बैंकों के साथ अगर पूरी हो जाती है और सहमति बनती है तो जल्द ही कई देशों के साथ इंटरनेशनल व्यापार में रुपये का यूज होगा। उन्होंने कहा कि कई देशों के साथ जल्द ही ये प्रक्रिया चालू होते देखा जा सकेगा। उन्होंने ये भी कहा कि यूरोपीय संघ, यूके और कनाडा जैसे विकसित देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौता के लिए बातचीत चल रही है। काउंसिल (जीसीसी) और यूरेशियन इकोनॉमिक यूनियन (ईएईयू) ग्रुप भी भारत के साथ इस तरह के डील के लिए बातचीत को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया भारत के साथ व्यापक आर्थिक साझेदारी डील चाहती है। टैक्सटाइल सेक्टर के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना के दूसरे चरण के बारे में व्यापक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि बहुत जल्द हम योजना की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की मंजूरी ले सकेंगे। टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा देने पर गोयल ने कहा कि कपड़ा मंत्रालय ने एक ईएसजी टास्क फोर्स स्थापित करने का फैसला किया है. टास्क फोर्स इस क्षेत्र को अधिक पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ बनाने का सुझाव देगी. मंत्रालय की ओर से हस्तशिल्प और हथकरघा प्रोडक्ट की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए एक पोर्टल भी पेश किया है. एक्सपोर्ट को लेकर मंत्री ने कहा कि कपड़ा सेक्टर के लिए 100 अरब डॉलर का टारगेट रखा गया है।

जुलाई में भी बढ़ सकता है महंगाई भत्ता

फिर तोहफा देने की तैयारी में मोदी सरकार!

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने हाल ही में अपने लाखों कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई राहत (डीए) में बढ़ोतरी की है। अब सरकार इन कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जल्दी ही एक और तोहफा दे सकती है। मीडिया में चल रही खबरों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली केंद्र सरकार जुलाई में एक बार फिर से महंगाई भत्ते को बढ़ा सकती है।

एक बार बढ़ चुका है भत्ता

सरकार ने हाल ही में डीए और डीआर को 4-4 फीसदी बढ़ाया है। बढ़ी दरें 1 जनवरी 2023 से लागू हो गई हैं। अब फिर से डीए और डीआर को बढ़ाए जाने के कयास लग रहे हैं। अगर ऐसा होता है तो केंद्र सरकार के करीब 50 लाख कर्मचारियों की सैलरी एक बार फिर से बढ़ जाएगी। इसके अलावा केंद्र सरकार के पेंशनभोगियों को भी ज्यादा पैसे

मिलने लगेंगे। सातवें वित्त आयोग के हिसाब से डीए और डीआर को साल में दो बार बढ़ाया जाता है। पहली बार महंगाई भत्ते व राहत को जनवरी में बढ़ाया जाता है और दूसरा संशोधन जुलाई में होता है। सरकार यह फैसला ऑल-इंडिया सीपीआई डेटा यानी एआईसीपीआई इंडेक्स के आधार पर करती है। इसके आंकड़े श्रम व रोजगार मंत्रालय के तहत आने वाले श्रम ब्यूरो के द्वारा जारी किए जाते हैं। सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को महंगाई की मार से बचाने के लिए उनकी सैलरी/पेंशन में डीए/डीआर कंपोनेंट जोड़ा गया है।

इतनी वृद्धि के लग रहे कयास

श्रम ब्यूरो की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एआईसीपीआई इंडेक्स फरवरी महीने में 0.1 अंक कम होकर 132.7 अंक पर आ गया। यह इंडेक्स जनवरी में 132.8 अंक पर रहा था। मार्च महीने का आंकड़ा 28 अप्रैल 2023 को जारी होगा। फरवरी के उपलब्ध आंकड़े के आधार पर एक बार फिर से मंहगाई भत्ते व राहत को बढ़ाए जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि केंद्र सरकार एक जुलाई से डीए और डीआर में 3-3 फीसदी की वृद्धि कर सकती है। कोरोना महामारी के कारण बीच में कुछ समय के लिए डीए में संशोधन रुक गया था। करीब डेढ़ साल के अंतराल के बाद केंद्र सरकार ने जुलाई 2021 में डीए व डीआर को 17 फीसदी से बढ़ाकर 28 फीसदी किया था। इसके बाद अक्टूबर 2021 में इन्हें 28 फीसदी से बढ़ाकर 31 फीसदी किया गया था। उसके बाद डीए व डीआर की दरों में लगातार बढ़ोतरी हुई और अभी यह 42 फीसदी है।

ट्विटर ने बिना सब्सक्रिप्शन वाले कई यूजर्स को ब्लूटिक लौटाया

इसमें शाहरुख खान, उमर अब्दुल्ला शामिल; कुछ मृत लोगों को भी ब्लू टिक वापस मिला

सैन फ्रांसिस्को, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ट्विटर ने रविवार सुबह उन लोगों के ब्लू वैरिफिकेशन बैज लौटा दिए जिनके 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। कुछ रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। दो दिन पहले यानी 21 अप्रैल को ट्विटर ने उस सभी के ब्लू टिक हटा दिए थे जिन्होंने ट्विटर ब्लू का सब्सक्रिप्शन नहीं लिया है। हालांकि अभी ये साफ नहीं है कि यूजर्स को ब्लू बैज वापस मिलना कोई ग्लिच है या नहीं। क्रिकेटर एमएस धोनी, बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान समेत कई सेलिब्रिटीज जिनके अकाउंट से ब्लू टिक गायब हो गए थे, उनके अकाउंट पर अब दोबारा ब्लू टिक दिखने लगा है। इनके अलावा ब्लू टिक दोबारा मिलने वालों में कुछ ऐसे लोगों के नाम भी शामिल है जिनकी मौत हो चुकी है। इनमें सुशांत सिंह राजपूत, इरफान खान, ऋषि कपूर जैसे नाम शामिल हैं। कई ऑफिशियल मीडिया अकाउंट को भी सब्सक्रिप्शन लिए बिना ब्लू टिक वापस मिल गया है। इसमें एएफपी न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे ग्रुप शामिल है। इनके अलावा यूएस पब्लिक रेडियो एनपीआर और कनाडा का पब्लिक ब्रॉडकास्टर सीबीसी को भी टिक वापस मिल गया है। पेमेंट नहीं करने पर भी उमर अब्दुल्ला को ब्लू टिक मिला J&K के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का भी ब्लू टिक वापस आ गया है। अब्दुल्ला ने कहा कि उन्होंने ब्लू सब्सक्रिप्शन खरीदा नहीं है, इसके बावजूद उन्हें ब्लू टिक मिल गया है। वहीं जर्नलिस्ट निधि राजधान ने कहा कि उनका ब्लू टिक वापस आ गया है।

पीपीएफ अकाउंट के मैच्योर होने पर मिलते हैं 3 ऑप्शन

पैसा न निकालने पर मिलता रहेगा ब्याज, इन्वेस्टमेंट भी रख सकते हैं जारी

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ निवेश के लिए सबसे ज्यादा पसंद की जानी वाली स्कीम्स में से एक है। इसका मैच्योरिटी पीरियड 15 साल का रहता है। यानी 15 साल बाद आप चाहें तो अपना पूरा पैसा निकालकर पीपीएफ अकाउंट को बंद कर सकते हैं। लेकिन अगर आपको पैसे की उस समय जरूरत नहीं है तो आप अकाउंट को आगे बढ़ा सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट के मैच्योर होने पर आपके पास 3 ऑप्शन होते हैं। आप आपे हिसाब से इनमें से किसी को भी चुन सकते हैं। आज हम आपको इनके बारे में बता रहे हैं। पीपीएफ अकाउंट के मैच्योर होने पर अकाउंट बंद कर पूरा पैसा निकाल सकते हैं। पूरी राशि को अपने बचत खाते में ट्रांसफर करने के लिए आपको बैंक या पोस्ट ऑफिस (जहां आपका पीपीएफ अकाउंट है) में फॉर्म जमा करना होगा।अगर खाते के मैच्योर के बाद आप अपना अकाउंट 5 साल के लिए बढ़ा सकते हैं। पीपीएफ अकाउंट बढ़ाने के लिए आपको पीपीएफ अकाउंट के मैच्योर होने के 1 साल के अंदर फॉर्म जमा करना होगा। इसके लिए मैच्योरिटी पूरा होने के एक साल पहले ही अर्जी देनी होगी। इन 5 सालों के दौरान जरूरत पड़ने पर आप पैसा निकाल भी सकते हैं।

निजी एयरलाइंस की ओर से दोबारा चेकिंग पर भड़के यात्री अफसर बोले- यह प्रक्रिया सुरक्षा एडवायजरी का हिस्सा

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। निजी एयरलाइंस द्वारा दोबारा जांच और मेटल डिटेक्टर जांच पर यात्रियों ने आपत्ति जताई है। इसपर ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ने कहा कि सुरक्षा की दृष्टि से जांच पुख्ता की जा रही है। यात्रियों का कहना है कि एक बार सीआईएफ ने जांच की, बावजूद इसके निजी एयरलाइंस के कर्मचारी दोबार जांच कैसे कर रह है। हवाई यात्रा कर रहे कुछ यात्रियों ने इंटरनेट के माध्यम से इसका विरोध जताया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली टर्मिनल-1 बस में चढ़ने से पहले प्रत्येक यात्रियों की जांच की जा रही है। बेवजह मेटल डिटेक्टर से जांच कर रहे हैं। क्या उन्हें सीआईएफ पर भरोसा नहीं है। ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी ने बताया कि खतरे के अंदेशे के कारण समय-समय पर सुरक्षा सलाह जारी की जाती है। एयरलाइन कर्मचारियों जो जांच कर रहे हैं, वह हाल में जारी हुई सलाह पर किया जा रहा है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

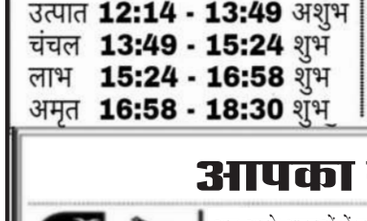

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	05-26 बजे
चंद्र-	वृष में	वृष--	07-12 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन..	09-12 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	11-24 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	13-36 बजे
शुक्र-	वृष में	कन्या..	15-44 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	17-49 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	19-58 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	22-12 बजे
		मकर..	00-18 बजे
		कुंभ...	02-09 बजे
		मीन ..	03-48 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-**ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 05-58 सूर्य अस्त- 18-30
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल --पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - **08 -25** तक उपरान्त पंचमी
मास - वैशाख शुक्ल पक्ष , सोमवार **April 24**
नक्षत्र - मृगशिरा - **02- 07** - तक उपरान्त आर्द्रा
योग - शोभन - **07 - 47** - तक उप - अतिगण्ड
करण- विष्टि - **08 - 25** - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ अमृत सिद्ध, **06-10** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:30 से 09:05 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
अमृत.	05:58 - 07:30 शुभ	चंचल	18:30 - 19:58 शुभ
काल.	07:30 - 09:05 अशुभ	रोग	19:58 - 21:24 अशुभ
शुभ.	09:05 - 10:40 शुभ	काल	21:24 - 22:49 अशुभ
रोग	10:40 - 12:14 अशुभ	लाभ	22:49 - 00:14 शुभ
उत्पात	12:14 - 13:49 अशुभ	उत्पात	00:14 - 01:39 अशुभ
चंचल	13:49 - 15:24 शुभ	शुभ	01:39 - 03:05 शुभ
लाभ	15:24 - 16:58 शुभ	अमृत	03:05 - 04:30 शुभ
अमृत	16:58 - 18:30 शुभ	चंचल	04:30 - 05:58 शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है |किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेहतर समय को याद करने लगेंगे |किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं | आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ाने के मूड में हैं |

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं | फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी | आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी | समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है |

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

ऐसी स्थितियां आ सकती हैं जो आपको बिना सोचे काम करने के लिए उकसायें | यह सही समय है जब आपको सब कुछ अपने नियंत्रण में रखकर युद्ध स्तर पर काम करना है | अपने बच्चों या छोटे बहन भाइयों के लिए सुरक्षात्मक रवैया अपनाएँ | आप बहुत अच्छी तरह सामाजिक गतिविधियों में शामिल होंगे और यहां आपका बहुत अच्छा स्वागत होगा |

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप अपने आसपास के लोगों से अच्छी खासी सहायता और पहचान की उम्मीद रख सकते हैं | आप मजबूत आधार और आशावादिता से भरपूर हैं और नयी परियोजनाओं के लिए बिलकुल तैयार हैं लेकिन आपमें अभी भी अच्छी परियोजना को पहचानने की क्षमता बरक़रार है | इसके कारण आप केवल उन्ही परियोजनाओं में निवेश करेंगे जो भविष्य में काफी लाभकारी साबित होंगी |

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा |आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है |वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है |दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी |

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

आज का दिन बहुत व्यस्त रहेगा |बहुत सारे काम कतार में हैं | हालाँकि आप अपनी तरफ से उन सब कामों को निपटाने की पूरी कोशिश करेंगे फिर भी सम्भावना यही है कि सब काम पूरे नही हो पायेंगे और आपको इस कारण तनाव होगा | काम पूरे करने में और किसी की सहायता लेने से ना हिचकें,नही तो आप समय पर काम पूरा नही कर पायेंगे |

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज आप एक बहुत बड़ी साझेदारी को अंतिम रूप देने वाले हैं लेकिन आपको अपने पार्टनर को अपने मिशन और लक्ष्यों के बारे में स्पष्ट बता देना चाहिए | यदि कोई विवाद हुआ भी तो आपके भावनाओं में बह जाने की सम्भावना है,इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखें | आप दिन का अंतिम हिस्सा किसी बौद्धिक कार्यकलाप या कलाकारी सम्बन्धी रूचि में लगा सकते हैं |

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं |आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें | अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है | अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है |

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आपकी सफलता हासिल करने की इच्छा आज और बलवती होती जायेगी | आप आज अपनी लिखित और वक्ता कला में सुधार के लिए कोशिश कर सकते हैं | सफलता के लिए महत्वपूर्ण टिप्स पढ़ें या किसी कुशल आदमी से मार्गदर्शन ले लें | हालाँकि इन सबके चक्कर में उनकी भी उपेक्षा ना करें जो लम्बे समय से आपके ध्यान और समय की प्रतीक्षा में हैं |

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

आज फैसला लेने का दिन है |आप पिछले सप्ताह से कई चीजों के बारे में चिंता कर रहें हैं |आज कोई ऐसा फैसला लेना पड़ सकता है जो शुरू में काफी कठोर लगे | लेकिन आपको इस बारे में अपने दिल की सुननी चाहिए | ये सोचना है कि अब मुझे क्या करना चाहिए? ये नही कि मुझे क्या करना होगा?अपने दिल की बात सुनें,इससे आपको लाभ होगा |

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज ग्रहों की दशा आपको शांत तरीके से अपने बारे में सोचने का मौका देगी |आपने पिछले समय में कई मौकों पर काफी कठोर ढंग से अपनी प्रतिक्रिया दी है लेकिन अब आप मानसिक रूप से काफी शांत स्थिति में हैं |सुलह करने और सम्बन्ध सुधरने के लिए बहुत अच्छा समय है|ख़ुशी पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि खुद को भी और दूसरों को भी एक दूसरा मौका जरुर दें |

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

पुरुष का रंग-रूप कैसा भी हो, पत्नी परी जैसी चाहिए

औरत को बार-बार एहसास कराया जाता है कि उसके लिए सबकुछ शरीर ही है

नई दिल्ली, 23 अप्रैल (एक्सक्लूसिव डेस्क)। ये चार साल पुरानी घटना है। ईस्ट दिल्ली की एक लड़की ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी उम्र तब सिर्फ 22 साल थी। पढ़ाई में हमेशा अव्वल रही वो लड़की फैशन डिजाइनर बनने वाली थी, लेकिन ऐसा हो सके, उससे पहले ही उसने जान दे दी।

मरने की वजह थी बॉडी शेमिंग। उसे लगता था कि वह सुंदर नहीं है। उसका शरीर सुंदरता के प्रचलित पैमानों के हिसाब से नहीं है। इस वजह से उसे कोई पसंद नहीं करता, कोई प्यार नहीं करता।

देह का एक खास रूप, रंग, आकार उसके लिए इतना बड़ा हो गया कि जीवन उसके सामने छोटा पड़ गया।

यह इस तरह की पहली और इकलौती घटना नहीं है। कुछ साल पहले एक मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंट ने आत्महत्या कर ली थी कि क्योंकि उसका रंग बहुत सांवला था। इस वजह से उसे हर जगह शर्मिंदगी उठानी पड़ती थी।

पिछले साल त्रिची में 13 साल की लड़की ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि वो बहुत मोटी थी। चेन्नई में पिछले साल एक गर्भवती स्त्री ने आत्महत्या कर ली थी, क्योंकि लोग मोटापे के कारण उसका मजाक उड़ाते थे।

ऐसे जाने कितनी कहानियां हैं और इन सारी कहानियों का किरदार कोई लड़की है, कोई स्त्री है। 12-13 साल की नन्ही बच्चियों से लेकर 40 साल तक की औरतें, जो एक दिन अपनी कहानी अपने ही हाथों इसलिए खत्म कर देती हैं, क्योंकि उनका शरीर, उनका चेहरा, उनकी देह की बनावट, आकार, उनकी चमड़ी का रंग सुंदरता के खास पैमानों पर खरा नहीं उतरता।

दुनिया ने कभी बोलकर तो कभी इशारों से और अपने व्यवहार से उन्हें इस बात का लगातार एहसास कराया है कि चूंकि वो तथाकथित रूप से सुंदर नहीं, इसलिए वो प्रेम के लायक नहीं। दोस्ती के लायक नहीं। इसलिए उनका कभी भी, कैसे भी मजाक उड़ाया जा सकता है, अपमान किया जा सकता है। उनकी देह पर, रंग पर टिप्पणियां की जा सकती हैं। उनको नीचा दिखाया जा सकता है।

क्यों? क्योंकि वो उनके बनाए पैमानों पर फिट नहीं होतीं।

लेकिन सवाल ये है कि ये पैमाना आखिर किसने बनाया? किसने तय किया और ये सिर्फ लड़कियों के लिए ही क्यों तय किया गया? मोटी तोंद वाले मर्दों को तो इस बात का दुख और शर्मिंदगी नहीं होती, वो तो आत्महत्या नहीं करते। लड़कों को तो कोई इस बात का एहसास नहीं कराता कि वो सुंदर नहीं हैं, इसलिए प्रेम और आदर के लायक नहीं।

क्योंकि लड़कों का मूल्य उनके रूप, रंग, आकार से नहीं, उनकी दुनियावी सफलता, पैसे, ताकत और रुतबे से तय होता है। मर्द कितना भी कुरूप क्यों न हो, पैसे और दुनियावी सफलता की ताकत उसके पास हमेशा होती है, जिसके दम पर वो इतराता फिरता है।

जबकि लड़की अपने कमरे में अकेली पंखे से लटकती पाई जाती है।

इस तकलीफदेह कहानी की किरदार भले लड़कियां हों, लेकिन ये त्रासद पटकथा आखिर लिख कौन रहा है। कौन तय कर रहा है ये पैमाने। कौन बता रहा है लड़कियों को कि उन्हें कैसा होना चाहिए।

ये बहुत साल पुरानी बात है। मेरे स्कूल में दो बहनें पढ़ती थीं। एक अमीर मारवाड़ी बिजनेस परिवार की उन दोनों लड़कियों की उम्र में महज डेढ़ बरस का फासला था, लेकिन उनकी जिंदगी में डेढ़ उम्र की दूरी। बड़ी वाली का रंग दबा हुआ था।

वो पिता पर पड़ी थी। उसके नैन-नक्श भी बहुत सामान्य थे। जबकि छोटी बहन जब पैदा हुई तो मानो दूध की कटोरी में डुबोकर निकाली गई हो। बेहद गोरी और तीखे नैन-नक्श वाली।

बच्चे को तो पता नहीं होता ये इन दोनों चीजों के होने में क्या फर्क है, लेकिन आसपास के बड़े ये फर्क पैदा कर देते हैं। उन्होंने बड़ी लड़की के सांवलेपन का इतना मजाक उड़ाया, इतने ताने दिए, इतनी फब्तियां कसीं कि 14 साल की होते-होते उसकी सेल्फ स्टीम पूरी तरह खत्म हो चुकी थी।

छोटी बहन की तरह सुंदर न हो पाने का दुख वो बहुत सारा खाना खाकर भरती थी। नतीजा ये हुआ कि उसका वजन भी काफी बढ़ गया था। वजन बढ़ने के लिए घर के लोगों के ताने भी बढ़ते गए।

बात सिर्फ तानों और फब्तियों की नहीं थी। बड़ी बहन को यह साफ दिखाई देता था कि गोरी, सुंदर बहन को सब ज्यादा प्यार करते हैं। उसके साथ ज्यादा नर्मी और मुहब्बत से पेश आते हैं। उसके लिए ज्यादा सुंदर कपड़े खरीदे जाते हैं। मेहमानों के सामने उसे पेश किया जाता है।

सब उसके उज्जवल भविष्य को लेकर सुखभरी उम्मीदों से भरे हैं। जबकि सांवली, मोटी बहन घरवालों के लिए तकरीबन अदृश्य थी। उन्हें दिखता ही नहीं था कि वो है भी। लोगों के लिए तो उसका कोई मूल्य नहीं था, उसकी खुद ही नजर में उसका मूल्य सिफर हो गया।

एक सुबह जब बाकी पूरा परिवार दूसरे शहर किसी रिश्तेदार की शादी से लौटा ही था कि उन्होंने उसके कमरे का दरवाजा भीतर से बंद पाया। बहुत खटखटाने के बाद भी जब दरवाजा नहीं खुला तो तोड़कर खोला गया।

अंदर कमरे में वो अदृश्य लड़की पंखे से लटकी हुई थी। मरने से पहले उसने अपनी मां का एक नारंगी रंग का रेशमी, रूपहले गोटों वाला शलवार-सूट पहना था और खूब सारा श्रृंगार किया था। वो सूट पहनकर उसने उसी का दुपट्टा गले में बांध लिया और हमेशा के लिए उस दुनिया को अलविदा बोल गई, जिस दुनिया के लिए वो असल में कभी थी ही नहीं।

यह आत्महत्या थी या हत्या। एक 14 साल की लड़की के एक दिन इस तरह खत्म हो जाने के लिए जिम्मेदार आखिर कौन था। क्या किसी पुलिस, कोर्ट, कचहरी में इस बात की तफ्तीश होगी कि उस लड़की ने दरअसल आत्महत्या नहीं की थी। उसकी हत्या की गई।

और उसे मारने वाले लोग कोई और नहीं, उसके अपने घरवाले, उसका परिवार, उसका समाज और ये दुनिया थी।

सांवली लड़की के ब्याह की चिंता में मां की रातों की नींद हराम हो जाती है। घरवाले अपनी ही बेटियों के शरीर स्कैन कर उन्हें उनकी कमतरी का एहसास दिलाते रहते हैं।

लड़के भी मुहब्बत करने से पहले किसी लड़की का दिल-दिमाग नहीं देखते, उसके शरीर को इंचीटेप लेकर नापते हैं। उसकी चमड़ी के रंग से उसके महत्व का बहीखाता बनाते हैं। खुद चाहे उनका मुंह जैसा भी हो, लेकिन गर्लफ्रेंड और बीवी तो उन्हें हूर परी ही चाहिए होती है।

सिनेमा और टेलीविजन के विज्ञापन दिन रात लड़कियों को गोरा बनाने की क्रीम बेचते रहते हैं। हर विज्ञापन औरतों को सिर्फ ये बताता है कि वो अपने शरीर को कैसे सजाएं, कैसे सुंदर और आकर्षक बनें।

इन सांवली, साधारण नैन-नक्श और फैली हुई देह वाली लड़कियों से कोई नहीं कहता कि तुम एक मनुष्य हो और मनुष्य सिर्फ देह नहीं होता। वो दिल और दिमाग होता है। वो दुनिया में सिर्फ आकर्षक दिखने को नहीं आया, वो सोचने, समझने, अपनी बुद्धि से फैसले लेने, संसार में कुछ वृहत्तर रचने, अपने जीवन को बड़ा अर्थ देने को आया है।

इसलिए सवाल ये नहीं कि तुम कैसी दिखती हो। सवाल ये है कि तुम कैसे सोचती हो। कैसे महसूस करती हो। कैसे रचती हो। कैसे जीती हो।

लेकिन जिस स्त्री का सारा पालन-पोषण ही इस बात के लिए हुआ हो कि वो एक दिन अपने पति के बिस्तर की जीनत बन सके, उसे आकर्षित कर सके, उसके लिए उपयोगी हो सके, उसके मनुष्य होने की बड़ी सार्थकता का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

अपने चेहरे को छोड़कर अपने काम के बारे में तो वो तब सोचती, जब हमने उसे बताया होता कि वो देह नहीं, एक संपूर्ण मनुष्य है। सोचने वाला, महसूसने वाला, रचने वाला और जीने वाला मनुष्य।

यूपी से छत्तीसगढ पहुंचा सियासी बुलडोजर

भाजपा की सरकार बनी तो माफियाओं पर चलेगा बुलडोजर, साव, बृजमोहन, मिश्रा बोले- बुलडोजर मतलब न्याय

रायपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुलडोजर कल्चर की चर्चा अब अचानक छत्तीसगढ़ में बढ़ गई है। भारतीय जनता पार्टी के नेता लगातार बुलडोजर कल्चर का समर्थन करते हुए स्थानीय स्तर पर बुलडोजर वाली कार्रवाइयों का प्रचार कर रहे हैं। भाजपा के नेता दावा कर रहे हैं कि अगर आने वाले समय में छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी तो यहां अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ बुलडोजर वाली वैसे ही कार्रवाई होगी जैसे उत्तर प्रदेश में होती है । अचानक नए एक्शन प्लान के साथ बुलडोजर की बात कर रही भाजपा अब लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गई है। पार्टी के बड़े नेता खुलकर बुलडोजर कल्चर का समर्थन कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष अरुण साव लगातार अलग-अलग जिलों में दौरा कर रहे हैं। हाल ही में अरुण साव का एक वीडियो सामने आया एक युवक अरुण साव से पूछता दिख रहा है कि छत्तीसगढ़ में भी यूपी जैसे बुलडोजर चलेगा। जवाब में अरुण साव कह रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में अगर बुलडोजर चलाना है तो सरकार बदलनी होगी ।

जब भाजपा की सरकार आएगी तो अन्याय के खिलाफ बुलडोजर चलेगा, जैसे लातों के भूत बातों से ही मानते हैं उसी तरह भाजपा भी अन्याय करने वाले अत्याचारियों पर बुलडोजर चलवाएगी। अरुण साव लोगों के बीच पहुंचकर यह भी प्रचारित कर रहे हैं कि छत्तीसगढ़ में लगातार अपराध बढ़े हैं और अगर इनसे कोई मुक्ति दिला सकता है तो वह है भाजपा।

प्रदेश को खुशहाल बनाना है तो बुलडोजर जरूरी

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ भाजपा नेता विधायक बृजमोहन अग्रवाल भी बुलडोजर की बात कह रहे हैं। उन्होंने कहा है कि अगर प्रदेश में खुशहाली चाहिए तो हमको भी बुलडोजर चलाना पड़ेगा। तुष्टीकरण की राजनीति बंद करनी पड़ेगी । छत्तीसगढ़ में जो बदहाली का दौर मौजूद है वह कांग्रेस की वजह से है। छत्तीसगढ़ आबादी के दृष्टिकोण से देश का 22 वें नंबर का राज है, मगर अपराध के मामले में टॉप टेन पर है। छत्तीसगढ़ ऐसा राज्य बन गया है, जहां अपराधिक और असामाजिक कृत्य के लोग गली गली घूम रहे हैं। ऐसे माफियाओं पर भाजपा की सरकार आने पर निश्चित रूप से हम बुलडोजर चलवाएंगे।

पूर्व प्रमुख सचिव मिश्रा बोले बुलडोजर मतलब न्याय

बुलडोजर कल्चर का पूर्व प्रमुख सचिव और वर्तमान भाजपा नेता गणेश शंकर मिश्रा ने भी समर्थन किया है । उन्होंने कहा है कि बुलडोजर कल्चर का मतलब है अन्याय पर न्याय की जीत , अधर्म पर धर्म की जीत। वह लोग जो लोगों का शोषण करते हैं उनके खिलाफ उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुलडोजर की कार्रवाई की । ऐसे ही कार्रवाई छत्तीसगढ़ में भी होनी चाहिए । कांग्रेस यहां बुलडोजर के नाम पर लोगों को दिग्भ्रमित कर रही है। जबकि ऐसा नहीं है बुलडोजर की कार्रवाई आम लोग पसंद कर रहे हैं और यह न्याय का परिचायक बन चुका है । खास बात यह है कि अफसर रहते हुए खुद गणेश शंकर मिश्रा ने रायपुर में अभियान चलाकर 5000 से अधिक बेजा कब्जा बुलडोजर के जरिया हटवाया था, उन्हें बुलडोजर प्रशासक भी कहा जाता था।

क्या है बुलडोजर कल्चर

पिछले साल यूपी के माफिया विकास दुबे को पुलिस ने गिरफ्तार किया । फिर बात सामने आई कि जेल ले जाते वक्त गाड़ी का हादसा हुआ विकास दुबे भागने लगा और उसे शूटआउट में मार गिराया गया। विकास दुबे के अवैध संपत्ति पर बुलडोजर चलाकर उत्तर प्रदेश योगी सरकार ने कार्रवाई की । इसे लोगों ने खूब पसंद किया इसके बाद कई उत्तर प्रदेश के अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चला और यहीं से बुलडोजर कल्चर ट्रेंड में आया। फिर भाजपा की सभाओं में भी मैदान में बुलडोजर प्रतीक चिन्ह के रूप में खड़े किए जाने लगे, भाजपा की रैलियों में भी बुलडोजर दिखा और यह प्रचारित किया गया कि भाजपा बुरे लोगों के साथ बुलडोजर कार्रवाई करती है । अब इसी की चर्चा छत्तीसगढ़ की राजनीति में भी होने लगी है और भाजपा यूपी वाले सियासी बुलडोजर को छत्तीसगढ़ लाने की तैयारी में है। यह प्रचारित किया जा रहा है कि आने वाले समय में प्रदेश में भी भाजपा इसी तरह से अपराधियों के खिलाफ बुलडोजर वाला एक्शन करेगी।

कांग्रेस बोली कोई मुद्दा नहीं बचा इसलिए ऐसी बात कर रहे

भाजपा के अचानक बुलडोजर कल्चर को हवा देने के मामले में कांग्रेस के संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भाजपा के पास कोई मुद्दा नहीं बचा इसलिए दूसरे प्रदेशों के मुद्दों को यह कॉपी कर रहे हैं।

प्रदेश में ऐसा कोई माफिया अपराधी नहीं है जिसके खिलाफ बुलडोजर वाली कार्रवाई हो या एनकाउंटर करने की जरूरत पड़े। छत्तीसगढ़ एक शांत प्रदेश है इसलिए यहां बुलडोजर कल्चर की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जो भाजपा के नेता बुलडोजर कल्चर का प्रचार कर रहे हैं क्या वह नान माफिया पर भी बुलडोजर वाली कार्यवाही चाहेंगे , कांग्रेस ने इस पूरे मामले को भाजपा द्वारा लोगों को भटकाने वाली हरकत बताया।

गृह मंत्री अनिल विज के जनता दरबार के कारण लाखों पीड़ितों को मिला इंसांफः शांडिल्य

अम्बाला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह देश के व अनिल विज हरियाणा के सरदार पटेल हैं। उपरोक्त शब्द ब्राह्मण महापंचायत व एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेश शांडिल्य ने अनिल विज के निवास पर सैंकड़ो लोगो के बीच मे अपने संबोधन में कहे। शांडिल्य गृह ग्रह मंत्री अनिल विज को भगवान परशुराम जयंती पर बधाई देने पहुँचे और भगवान परशुराम की प्रतिमा व दोशाला देकर सम्मानित किया । इस मौके पर सुरेंदर तिवारी, हर्ष शर्मा, प्रवेश शर्मा, सुरेश शर्मा सहित ब्राह्मण महापंचायत के सदस्य मौजूद थे।

ब्राह्मण महापंचायत सुप्रीमो ने कहा जैसे भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार हैं वैसे ही इस कलुयग मे गृह मंत्री अनिल विज ने जनता की सेवा के लिए अवतार के रूप मे जन्म लिया यदि अनिल विज भगवान नही तो उनसे कम भी नही। जिस तरह भक्तों के लिए प्रभु के दरवाजे सदा खुले हैं वैसे ही पीड़ित , दुखियों,के लिए अनिल विज के दरवाजे प्रभु की तरह खुले हैं। शांडिल्य ने कहा वह उस कोख को प्रणाम करते हैं जिस कोख ने अंबाला व हरियाणा की जनता को अनिल विज जैसा अवतार दिया है। शांडिल्य ने अनिल विज से अनुरोध किया है कि वह अपना दरबार कभी बंद न करें क्योंकि उन्ही की बदौलत आज हरियाणा में लाखो पीड़ितों को न्याय मिल रहा है।

वीरेश शांडिल्य ने कहा कि अनिल विज के राज में सही मायनों में संविधान,कानून का राज ही नही बल्कि राम राज है। 2019 में अनिल विज गृह मंत्री बनने के बाद न केवल हरियाणा में बल्कि विश्व मे हरियाणा पुलिस की छवि मजबूत हुई और अनिल विज की डायल 112 प्रदेश की ही नही विश्व से कोई भी हरियाणा में आया हो उसके लिए सुरक्षा कवच बन चुकी है। शांडिल्य ने फरवरी 2023 का उदहारण दिया कि उनके दफ्तर पर हमला हुआ तो उन्होंने 112 पर डायल किया साढ़े 4 मिनट में पुलिस मौके पर थी। भगवान परशुराम जयंती पर शांडिल्य ने सरकार का भगवान परशुराम के नाम पर डाक टिकट निकालने का आभार व्यक्त किया और अंबाला शहर में भगवान परशुराम ब्राह्मण धर्मशाला बनाने की मांग की। शांडिल्य अनिल विज की दीर्घायु की कामना की और अनिल विज जिंदाबाद के नारे लगवाए और कहा कि एंटी टेरोरिस्ट फ्रंट इंडिया के तमाम सदस्य व उनका परिवार अनिल विज के आदेश पर राष्ट्र के लिए किसी भी कुर्बानी को तैयार है। ओर विज के आदेश पर बंद बंद कटाने को तैयार हैं ।

उन्होंने कहा अनिल विज को जल्द ही अंबाला में राज्य स्तरीय प्रोग्राम में 'अनमोल रतन' का अवार्ड दिया जाएगा। उन्होंने कहा आज अनिल विज पौने तीन करोड़ जनता की आस हैं और आज अधिकारियों कर्मचारियों को लोगो के काम करने की आदत अनिल विज के दरबार ने लगाई है ।

जमीन घोटाला मामलाः ईडी का आईएएस छवि रंजन को तीसरा समन, 24 को पूछताछ के लिए बुलाया

रांची, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जमीन घोटाले में मनी लॉन्डिंग की जांच कर रहे ईडी ने रांची के पूर्व डीसी आईएएस छवि रंजन को तीसरा समन भेजा है, जिसमें ईडी ने छवि रंजन को 24 अप्रैल की सुबह 11 बजे रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है।

सूत्रों का कहना है कि इस बार अगर छवि रंजन पूछताछ के लिए नहीं आते हैं, तो उनकी परेशानी बढ़ सकती है। इससे पहले ईडी ने उन्हें 17 अप्रैल को समन कर 21 अप्रैल को पूछताछ के लिए बुलाया था। लेकिन, वे नहीं पहुंचे। उन्होंने वकील के माध्यम से ईडी से दो हफ्ते की मोहलत मांगी थी, जिसे ईडी ने अस्वीकार करते हुए 21 अप्रैल को ही दूसरा समन भेज उसी

दिन शाम 4 बजे उपस्थित होने को कहा था। इसके बाद छवि रंजन ने 21 अप्रैल को ही अपने वकील के माध्यम से ईडी को यह जानकारी दी कि वे रांची से बाहर हैं।

ईडी जो भी अगली तिथि देगा वह पूछताछ के लिए उपस्थित हो जाएंगे। इसके बाद ईडी ने उन्हें पूछताछ के लिए तीसरी बार समन किया है। उल्लेखनीय है कि जमीन घोटाले की जांच मामले में 13 अप्रैल को ईडी ने छवि रंजन सहित 18 लोगों के 22 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के बाद ईडी ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार भी किया था।

ईडी ने आरोपियों को 4 दिन की रिमांड पर लेकर पूछताछ भी की। फिर सातों आरोपियों की रिमांड पांच दिन और बढ़ गई है। सूत्रों ने बताया है कि आरोपियों से ईडी को कई अहम जानकारियां मिली हैं। उक्त जानकारियों के बारे में ईडी छवि रंजन से पूछताछ कर क्रॉस क्वेश्चन कर सकता है। वहीं रिमांड पर लिए गए आरोपियों में से कुछ को छवि रंजन के आमने-सामने कर भी ईडी पूछताछ कर सकता है।

बढ़ रहा कोरोना:30 दिनों में 20 मरीजों की मौत

इनमें 4 ऐसे जो कोरोना से पहले पूरी तरह स्वस्थ थे

रायपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)।प्रदेश में कोरोना मरीजों की रफ्तार तो बढ़ती ही जा रही है, यह जान भी ले रहा है। पिछले 30 दिनों में 20 मरीजों की मौत हुई है। इसमें 4 मरीज ऐसे थे, जिन्हें कोई बीमारी नहीं थी। कोरोना हुआ और इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। यह कुल मौत का 20 फीसदी है। बाकी मरीज कैंसर, लीवर, हार्ट, डायबिटीज बीमारी से ग्रसित थे। विशेषज्ञों को अनुसार कोरोना को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। स्वस्थ व्यक्ति अगर इलाज में देरी करता है तो वह गंभीर हो सकता है। शनिवार को प्रदेश में 259 नए मरीज मिले है।

जिन मरीजों की मौत हुई है, इनमें ज्यादातर 60 वर्ष से ज्यादा उम्र वाले हैं। 30 से 45 वर्ष के बीच वाले मरीज 20 फीसदी से ज्यादा हैं। अंबेडकर अस्पताल में अभी 14 मरीजों का इलाज चल रहा है। इनमें 9 मरीज मेडिकल स्टूडेंट हैं। इन्हें होस्टल में नहीं रखा जा सकता इसलिए अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

पिछले एक माह में प्रदेश में 5169 मरीज मिल चुके हैं। रोजाना 172 से ज्यादा औसत से मरीज मिल रहे हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि कोरोना से दहशत में आने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, बस पूरी एहतियात बरतने की जरूरत है। भीड़ वाले जगहों पर जाने से बचें। अगर जा भी रहे हैं तो मॉस्क लगाएं। सर्दी, खांसी व बुखार हो तो बिना देरी करते हुए कोरोना की जांच करवाएं। क्योंकि यह जांच पूरी तरह निःशुल्क है। अंबेडकर अस्पताल में कोविड वार्ड प्रभारी डॉ. ओपी सुंदरानी ने बताया कि शनिवार तक केवल एक मरीज वेंटीलेटर पर था। इस मरीज को सांस में तकलीफ के कारण वेंटीलेटर पर रखा गया है।

वीडियो बना ब्लैकमेल कर रहीं युवतियां

रांची में हर माह सेक्सटॉर्शन के 50 मामले, व्यापारी, अफसरों से 50 लाख की उगाही कर रहे साइबर अपराधी

धनबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सोशल मीडिया (वॉट्सएप और मैसेंजर एप) से वीडियो कॉल कर न्यूड फोटो-वीडियो बना ब्लैकमेलिंग करने का धंधा इन दिनों रांची में जोर-शोर से चल रहा है। साइबर अपराधी अपने गैंग में शामिल युवतियों से वीडियो कॉल करा सामने वाले को बातों में फांस उनका न्यूड वीडियो बना रहे हैं और लाखों रुपए की उगाही कर रहे हैं। साइबर अपराध के जानकारों और साइबर सेल के अनुमान के अनुसार, रांची में सेक्शटॉर्शन के 40-50 और राज्य में 150-200 मामले हर माह आ रहे हैं।

ऐसे 9 मामले खंगाले और पूरे मामले की पड़ताल की तो यह सामने आया कि भुक्तभोगियों में

ज्यादातर सरकारी विभागों में कार्यरत अधिकारी, शिक्षक-प्रोफेसर और व्यापारी शामिल हैं। साइबर अपराधी 20-30 और 50-55 औसत उम्र वालों को शिकार बनाकर हर माह करीब 50 लाख रुपए की उगाही कर रहे हैं। इस केस में फंसने के बाद भुक्तभोगी लोक-लाज, प्रतिष्ठा के कारण पैसे देने को मजबूर हो जाते हैं। प्राथमिकियां दर्ज कराने से पीछे हट जाते हैं। कई लोग तो इतने भयभीत हो जाते हैं कि अपनी जान देने से भी नहीं हिचकते।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों की माने तो 3 वर्षों में झारखंड में सेक्सटॉर्शन से जुड़े नाममात्र मामले दर्ज हुए हैं। वर्ष 2020 में कोरोना की वजह से लोग घर में ज्यादा थे। उस समय झारखंड में मात्र 13 मामले दर्ज हुए थे। वहीं 2021 में मात्र 12 और 2022 में 11 मामले दर्ज हुए। लेकिन हकीकत यह है कि यह 10 गुना अधिक है। रांची साइबर सेल की डीएसपी यशोधरा ने बताया कि उनके पास अक्सर सेक्सटॉर्शन में फंसे व्यक्ति आते हैं। पुलिस काउंसिलिंग कर उनका डर बाहर निकालती है। पीड़ितों से केस करने को कहा जाता है, पर वे तैयार नहीं होते।

चीन की अकड़ पड़ी ढीली

'साउथ चाइना सी' में अमेरिका ने किया जंगी अभ्यास, ताइवान की रक्षा की खाई है कसम

वाशिंगटन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन एक दूसरे के दुश्मन नंबर वन हैं। हाल के वर्षों में जिस तरह चीन दुनिया में विस्तारवाद की नीति को अपना रहा है, उससे अमेरिका को सबसे ज्यादा खतरा है। ऐसे में वह चीन को उसकी असली हैसियत दिखाने से पीछे नहीं हटता है। खासतौर पर दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी पर अमेरिका अपने जंगी जहाजों, फाइटर जेट्स के द्वारा जवाब देता रहता है। इसी बीच अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में बड़ा जंगी अभ्यास किया है, जिससे चीन घबरा गया और उसकी अकड़ ढीली हो गई है।

ताइवान को चीन की धमकी के बाद चौकन्ना है अमेरिका

अमेरिकी नौसेना ने बताया कि उसने एयरक्राफ्ट केरियरयूएसएस निमित्ज के साथ जंगी अभ्यास किया है। इस दौरान खासतौर पर एयरक्राफ्ट कैरियर से जंगी जेट्स की उड़ान और लैंडिंग की प्रैक्टिस की गई। दरअसल, चीन ने ताइवान को हाल ही में धमकी दी है। चीन के विदेश मंत्री छिन कांग ने खुद हाल ही में कहा कि ताइवान की मदद करने वाले 'आग से खेल रहे हैं।' ताइवान को भी चीन ने धमकी दे डाली। ऐसे में अमेरिका को डर है कि चीन कभी भी ताइवान पर हमला न कर दे। इसलिए चीन के पास ही अपनी उपस्थिति को अमेरिकी सेना बनाए रखना चाहती है दक्षिण चीन सागर में अमेरिका का जंगी अभ्यास इसी प्रक्रिया का हिस्सा है।

ताइवान पर हमला किया तो चीन की हेकड़ी निकाल देगा अमेरिका

अमेरिका जंगी अभ्यास करके चीन को यही संदेश दे रहा है कि यदि ताइवान पर किसी भी तरह का हमला किया तो वह चीन की अकड़ निकाल देगा। दरअसल, अमेरिका चीन के नजदीक दक्षिण चीन सागर में अपनी जंगी तैयारियों को जांच रहा है। ताइवान पर चीनी हमले की स्थिति में वह चीन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तैयार है। यही कारण है कि अमेरिका चीन के नजदीक इस इलाके में अपनी युद्ध तैयारी को मजबूत कर रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति खुद चीन ताइवान की जंग की स्थिति में अपने सैनिकों को भेजने की बात कह चुके हैं। यानी चीन ने ताइवान पर आक्रमण किया तो दक्षिण चीन सागर में मौजूद अमेरिकी सेना चीन क हमले का कड़ा जवाब देगी। ऐसे में अमेरिकी नौसेना अपनी मौजदगी को बनाए रखना चाहती है।

अमेरिकन एयरक्राफ्ट कैरियर में एक बार में तैनात हो सकते हैं 70 जंगी विमान

एयरक्राफ्ट कैरियर अमेरिकी ताकत का प्रतीक हैं। अमेरिका शीत युद्ध के समय से ही एयरक्राफ्ट कैरियरों को अपनी ताकत के तौर पर इस्तेमाल करता आया है। एयरक्राफ्ट कैरियर की सबसे बड़ी ताकत उसके लड़ाकू विमान होते हैं। अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर इतने विशाल होते हैं कि उन पर एक बार में 60 से 70 लड़ाकू विमानों को तैनात किया जा सकता है।

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा- प्रतिद्वंद्वियों को बाघों के सामने फेंक देते हैं ड्रग लॉर्ड

वाशिंगटन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मैक्सिकन ड्रग डीलर जोआक्विन गुजमान और कार्टेल सहयोगियों के बेटों के खिलाफ अमेरिकी न्याय विभाग ने एक अभियोग पेश किया है। अभियोग के अनुसार एल चापो नाम से मशहूर गुजमान और कार्टेल सहयोगियों के बेटे अपने प्रतिद्वंद्वियों को यातनाएं देते हैं। टॉर्चर करने के लिए वे लोगों को कॉर्कस्क्रू, इलेक्ट्रोक्यूशन और हॉट चिली का इस्तेमाल करते हैं। वह अपने दुश्मनों को बाघों के सामना जिंदा या मुर्दा भी छोड़ देते हैं।

एक लोकल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ओविडियो गुजमान लोपेज, जीसस अल्फ्रेडो गुजमान सालाजार और इवान आर्किवाल्डो गुजमान सालजार चैपिटोस या लिटिल चैपोस के जाम से प्रसिद्ध हैं। तीनों उन 28 सिनालोआ कार्टेल सदस्यों में शामिल हैं, जिन पर पिछले सप्ताह फेंटेनल तस्करी अभियान का आरोप लगा था।

हिमाचल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष कुलदीप राठौर बने एमपी चुनाव पर्यवेक्षक

सह प्रभारी संजय दत्त भारमुक्त

शिमला, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता और ठियोग विधानसभा क्षेत्र से विधायक कुलदीप सिंह राठौर को मध्य प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। कुलदीप सिंह राठौर तीन साल तक हिमाचल कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी पत्र में कुलदीप सिंह राठौर को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। कुलदीप सिंह राठौर के अलावा अर्जुन मोढवाडिया, सुभाष चोपड़ा और प्रदीप टम्टा भी पर्यवेक्षक बनाए गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार जल्द ही सभी पर्यवेक्षकों को विधानसभा क्षेत्रों का आवंटन किया जाएगा। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता कुलदीप सिंह राठौर ने नई जिम्मेदारी के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी का आभार व्यक्त किया है। इसके अलावा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और कांग्रेस नेता संजय दत्त को हिमाचल के सह प्रभारी के पद से भारमुक्त कर दिया गया है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने संजय दत्त की सेवाओं को अब मध्य प्रदेश में लेने का फैसला किया है।

विधानसभा चुनाव में निभाई अहम भूमिका

राष्ट्रीय सचिव संजय दत्त को मध्य प्रदेश कांग्रेस प्रभारी शिव भाटिया के साथ अटैच किया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे की मंजूरी के बाद पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान सह प्रभारी संजय दत्त हिमाचल कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला के साथ अटैच थे। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अब पार्टी ने उन्हें हिमाचल प्रदेश से मध्य प्रदेश स्थानांतरित कर दिया है।

यूक्रेन के लिए 'नाटो' चीफ ने दिया बड़ा बयान, जंग के बीच बढ़ेगी रूस की टेंशन

कीव, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। यूक्रेन और रूस के बीच जंग जारी है। यूक्रेन ने कई बार उत्तर अटलांटिक संधि संगठन यानी 'नाटो' में हिस्सा बनने की मांग की है। इसी बीच नाटो के महासचिव जेन्स स्टॉल्टनबर्ग ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन नाटो के संगठन में शामिल होने का हकदार है। उन्होंने पिछले साल रूस के आक्रमण के बाद अपनी पहली यूक्रेन यात्रा के दौरान देश को लगातार सहयोग प्रदान करने का वादा किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने स्टॉल्टनबर्ग से यूक्रेन को लड़ाकू विमान, तोप और बख्तरबंद उपकरणों समेत अधिक मदद उपलब्ध कराने का आग्रह किया। स्टॉल्टनबर्ग ने यूक्रेन के लिए नाटो सदस्यों का समर्थन जुटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नाटो के नेताओं ने वर्ष 2008 में कहा था कि एक दिन यूक्रेन संगठन में शामिल होगा, जिसे स्टॉल्टनबर्ग ने एक बार फिर दोहराया।

हालांकि संगठन ने यूक्रेन को सदस्यता देने के लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की है। स्टॉल्टनबर्ग ने कहा, 'मैं साफतौर पर कहना चाहता हूं कि यूक्रेन यूरोपीय अटलांटिक परिवार में यूक्रेन का उचित स्थान है। नाटो में यूक्रेन का वाजिब स्थान है।' स्टॉल्टनबर्ग ने कहा कि उन्होंने और जेलेंस्की ने सहायता कार्यक्रम पर चर्चा की है। उन्होंने कहा 'नाटो आज, कल और हमेशा आपके साथ खड़ा है।' नाटो महासचिव पिछले साल रूस के आक्रमण के बाद से पहली बार यूक्रेन पहुंचे हैं। इस बीच रूस ने आगाह किया है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होना चाहिए। रूस सरकार के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा कि यूक्रेन को नाटो में शामिल होने से रोकना रूस का एक लक्ष्य रहा है। पेस्कोव ने प्रेस वार्ता में कहा कि यूक्रेन के नाटो में शामिल होने से हमारे देश और इसकी सुरक्षा के सामने गंभीर खतरा पैदा होगा।

वेटर ने पिज्जा में लगा दी आग

धू-धूकर जला इटालियन रेस्टोरेंट, झुलसने से 2 लोगों की मौत

स्पेन, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मैड्रिड यूरोपीय देश स्पेन की राजधानी मैड्रिड में एक जानलेवा हादसा हुआ है। यहां के एक रेस्तरां में एक वेटर द्वारा पिज़्ज़ा जलाने के बाद लगी आग में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। घटना शुक्रवार की रात की है, जब सेंट्रल सलामांका नेबरहुड स्थित एक इतालवी रेस्तरां बुरो कैनाग्लिया बार एंड रेस्टो में आग लग गई। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में मरने वालों में एक रेस्टोरेंट का कर्मचारी और दूसरा ग्राहक था। एक चश्मदीद ने बताया कि अस्पताल में एक व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। शहर के मेयर, जोस लुइस ने कहा, लगता है कि आग तब लगी जब एक वेटर ने पिज़्ज़ा में आग लगा दी और आग की लपटों ने प्लास्टिक के फूलों वाली छत और स्तंभों को जला डाला। और, आग पूरे रेस्तरां में फैल गई।, बताया जा रहा है कि उस समय वहां लगभग 30 लोग खाना खाने के लिए मौजूद थे। उनके अलावा रेस्तरां के भी कई कर्मचारी थे। मैड्रिड के फायर चीफ कार्लोस मार्टिन के अनुसार, आग एक फायर स्टेशन के पास लगी। जिसका पता चलते ही लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। इमरजेंसी सर्विसेस के अधिकारियों ने कहा कि रेस्तरां में भोजन करने वालों के लिए भागना मुश्किल हो गया क्योंकि आग मैन गेट के पास लगी थी। बहरहाल, पुलिस आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

इंडोनेशिया में शक्तिशाली भूकंप से कांपी धरती, एक घंटे में दो बार आया

जकार्ता, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडोनेशिया में शक्तिशाली भूकंप आया है। हाल के समय में लगातार आ रहे भूकंपों के बीच यह भूकंप रविवार तड़के आया। जानकारी के अनुसार 1 घंटे में दो बार भूकंप से धरती कांपी है। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर 'यूएमएससी' के मुताबिक, इंडोनेशिया में रविवार सुबह लगातार दो बार भूकंप के झटके लगे हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 और 5.8 मापी गई है। यूएमएससी ने बताया कि रविवार तड़के केपुलुआन बाटू में दो बार भूकंप से धरती कांपी है। रविवार को भूकंप का पहला झटका महसूस किया गया। इसकी तीव्रता 6.1 रही। इसके कुछ ही घंटे बाद 5.8 तीव्रता वाला एक और भूकंप का झटका महसूस किया गया। ईएमएससी के अनुसार पहले भूकंप का 43 किलोमीटर की गहराई पर उद्गम केंद्र था। वहीं दूसरा भूकंप 40 किलोमीटर की गहराई में आया। भूकंप से अभी तक किसी भी जानमाल के नुकसान की खबर नहीं मिली है।

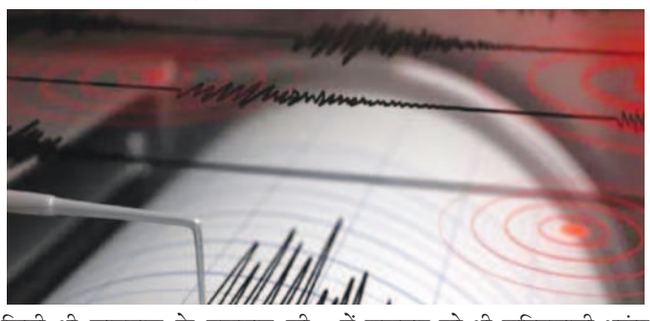

चार दिन पहले भी इंडोनेशिया में आया था भूकंप

इससे पहले बीते बुधवार को भी इंडोनेशिया में भूकंप का झटका लगा था। सबांग के 16 किमी पश्चिम दक्षिण पश्चिम में भूकंप आया था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 आंकी गई थी। यूएसजीएस ने बताया कि भूकंप रात करीब 11 बजे आया था। फिर इंडोनेशिया के करीब मोलुक्का सागर में शुक्रवार को भी शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.10 दर्ज की गई थी। यह भूकंप भारतीय समयानुसार दोपहर 3.151 बजे आया था। इससे पिछले शुक्रवार को भी इंडोनेशिया के जावा द्वीप के उत्तर में समुद्र में शक्तिशाली भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। तब भूकंप की तीव्रता 7.0 दर्ज की गई थी। हालांकि किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं थी।

क्यों आते हैं भूकंप

यह धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है, जिन्हें इनर कोर, आउटर कोर, मैन्टल और क्रस्ट कहा जाता है। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल को लिथोस्फेयर कहा जता है। ये 50 किलोमीटर की मोटी परतें होती हैं, जिन्हें टैक्टोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टैक्टोनिक प्लेट्स अपनी जगह से हिलती रहती हैं, घूमती रहती हैं, खिसकती रहती हैं। ये प्लेट्स अमूमन हर साल करीब 4-5 मिमी तक अपने स्थान से खिसक जाती हैं। ये क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर, दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। इस क्रम में कभी कोई प्लेट दूसरी प्लेट के निकट जाती है तो कोई दूर हो जाती है। इस दौरान कभी-कभी ये प्लेट्स एक-दूसरे से टकरा जाती हैं। ऐसे में ही भूकंप आता है और धरती हिल जाती है। ये प्लेटें सतह से करीब 30-50 किमी तक नीचे हैं।

पाकिस्तानी इस्लामी लेखक ने हिंदुओं के खिलाफ उगला जहर

बोला- मंदिर तोड़ना सही।

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की ओर से भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगलना कोई नई बात नहीं है। पाकिस्तानी मौलानाओं की एक लंबी फेहरिस्त है, जो लगातार हिंदुओं की आस्था पर निशाना साधते रहते हैं। इस बार पाकिस्तान के एक मुल्ला खादिम रिजवी ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ जहर उगला और साथ ही सोमनाथ मंदिर में गजनवी के ओर से की गई तोड़-फोड़ को सही ठहराया। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर खूब वायरल हो रहा है। पाकिस्तानी मुल्ला खादिम रिजवी अपने फॉलोअर्स के सामने एक समारोह में भाषण दे रहे थे। उसी वक्त उन्होंने भारत में महमूद गजनवी के सोमनाथ मंदिर में तोड़फोड़ करने के बारे में जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के जनरल हमें धमकियां दे रहे हैं, लेकिन उसे पता होना चाहिए कि गजनवी के बच्चे आ रहे हैं।

हिंदू आज भी महमूद गजनवी पर गुस्सा करते है- मुल्ला

पाकिस्तानी मुल्ला खादिम रिजवी ने अपने भाषण के दौरान कहा कि हिंदू अक्सर मुझसे पूछते रहते है कि आप ऐसे हिंदू विरोधी बयान क्यों देते रहते हैं। आप हिंदुओं से क्या चाहते हैं। इस पर मुल्ला ने कहा कि मैं महमूद गजनवी को दोबारा बुलाना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि 1000 साल से ज्यादा गुजर चुके हैं, लेकिन हिंदू आज भी महमूद गजनवी पर गुस्सा करते है। मुल्ला ने कहा कि वो ऐसा इसलिए करते हैं, क्योंकि महमूद गजनवी ने हिंदुओं को बहुत बड़ा जख्म दिया है। गजनवी जब मूर्तियां तोड़ रहा था तो हिंदू लोग ने कहा कि तुम्हें जो लेना है ले जाओ सोना पैसे जो भी बस इन मूर्तियों को मत तोड़ो। इस ऑडियो या वीडियो क्लिप की पुष्टि नहीं करता है)

हमें मूर्तियां ही तोड़नी सिखाया गया है- गजनवी

उसने आगे कहा कि हिंदुओं ने मूर्तियों को न तोड़ने की भीख मांगी। इस पर गजनवी ने कहा कि ऊपर वाले ने हमें मूर्तियां तोड़ना सिखाया। तुम्हारा भगवान चला गया। हमें ये सब बातें समझ नहीं आती, क्योंकि जिस चीज की तालीम मैं लेकर आया हूं, उसमें सिर्फ हमें मूर्तियां ही तोड़ना सिखाया गया है। पाकिस्तानी मुल्ला खादिम रिजवी की ये वीडियो अब तक हजारों लोगों ने देखी है। इस वीडियो को पाकिस्तान अनटोल्ड नाम के ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया गया है।

ईद पर रोया पाकिस्तान। शरीफ ने आवाम को सुला दिया भूखा, तंगी ने नहीं करने दिया मुंह मीठा

इस्लामाबाद, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत समेत दुनियाभर में ईद का जश्न मना। मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक-दूजे को ईद की मुबारकबाद दी और मिठाइयां बांटीं। हालांकि, आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान में आमजन की ईद फीकी रही। महंगाई ने वहां हाल-बेहाल कर रखा है और निम्न आयवर्ग के लोग पाई-पाई को तरस रहे हैं। एक ओर जहां भारतीय टीवी चैनलों पर भारत में ईद सेलिब्रेशन में हंसते खिलते चेहरे दिखाई दे रहे थे, वहीं पाकिस्तानी चैनलों पर पूरे दिन मायूसी देखी गई। ज्यादातर पाकिस्तानी चैनल मुल्क में व्याप्त महंगाई, आर्थिक तंगी, चुनावों को लेकर मचे सियासी घमासान वाले शो दिखाते रहे। वहां पेट्रोल पंपों पर लाइनें लगी नजर आ रही थीं, इसके अलावा लोग राशन के लिए भी भटक रहे हैं। बता दें कि पाकिस्तान में पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल व फ्यूल की किल्लत है और सरकार ने एलपीजी सप्लाई से भी इनकार कर दिया है। अब पाकिस्तान की हालत ये है कि वो विदेश से कच्चा तेल भी नहीं खरीद पा रहा। उसका विदेश व्यापार लगातार कम होता जा रहा है, क्योंकि उसके विदेशी मुद्रा भंडार में डॉलर की भारी कमी पड़ गई है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान में अब तक की सबसे उच्च महंगाई दर है। वहां 3 महीने में महंगाई का ग्राफ 103% बढ़ा है। जिसके चलते पाकिस्तान में महंगाई दर 48 फीसदी के पार पहुंच चुकी है। सोशल मीडिया पर लोगों के बीच पाकिस्तान में व्याप्त महंगाई को लेकर चर्चा हो रही है। कुछ लोगों ने कहा, पाकिस्तान ईद मनाए भी तो कैसे।? वहां की हुकूमत ने मुल्क को इस लायक छोड़ा ही नहीं। महंगाई ने वहां 75 साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आंकड़े बताते हैं कि 2022 में ईद पर पेट्रोल 150 रुपये प्रति लीटर था, जो 82% बढ़कर 2023 की ईद तक 282 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है।

नशे में धुत यात्री ने फ्लाइट में पुरुष अटेंडेंट को जबरन खींचकर चूमा

कहा- तुम बेहद खूबसूरत हो।

अलास्का, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बीते कुछ महीनों में फ्लाइट में पेशाबकांड से लेकर नशे में बदतमीजी करने के दर्जनों मामले सामने आ चुके हैं। इस बीच ऐसी ही एक और घटना सामने आई है, जहां एक यात्री ने पुरुष अटेंडेंट को जबरन किस कर लिया। अमेरिका में अलास्का की ओर जाने वाली फ्लाइट में 61 साल के बूढ़े आदमी ने जमकर शराब पी ली। इसके बाद उसने शराब के नशे में एक पुरुष केबिन क्रू के साथ जबरदस्ती की और उसे किस करने कि कोशिश की। डेविड एलन बर्क बिजनेस फर्स्ट क्लास से सफर कर रहा था। फर्स्ट क्लास में सफर करने के नाते किसी भी यात्री को शराब पीने की अनुमति भी दी जाती है। हालांकि, प्लेन के अपने कुछ नियम भी थे, जिसके वजह से उसे ज्यादा शराब पीने नहीं दी गई।

केबिन क्रू की गर्दन पर किस किया

फ्लाइट में उड़ान के दौरान बुजुर्ग को ज्यादा शराब पीने से मना किया गया,

जिससे वो गुस्सा हो गया। इसके बाद उसे फ्लाइट के पुरुष केबिन क्रू उसके पास सर्विस देने के लिए आया। बूढ़े आदमी ने केबिन क्रू को अपना शिकार बना लिया। बूढ़ा आदमी प्लेन के गलियारे में खड़ा हो गया और उसने केबिन क्रू को रोक लिया। बर्क ने केबिन क्रू को किस करने से पहले तारीफ की। उसने केबिन क्रू से एक किस करने की गुजारिश की, लेकिन केबिन क्रू ने उसकी इस बात से इंकार कर दिया। डेविड एलन बर्क ने फिर केबिन क्रू को पकड़ कर अपनी ओर खींचा और गर्दन पर किस कर लिया।

एफबीआई के अधिकारियों ने की पूछताछ

किस करने के दौरान बर्क ने ट्रे पर रखे खाने को भी बर्बाद कर दिया। घटना के बाद फ्लाइट अटेंडेंट केबिन क्रू रूम में चला गया। प्लेन की लैंडिंग के बाद पायलट ने घटना की जानकारी एयरपोर्ट पर की। इसके बाद आरोपी से पूछताछ करने के लिए एफबीआई के अधिकारी आए। आरोपी ने पूछताछ के दौरान किसी भी तरह की बात को मानने से इंकार कर दिया। हालांकि, इस मामले में केस दर्ज कर लिया गया है और बर्क को 27 अप्रैल को मारपीट और आपराधिक दुराचार के आरोप में कोर्ट में पेश होने को कहा गया है।

'भारत यात्रा से पहले होमवर्क करने की जरूरत'

बोले नेपाल के प्रधानमंत्री 'प्रचंड'

काठमांडू, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' अगले महीने होने वाली अपनी बहुप्रचारित भारत यात्रा से पहले व्यापक तैयारियां कर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि यात्रा शुरू करने से पहले उन्हें 'होम-वर्क' करने की जरूरत है। उनकी भारत यात्रा की आधिकारिक तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। प्रधानमंत्री के एक सहयोगी ने कहा कि प्रचंड मई के पहले या दूसरे सप्ताह में नई दिल्ली जा सकते हैं। पिछले साल दिसंबर में नेपाल का प्रधानमंत्री बनने के बाद से यह उनकी पहली विदेश यात्रा होगी। द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने और व्यापार, ऊर्जा, कृषि, संस्कृति और हवाई

सेवा से जुड़ी चर्चा भारतीय नेताओं के साथ उनकी बातचीत में प्रमुखता से शामिल होगी। प्रचंड ने काठमांडू में एक कार्यक्रम में कहा, "मैं भारत की अपनी आगामी यात्रा की तैयारी कर रहा हूं, जो जल्द ही हो रही है। हमें यात्रा से पहले उचित होम-वर्क करने की आवश्यकता है।" विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने उनकी यात्रा के लिए जमीनी कार्य शुरू कर दिया है। इस साल की शुरुआत में प्रचंड ने घोषणा की थी कि वह पद संभालने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत जाएंगे। पिछले साल जुलाई में प्रचंड बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निमंत्रण पर भारत पहुंचे थे। उस समय उन्होंने बीजेपी अध्यक्ष के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भी मुलाकात की थी। प्रचंड ने पिछले साल 26 दिसंबर को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी। उन्होंने नाटकीय रूप से नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व वाले चुनाव पूर्व गठबंधन से बाहर निकलकर विपक्ष के नेता केपी शर्मा ओली से हाथ मिला लिया था।

एयरपोर्ट से चोरी हुआ 123 करोड़ का सोना, किसी को नहीं लगी कानों-कान खबर, जांच में जुटी पुलिस

टोरंटो, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। टोरंटो से चोरी का एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। जी हां, टोरंटो पियर्सन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 123 करोड़ रुपये) का सोना चोरी हो गया और किसी को कानों कान खबर तक नहीं लगी। दरअसल घटना 17 अप्रैल की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कार्गो विमान से सोने से भरा एक कंटेनर एयरपोर्ट पर उतरा था। अधिकारियों ने बताया जब उसे अनलोड करने के लिए जाया गया तब कंटेनर वहां से गायब था। एयरपोर्ट अधिकारियों ने बताया कि कंटेनर की चोरी कब और कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है। हालांकि, उन्होंने ये नहीं बताया कि सोने से भरा ये कंटेनर कहां से आया था और इसे कहां ले जाना था। पील इलाके के पुलिस इंसपेक्टर स्टीफन डुइवेस्टेन ने चोरी की इस घटना को दुर्लभ बताया। उन्होंने कहा उनकी टीम सभी एगल से जांच कर रही है। गुरुवार को एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत के दौरान स्टीफन ने कहा कि लापता कंटेनर का आकार लगभग 5 वर्ग फीट था और इसमें गोल्ड के अलावा मौद्रिक मूल्य के अन्य सामान भी थे। अधिकारियों ने यह कहने से मना कर दिया है कि किस एयरलाइन ने इसे भेजा है और कहां से इसे लोड किया गया था। पुलिस इंसपेक्टर स्टीफन ने इस सवाल के जवाब में कहा कि हमारा लक्ष्य इस चोरी का पता लगाना है। उन्होंने कहा कि हम इसे जल्द से जल्द हल करना चाहते हैं। मैं आपको सटीक जानकारी नहीं दे सकता। उन्होंने कहा कि इससे यात्रियों को कोई खतरा नहीं है। हम इसे सार्वजनिक सुरक्षा का मामला नहीं मानते हैं। टोरंटो सन ने गुरुवार को बताया था कि हो सकता है कि इस घटना को अंजाम देने में कोई संगठित अपराध समूह शामिल हो। मगर स्टीफन ने कहा कि फिलहाल यह कहना जल्दबाजी होगी। हम सभी तरह से इसकी जांच कर रहे हैं। पिछले तीन दिन से हम इसका पता लगाने में जुटे हुए हैं।

पटवारी पर छापा मारने के लिए वोट नहीं मांगे थे

पायलट बोले- खड़गे-माकन की बेइज्जती की, सोनिया गांधी को चुनौती दी, पार्टी विरोधी काम वो था

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार पर कार्रवाई को लेकर एक बार फिर सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर हमला बोला है। पायलट ने रविवार को कहा कि हमने पटवारी पर छापे मारने के लिए वोट नहीं मांगे थे।

अनशन के दो सप्ताह के बाद भी सरकार ने कार्रवाई नहीं की है, यह अनशन पार्टी के हित में था। गौरतलब है कि गहलोत ने पायलट के आरोपों पर कहा था कि भ्रष्टाचार पर जितनी कार्रवाई राजस्थान में हुई, उतनी कहीं नहीं हुई।

पायलट रविवार को जयपुर में झारखंड महादेव मंदिर पहुंचे थे। सचिन पायलट ने कहा कि 25 सितंबर को जो कुछ हुआ, वह सबके सामने है। खुलेआम सोनिया गांधी के आदेशों की अवहेलना हुई, खड़गे साहब और माकन की खुलेआम बेइज्जती की गई।

पार्टी विरोधी गतिविधि तो वह थी। उसके बाद कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू हुई, फिर थम गई, उस पर भी सवाल उठेंगे, लेकिन इसका जवाब मेरे पास नहीं है।

यह बात सच है कि 25 सितंबर की घटना हुई वह उस समय की हमारी कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के विरोध में बगावत थी। जो विद्रोह हुआ था, उससे पार्टी और सरकार को क्षति पहुंची थी। सब पब्लिक डोमेन में है। पार्टी ने शो कॉज

नोटिस जारी किया। उसके बाद जवाब आए नहीं आए क्या कार्रवाई हुई, यह सवाल तो बनता ही है।

कमलनाथ-वेणुगोपाल को सच्चाई बताई

पायलट ने कहा- कमलनाथ और वेणुगोपाल से बात हुई, उसमें हमने पक्ष रखा, सच्चाई बताई। बैकग्राउंड को बताया। भविष्य में क्या चाहते हैं, किस दिशा में हमारी पार्टी को जाकर जीत मिल सकती है, उसके बारे में उन्हें सुझाव दिया है। वह सुझाव एक ही है कि हमने जो कहा, वह करके दिखाना चाहिए, क्योंकि हम बीजेपी का धुआं निकालने की क्षमता रखते हैं, वह यह इस भ्रम को नहीं फैला दें कि यहां किसी तरह की सांठगांठ है।

पब्लिक परसेप्शन बहुत महत्वपूर्ण है, यह परसेप्शन नहीं बने कि मिले हुए हैं, इसलिए मैंने बात को रखा है। उन्होंने कहा- वसुंधरा राजे की सरकार में तमाम माफिया पनपा। हम राष्ट्रपति से मिले और ज्ञापन दिया। किसी ने गलती की है तो सजा मिलनी चाहिए। अनशन के दो हफ्ते बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है, इसलिए फिर से आग्रह कर रहा हूं। 2013 से 2018 के बीच जब लोगों के बीच गए तो मुद्दा ये था कि वसुंधरा के भ्रष्टाचार को खोलेंगे।

रंधावा पर तंज, कई रिपोर्ट बनाई तो मंत्रियों पर आरोपों की भी बनाएं

पायलट ने कहा- हमारे प्रभारी रंधावा साहब संजीदा और समझदार व्यक्ति हैं। रंधावा साहब बाकी सब रिपोर्ट दे रहे हैं तो यह रिपोर्ट भी बनानी चाहिए कि हमारे मंत्री और विधायकों पर कई तरह के आरोप लगे हैं, तो कहीं ना कहीं उससे पार्टी और सरकार की छवि को ठेस पहुंच सकती है। उसका भी संज्ञान लेकर खड़गे साहब और एआईसीसी के नेताओं तक पहुंचाना चाहिए ताकि कार्रवाई करें।

कोई कितना बड़ा व्यक्ति हो, किसी पद पर बैठा हो, किसी का चहेता हो, किसका दुश्मन हो, लेकिन अगर कहीं जांच के बाद तथ्य आते हैं तो हमें कार्रवाई करने से परहेज नहीं करना चाहिए, क्योंकि सरकार में बैठे लोग भेदभाव नहीं कर सकते। निष्पक्षता से काम करना पड़ेगा।

महेश जोशी मामले की गहराई से जांच हो

महेश जोशी पर आरोप लगाकर जान देने वाले रामप्रसाद मामले में पायलट ने कहा कि मौत से पहले दिया गया बयान कोर्ट में मान्य होता है। जांच तो होनी चाहिए।

हर व्यक्ति के नैतिकता के पैमाने अलग-अलग होते हैं। कौन इस्तीफा देता है, नहीं देता है, इस्तीफा लेते हैं, नहीं लेते हैं, यह मेरा सब्जेक्ट नहीं है, लेकिन जांच होनी चाहिए।

हम महात्मा गांधी की पार्टी से, गलत के खिलाफ आवाज उठाएंगे

बताया जाता है कि सचिन पायलट ने अनशन के बाद प्रदेश प्रभारी और सीएम की भूमिका को लेकर उनसे बात करने वाले नेताओं के सामने तल्खी दिखाई।

पायलट ने नेताओं को अपना स्टैंड दोहराते हुए कहा कि बीजेपी राज के करप्शन पर जांच ओर कार्रवाई की मांग करना कांग्रेस विरोधी गतिविधि कैसे हो गया? इसी बात को दोहराते हुए उन्होंने रविवार को कहा कि मैंने भाजपा राज के भ्रष्टाचार की बात की, यह तो पार्टी के हित में था। हम महात्मा गांधी की पार्टी से आते हैं, जहां अन्याय और गलत पर आवाज उठाई जाती है, इसीलिए मैंने किया। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि सरकार ने कार्रवाई की है, कुछ कार्रवाई हुई है, लेकिन हमने पटवारी पर कार्रवाई करने के लिए वोट नहीं मांगे थे। हमने वसुंधरा सरकार में हुए भ्रष्टाचार के दोषियों पर कार्रवाई करने के लिए जनता से वोट मांगे थे।

कटारा को किसके कहने पर मेंबर बनाया गया

पायलट ने गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले कहा गया था कि कोई नेता अधिकारी पेपरलीक में शामिल नहीं है। मैंने पहले भी कहा था कि बड़े से बड़ा व्यक्ति जो पेपरलीक में सरगना है ,जो मास्टर माइंड है उन तक पहुंचना चाहिए। छोटे-मोटे दलाल पकड़ने से काम नहीं चलेगा, तह जाना पड़ेगा। आज जो आरपीएससी का मेंबर अरेस्ट हुआ है यह कैसे मेंबर बने, किसने रिकमंड किया था, इसकी तह तक भी जाना चाहिए।

जयपुर एयरपोर्ट पर पकड़ा गया 46 लाख का सोना

शारजाह से आ रहे यात्री के बॉक्स में मिला 756 ग्राम सोना

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर एयरपोर्ट पर करीब 46 लाख रुपए का सोना पकड़ा गया है। शारजाह से जयपुर आई फ्लाइट से कस्टम अधिकारियों ने एक यात्री को पकड़ा है। जांच के दौरान यात्री के बॉक्स से सोने की छड़ियां मिली हैं। इनसे करीब 756 ग्राम सोना निकला। इस सोने की कुल कीमत 46 लाख 64 हजार और 520 रुपए बताई गई है।

कस्टम अधिकारी ने बताया- सुबह शारजाह से आने वाली फ्लाइट में सोने की तस्करी की जानकारी मिली थी। इस पर एयरपोर्ट पर तैनात टीमों को एक्टिव रहने के निर्देश दिए गए थे। फ्लाइट रनवे पर लैंड करने के साथ ही सभी ऑफिसर एक्टिव हुए। एयरपोर्ट से बाहर निकलने के दौरान एक यात्री को अधिकारियों ने रोका। उससे जानकारी मांगी, लेकिन उसके द्वारा गोल्ड से संबंधित जानकारी नहीं मिली। इसके बाद यात्री के सामान की जांच की गई। उससे भी कुछ बरामद नहीं हुआ। सामान को स्कैन किया गया। इससे पता चला की बैग में रखे एक कार्टन में गोल्ड की छड़ियां रखी हुई हैं।

तस्करी के मास्टरमाइंड तक पहुंचने के लिए हो रही पूछताछ

टीम ने बैग की तलाशी कर कार्टन को बाहर निकाला। कार्टन में बड़ी गोपनीय तरीके से सोने की छड़ी छिपा रखी थी। इस संबंध में यात्री से जब जानकारी मांगी गई तो उसने कुछ जानकारी होने से मना कर दिया। इस पर यात्री से पूछताछ के लिए उसे कोर्ट मे पेश किया गया है। सोने को जब्त कर लिया गया है। तस्करी के मास्टर माइंड तक पहुंचने के लिए यात्री से पूछताछ की जा रही है।

गोल्ड ही नहीं मादक पदार्थों की हो रही तस्करी

साल 2022 की बात की जाए तो कस्टम अधिकारियों ने गोल्ड और मादक पदार्थों की तस्करी में रिकॉर्ड तोड़ कार्रवाई की थी। वहीं, 2023 में कार्रवाई काफी कम हो गई है। साल 2022 में कस्टम अधिकारियों ने देशी ही नहीं विदेशी महिला और पुरुषों को करोड़ों रुपए की हेरोइन और गोल्ड से साथ पकड़ा। वहीं, इस साल में गोल्ड के कुछ ही केस सामने आए हैं

कांग्रेस ने इंग्लिश मीडियम स्कूल खोलकर गांधी को बदनाम किया

सांसद सुमेधानंद बोले - फ्री बिजली की घोषणा के साथ ही बढ़ी बिजली कटौती

सीकर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। सीकर सांसद सुमेधानंद सरस्वती ने कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा है। सांसद ने कहा कि जो महात्मा गांधी अपनी पूरी जिंदगी हिंदी के लिए तड़पता रहे। सरकार के उनके नाम पर अंग्रेजी मीडियम स्कूल खोलकर उन्हें बदनाम किया है। सांसद ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर 28 अप्रैल को होने वाली जन आक्रोश रैली को लेकर जानकारी दी। सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार के 4 साल में हुए भ्रष्टाचार और विफलताओं के विरोध में 28 अप्रैल को सीकर में जन आक्रोश रैली का आयोजन किया जा रहा है। पूरे प्रदेश में यह कार्यक्रम हो रहे हैं। इसी के तहत सीकर में पहले जनसभा होगी। इसके बाद कलेक्ट्रेट का घेराव किया जाएगा। कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी

शामिल होंगे। इस विरोध के जरिए भाजपा कांग्रेस सरकार को चेतावनी देगी कि या तो वादे पूरे करो या फिर सिंहासन खाली करो।

सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद के नेताओं की लड़ाई में इतनी बुरी तरह फंस चुकी है कि खुद के मंत्री चैलेंज करते हैं कि यदि किसी ने मां का दूध पीया है तो हमारे खिलाफ कार्रवाई करके दिखाए। मंत्री और विधायक स्पष्ट रूप से आरोप लगाते हैं कि हमारे मंत्री भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उनके खुद के कार्यकर्ता और नेता ही कांग्रेस सरकार पर जमकर आरोप लगा रहे हैं। जयपुर में हाल ही जो सुसाइड हुए। उनके धरनों में कांग्रेस के नेता उसमें शामिल होकर अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने देते हैं। राजस्थान में सरकार 24 अप्रैल से राहत कैंप शुरू करने जा रही है लेकिन सरपंच, कर्मचारी हड़ताल पर हैं तो यह राहत देगा कौन।

सांसद ने कहा कि सरकार ने जिस दिन से फ्री बिजली की घोषणा की है उस दिन से बिजली की कटौती बढ़ गई है। हालात यह है कि कम्पनियां सरकार से 15 हजार करोड़ से ज्यादा रुपए मांगती है। जिन्होंने सरकार को नोटिस भी दे दिया है कि पेमेंट करें वरना बिजली काट देंगे। राजस्थान में अब गर्मी और परीक्षा का समय आने वाला है। ऐसे में डर है कि राजस्थान कहीं अंधेरे में न डूब जाए। गर्मी का मौसम आने वाला है। सरकार के पास पेयजल के लिए कोई योजना नही है।

सांसद ने कहा कि सीएम अशोक गहलोत रोज नई-नई घोषणाएं कर रहे हैं। सरकार ने सीकर जिले में जिन कॉलेजों को खोलने की घोषणा की उनमें से एक के लिए भी सरकार ने पैसा और जमीन आवंटित नहीं की है। सरकार ने चलते हुए स्कूलों पर बोर्ड लगाकर उसे महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल का नाम दे दिया। जिनमें न स्टाफ है। अंग्रेजी मीडियम स्कूल की घोषणा करने के बाद सरकार ने 2 बजट जारी कर दिए लेकिन इन स्कूलों के लिए एक पैसे का भी प्रावधान नहीं किया।

कांग्रेस नेता ने की थी भाजपा के टिकट की सिफारिश

कैबिनेट मंत्री ने आलाकमान से की शिकायत, कहा- ज्यादा बोलने के लिए मना किया

बीकानेर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत दो दिन बाद बीकानेर आने वाले हैं, इससे पहले यहां कांग्रेस के दो दिग्गज आमने-सामने हो गए हैं। कैबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल और पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी के बीच खींचतान सामने आई है। विवाद रामेश्वर डूडी के उस बयान को लेकर हुआ है। इसमें उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में उन्होंने ही भाजपा नेता डॉ. विश्वनाथ को टिकट देने की सिफारिश की थी। इस मामले में अब खाजूवाला विधायक गोविन्दराम मेघवाल ने आलाकमान तक को शिकायत कर दी है। दरअसल, शुक्रवार को नोखा में शहीद कालूराम मेघवाल के मूर्ति अनावरण कार्यक्रम में डूडी बोल रहे थे। मेघवाल समाज के नेता इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। इस दौरान डूडी ने कहा- एक चुनाव में डॉ. विश्वनाथ मेघवाल का टिकट कट सकता था। उन्होंने

ही भाजपा नेता ओंकार सिंह लखावत से कहा था कि अगर डॉ. विश्वनाथ का टिकट काटा गया तो खाजूवाला से भाजपा को कुछ नहीं मिलने वाला है। इसके बाद डूडी ने डॉ. विश्वनाथ की मंच से जमकर तारीफ भी की। उन्होंने कहा कि डॉ. विश्वनाथ अच्छे इंसान है।

इस बयानबाजी के बाद गोविन्दराम मेघवाल नाराज नजर आ रहे हैं। गोविन्दराम मेघवाल ने कहा- मामले की जानकारी आलाकमान को दी गई है। मेघवाल ने यहां तक कहा- रामेश्वर डूडी न सिर्फ खाजूवाला बल्कि पूरे जिले की सात विधानसभा सीटों पर इसी तरह करते हैं। मेघवाल का कहना है कि उन्हें ज्यादा बोलने के लिए मना किया गया है। इसलिए फिलहाल इस मुद्दे पर इतनी ही बात कहेंगे। रामेश्वर डूडी ने कहा- मैंने सिर्फ डॉ. विश्वनाथ को अच्छा आदमी बताया था। बात तब की है जब खुद गोविन्दराम कांग्रेस में नहीं थे। निर्दलीय चुनाव लड़ रहे थे। बाकी भाजपा वालों ने इस वीडियो को एडिट किया है। मेरे कहने से ही टिकट देते तो मैं जिसे चाहता उसे मेरे सामने खड़ा करवा लेता। भाजपा विधायक बिहारीलाल बिश्नोई भी इस दौरान सभा में उपस्थित थे। इस बारे में डॉ. विश्वनाथ ने कहा- नोखा के कार्यक्रम में हम दोनों एक ही मंच पर थे।

सामान्य तरीके से डूडी ने कहा था। ऐसा नहीं है कि उन्होंने मुझे टिकट दिलवाया था। तब खुद गोविन्दराम तो कांग्रेस में ही नहीं थे। दरअसल, पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी और कैबिनेट मंत्री गोविन्दराम मेघवाल के बीच में पहले भी विवाद रहे हैं। दोनों नोखा विधानसभा में राजनीति करते थे। मेघवाल नोखा से ही विधायक बनकर भाजपा राज में संसदीय सचिव बने थे।

36 घंटे से जयपुर-आगरा हाईवे जाम, लाठियां लेकर पहुंचीं महिलाएं-बच्चे

आंदोलनकारियों ने सड़क पर टेंट में गुजारी रात; नेटबंदी आज रात 12 बजे तक बढ़ाई

भरतपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भरतपुर में आरक्षण की मांग को लेकर माली समाज के लोगों ने हाईवे जाम कर रखा है। महिलाएं और बच्चे भी आंदोलन में शामिल हुए हैं। राजस्थान में आरक्षण की मांग को लेकर एक बार फिर आंदोलन चल रहा है। भरतपुर में 36 घंटे से जयपुर-आगरा हाईवे जाम है। सड़क पर आंदोलनकारियों ने टेंट में रात गुजारीं। रविवार को बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे हाथों में लाठियां लेकर पहुंचे।

माली, सैनी, कुशवाह, शाक्य, मौर्य और काछी समाज के लोगों ने 12 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर अरोदा और बेरी गांव के बीच हाईवे को बंद कर दिया। इधर, संभागीय आयुक्त सांवर मल वर्मा ने नेटबंदी आज रात 12 बजे तक बढ़ा दी है। रविवार दोपहर 1 बजे तक नेशनल हाईवे-21 पर अरोदा गांव के पास बड़ी संख्या में समाज की महिलाएं, युवा और बुजुर्ग हाथों में लाठियां मौजूद हैं। जयपुर या आगरा की ओर से आने वाले किसी भी वाहन को अरोदा गांव से नहीं निकलने दिया जा रहा है। जयपुर से आगरा की तरफ जाने वाले वाहनों को नगर-भरतपुर होते हुए निकाला जा रहा है। वहीं आगरा से जयपुर जाने वाले वाहनों को उच्चैन तिराहे और डेहरा मोड़ से डायवर्ट किया गया है। जबकि भारी वाहनों को उच्चैन तिराहे पर रोक दिया गया है। इससे नेशनल हाईवे पर उच्चैन से वाहनों की लंबी कतार लग गई है। आंदोलन को देखते हुए नेटबंदी रविवार रात 12 बजे तक के लिए बढ़ा दी गई है। नदबई, वैर और भुसावर में नेटबंदी होने के कारण स्टूडेंट्स को काफी परेशानी हो रही है। स्टूडेंट्स की भीड़ ई-मित्रों पर लगी हुई है। इसके अलावा व्यापारी भी परेशान हैं। ऑनलाइन ट्रांजेक्शन बंद होने के कारण व्यापार भी ठप हो गया है। हाईवे पर डटे आंदोलनकारियों ने नेशनल हाईवे पर धूप से बचने के लिए टेंट गाड़ रखा है। शनिवार की रात लगभग 500 आंदोलनकारी टेंट में सड़क पर ही सोये। जिन प्रदर्शनकारियों के घर आसपास हैं वे भोजन करने घर जाते हैं और खाना खाकर लौट आते हैं।

रंधावा के साथ राजस्थान में तीन सचिव लगाए गए : अमृता धवन

वीरेंद्र राठौड़ और काजी निजामुद्दीन को सह प्रभारी सचिव की जिम्मेदारी

जयपुर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के साथ राजस्थान में तीन सह प्रभारी सचिव लगाए हैं। दिल्ली महिला कांग्रेस अध्यक्ष अमृता धवन, गुजरात में सह प्रभारी वीरेंद सिंह राठौड़ और काजी निजामुद्दीन को राजस्थान कांग्रेस के सह प्रभारी सचिव के तौर पर प्रभारी के साथ अटैच किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने नियुक्ति के आदेश जारी किए हैं।

राजस्थान सह प्रभारी सचिव पद से तरूण कुमार को हटा दिया गया है। वीरेंद्र सिंह राठौड़ को गुजरात से राजस्थान की जिम्मेदारी दी गई

है। काजी निजामुद्दीन पिछले चुनावों के समय सह प्रभारी सचिव थे, अब फिर उन्हें जिम्मेदारी दी है। विधानसभा चुनावों से पहले राजस्थान कांग्रेस प्रभारी के साथ लगाई गई तीन सचिवों की टीम पर अब कोऑर्डिनेशन से लेकर चुनावी तैयारियों का जिम्मा रहेगा।

काजी निजामुद्दीन को लगातार दूसरी बार जिम्मेदारी दी गई है। निजामुद्दीन इससे पहले प्रभारी रहे दिवंगत गुरुदास कामत और पूर्व प्रभारी अविनाश पांडे के साथ भी राजस्थान में काम कर चुके हैं। उन्हें गांधी परिवार का करीबी माना जाता है।

कांग्रेस ने राजस्थान में सह प्रभारी सचिव के तौर पर महिला नेता को जिम्मेदारी दी है। राजस्थान में कुमारी शैलजा और अंबिका सोनी प्रभारी रह चुकी हैं, लेकिन हाल के वर्षों में किसी महिला नेता को सह प्रभारी सचिव की जिम्मेदारी नहीं दी गई थी। अमृता धवन दिल्ली से विधानसभा का चुनाव लड़ चुकी हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ की अध्यक्ष रहने के साथ एनएसयूआई की अध्यक्ष रह चुकी हैं। सुखजिंदर सिंह रंधावा को दिसंबर में राजस्थान प्रभारी सचिव की जिम्मेदारी दी गई थी। उनके साथ तरूण कुमार के अलावा सह प्रभारी सचिव नहीं था। अब उन्हें तीन सह प्रभारी सचिवों की टीम मिली है। अब सहप्रभारियों को जिले बांटकर उनके काम का बंटवारा होगा। आम तौर पर तीन सहप्रभारी सचिव लगाए जाते हैं। पिछले चुनावों के समय अविनाश पांडे के प्रभारी रहते हुए देवेंद्र यादव, तरूण कुमार और काजी निजामुद्दीन सहप्रभारी सचिव थे। सह प्रभारी सचिवों को चुनावी साल में जिले बांटकर काम का बंटवारा अब किया जाएगा। नेताओं और कार्यकर्ताओं की शिकायतों को सुनकर प्रभारी तक पहुंचाने।

डॉक्टर्स के बाद स्कूल संचालक करेंगे विरोध

आरटीई के तहत फ्री पढ़ाने वाले दस हजार स्कूल्स को नहीं मिली फीस, 26 को मुख्यमंत्री के सामने करेंगे प्रदर्शन

संचालक अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के समक्ष विरोध प्रदर्श करेंगे। गहलोत 26 अप्रैल को बीकानेर में आ रहे हैं। स्कूल एज्यूकेशन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष कोडाराम भादू ने बताया कि राजस्थान के 10 हजार 465 स्कूल्स को शिक्षा सत्र 2022-23 की फीस अब तक नहीं मिली है। ये हालात तब है जब राज्य सरकार बजट दे चुकी है, फाइनेंस डिपार्टमेंट स्वीकृति दे चुका है। शिक्षा निदेशालय स्तर पर रही लापरवाही के चलते करीब 180 करोड़ रुपए का भुगतान अटका हुआ है। प्राइमरी से जुड़े स्कूल्स को ये भुगतान मिल गया लेकिन सेकंडरी एज्यूकेशन से जुड़े अधिकांश स्कूल भुगतान को तरस रहे हैं। उदयपुर और श्रीगंगानगर के कुछ स्कूल्स को छोड़कर राज्य के अधिकांश स्कूल्स को फीस नहीं मिली है। भादू ने बताया कि उन्होंने इस बारे में शिक्षा निदेशालय से संपर्क किया लेकिन सही जवाब नहीं मिला। इसके बाद जयपुर में फाइनेंस डिपार्टमेंट से संपर्क किया। तब बताया गया कि भुगतान हो चुका है लेकिन स्कूल्स को अब तक नहीं मिला।

इस कारण हो रहा विरोध

मीडिया प्रभारी ने बताया की शिक्षा सत्र 2022- 23 में निशुल्क पढ़ाए गये। विद्यार्थियों के बिल विभाग द्वारा बनाकर ट्रेजरी को भेज दिए गए। ट्रेजरी ने पास करके जयपुर फाइनेंस डिपार्टमेंट को 25 मार्च से पहले ईसीएस के लिए भेज दिए गए। फाइनेंस डिपार्टमेंट ने अब तक ईसीएस नहीं किया है। इस वजह से स्कूलों को भुगतान नहीं हो रहा है। यह भुगतान 31 मार्च से पहले हो जाना चाहिए था। संपूर्ण शिक्षा सत्र बीत चुका है। इसलिए दोनों किस्तों का भुगतान एक साथ होना चाहिए। शिक्षा सत्र 2018-19 व 2019-20 का प्रदेश के हजारों स्कूलों का भूगतान तिथि का बैरियर लगाकर रोका हुआ है।

फायरिंग कर दहशत फैलाने का फरार आरोपी गिरफ्तार

अजमेर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। फायरिंग कर दहशत फैलाने व गाड़ी को टक्कर मारने के मामले में फरार सूर्या गैंग के एक सदस्य आरोपी को बिजयनगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। आरोपी वारदात के बाद से ही फरार था और गंगरार में फरारी काट रहा था। ईद पर घर आया तो पुलिस ने दबिश देकर पकड़ लिया। मुख्य आरोपी की पुलिस तलाश कर रही है। आरोपी खरवा फायरिंग प्रकरण में भी शामिल था। पुलिस के अनुसार, 7 फरवरी 2023 को जसवीर सिंह निवासी खरवा ने रिपोर्ट दी कि उसके परिचित मित्र दीपक दरोगा निवासी विजयनगर के अपहरण की सूचना मिलने पर वह बिजयनगर आया और दीपक को साथ लेकर विजयनगर बाजार में रिपोर्ट टाईप करवा रहा था, इसी दौरान सूचना मिली कि सुरेश गुर्जर जो सुर्या गैंग का मुखिया है ।

अक्षय तृतीया पर अध्यात्म के अवरोहण का संकल्प करें : साध्वी मंगलप्रज्ञा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेरापंथ सभा सिकन्दराबाद के आयोजकत्व में साध्वीश्री डॉ मंगलप्रज्ञा जी की पावन सन्निधि में अक्षय तृतीया पारणा महोत्सव का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। कवाड़ीगुड़ा में उपस्थित जैन श्रावक समाज को सम्बोधित करते हुए साध्वी श्री डॉ मंगल प्रज्ञा जी ने कहा कि अक्षय तृतीया का दिन आनन्द, शांति और शक्ति का त्यौहार है। आदिनाथ भगवान ने प्रथम बार जनता को वीतराग दर्शन का उपदेश दिया। यह ऐतिहासिक त्यौहार सम्पूर्ण जैन समाज को वरदान रूप में प्राप्त हुआ। तप की परम्परा अविच्छिन्न चल रही है।

साध्वी श्री जी ने वर्षीतप का ऐतिहासिक प्रसंग का सांगोपांग विस्तृत वर्णन करते हुए कहा कि ऋषभदेव ने असि, मसि और कृषि का उपदेश दिया। उन्होंने संन्यस्त होने के बाद आध्यात्म का उपदेश दिया। लाखों-लाखों लोगों का उद्धार किया। इतिहास बताता है कि चार हजार लोगों ने भगवान ऋषभ के साथ दीक्षा स्वीकार की। भगवान ने मौन साधना की। साध्वी श्री जी ने परिषद का विशेष प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा- जीवन में मौन का अभ्यास अवश्य करें। महातपस्वी महाश्रमण जी की प्रेरक प्रेरणा है कि हम अनावश्यक न बोलें। किसी के विकास में, कार्य में बाधा डालकर अन्तराय कर्म के आवरण से घिरे नहीं। विकास के लिए सहयोग की भावना प्रस्तुत करते रहे। परिवार और समाज में प्रेमभाव के साथ जीएं। हर व्यक्ति यह संकल्प करें हम किसी के विकास में अन्तराय न डालें।

किसी की जिन्दगी में अवरोध पैदा न करें। साध्वीश्री जीने कहा कि हम भाग्यशाली है जिन्हें भिक्षुशासन, तेरापंथ मिला है। महातपस्वी, जीवन के आधार महातपस्वी महाश्रमण जी का सान्निध्य मिला। हम वीतराग ऋषभ के अनुयायी है। अहंकार त्याग के विषर्जन वर्षीतप करें। तभी अक्षय तृतीया मनाना सार्थक है। साध्वी श्री जी ने कहा साध्वी सुदर्शन प्रभा जी एवं साध्वी चैतन्य प्रभा जी ने वर्षीतप की सानन्द सम्पन किया है। वे साधना-पथ पर निरन्तर बढ़ती रहे। सभी तपावियों ने साहस के साथ वर्षीतप की साधना की है। चतुविध धर्मसंघ मिलकर जिनशासन और भैक्षवशासन की गरिमा बढ़ाएं। साध्वी सुदर्शनप्रभा एवं चैतन्य प्रभा जी ने कहा गुरुशक्ति व्यक्ति को परम तक पहुंचाने वाली होती है। हमारी तपस्या में साध्वी श्री मंगल प्रज्ञा जी की प्रेरणा विशेष सहयोगी बनी है। दोनों साध्वियों ने साध्वीश्री जी के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। साध्वी सिद्धि यशा जी ने वर्षीतप आराधिका साध्वी चैतन्यप्रभा जी एवं साध्वी सुदर्शन प्रभा जी का परिचय प्रस्तुत किया। साध्वी राजुल प्रभा जी ने कहा- प्रकृति की विषम स्थितियों में भी साध्वी द्वय की तपः साधना सानन्द चली, इन्होंने चढ़ते भावों के साथ लक्षित मंजिल को पा लिया। साध्वी सिद्धियशा जी, साध्वी राजुल प्रभा जी एवं साध्वी शौर्यप्रभा जी ने तप की अनुमोदना में गीत का सामूहिक संगान किया। तेरापंथ सभा सिकन्दराबाद के अध्यक्ष बाबुलाल बैद, तेरापंथ युवक परिषद् के अध्यक्ष वीरेन्द्र घोसल, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के अध्यक्ष पंकज संचेती ने सभी तपस्वियों का अभिवादन एवं वर्षीतप करने वालों की अनुमोदना की। किशोर मंडल एवं श्रावकों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया।

केदारनाथ धाम में बारिश-बर्फबारी, 30 अप्रैल तक रजिस्ट्रेशन रुका : सरकार ने जारी की एडवाइजरी

देहरादून, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा शनिवार को अक्षय तृतीया से शुरू हो गई। अगले 5 दिन में हिन्दू तीर्थ यात्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री और गंगोत्री के दर्शन करेंगे। गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट 22 अप्रैल को खुल गए। केदारनाथ धाम के कपाट 25 अप्रैल को और बद्रीनाथ धाम के कपाट 27 अप्रैल को खोले जाएंगे।

यात्रा शुरू होते ही केदारनाथ धाम में रविवार को रुक-रुककर बारिश और बर्फबारी हो रही है। खराब मौसम के कारण हरिद्वार और ऋषिकेश में केदारनाथ यात्रा के लिए तीर्थयात्रियों का रजिस्ट्रेशन 30 अप्रैल तक रोक दिया गया है। राज्य सरकार ने तीर्थयात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। यात्रियों से कहा गया है कि वे धाम जाने से पहले अपने साथ गर्म कपड़े और जरूरी सामान रखें।

इलाज के पुख्ता इंतजाम :

उत्तराखंड के डीजीपी अशोक कुमार ने कहा, शनिवार को केदारनाथ धाम में भारी बर्फबारी हुई थी। तीर्थयात्री सतर्क रहें और मौसम को देखते हुए अपनी यात्रा शुरू करें। सरकार की ओर से कहा गया है कि सभी रास्तों पर

इलाज के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। यात्री तबीयत बिगड़ने पर नजदीकी हेल्थ केंद्र भी जा सकते हैं और डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देश पर स्वास्थ्य सचिव डॉ.आर.के. राजेश कुमार चारधाम यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा ले रहे हैं। इसी कड़ी में स्वास्थ्य सचिव केदारनाथ धाम का दौरा कर विभिन्न स्थानों पर हेल्थ यूनिट्स की जांच की। स्वास्थ्य सचिव डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि चारधाम यात्रा को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने पूरी तैयारी कर ली है।

बीमारी हो तो पहले सूचना देने की अपील :

स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि तीर्थयात्रियों से अपील है कि 55 वर्ष से अधिक उम्र के भक्त यदि शुगर, बीपी, हृदय रोग आदि से पीड़ित हैं तो पहले से बता दें। उन्होंने कहा कि ऐसे श्रद्धालुओं पर हेल्थ सर्विस 104 के माध्यम से नजर रखी जाएगी।

स्वास्थ्य सचिव के मुताबिक इस बार उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के दौरान सरकार का केदारनाथ यात्रा मार्ग पर विशेष फोकस है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को देहरादून में चार धाम यात्रा तीर्थयात्रियों के लिए इलाज की सुविधाओं से लैस वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

सुन्दरकाण्ड पाठ के उपलक्ष्य में बैठक संपन्न

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ द्वारा सुन्दरकाण्ड पाठ के सन्दर्भ में खैरताबाद स्थित केंद्रीय कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बताया गया कि सुन्दरकाण्ड पाठ का आयोजन सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में शाम को 4 बजे से रात 10 बजे तक किया जा रहा है। स्थान की साफ सफाई से लेकर पार्किंग, भक्तों के बैठने, भजन कीर्तन आदि के बारे मे विशेष रूप से चर्चा की गई। इस अवसर पर सत्य प्रकाश सिंह, सुधीर जायसवाल, हरी सिंह, राधे श्याम राय यादव, केबीएन सिंह, आरपी सिंह, के एल श्रीनिवासा राव आदी उपस्थित हुए।

'एक शाम श्री खेतेश्वर दाताजी के नाम' विशाल जागरण कल

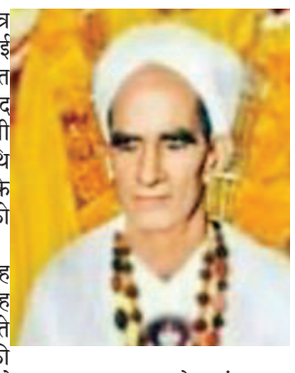

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संगारेड्डी स्थित श्री आई माताजी मंदिर बडेर में आयोजित राजपुरोहित समाज हैदराबाद सिकंदराबाद द्वारा श्री 1008 श्री खेतेश्वर दाताजी की 39वीं पुण्यतिथि (बरसी) महोत्सव समाज बंधुओं के सान्निध्य में 25 अप्रैल मंगलवार को आयोजित किया जाएगा।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में उत्तम सिंह राजपुरोहित नरसापुर व श्रवण सिंह राजपुरोहित संगारेड्डी ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री खेतेश्वर दाताजी की 39वीं पुण्यतिथि (बरसी) महोत्सव के अवसर पर 25 अप्रैल मंगलवार को आयोजित एक शाम श्री खेतेश्वर दाताजी के नाम का भव्य जागरण में भजन सम्राट रविन्द्र सिंह राजपुरोहित एण्ड पार्टी द्वारा भजनों की बौछार करेंगे अवसर पर (बरसी) महोत्सव को लेकर बुधवार 26 अप्रैल को सुबह 11 बजे से श्री आई माताजी बडेर प्रांगण में महाप्रसादि का आयोजन किया जाएगा। अवसर पर कुलदीपसिंह राजपुरोहित ने सभी भक्तगणों से कार्यक्रम का लाभ लेने का आग्रह किया है।

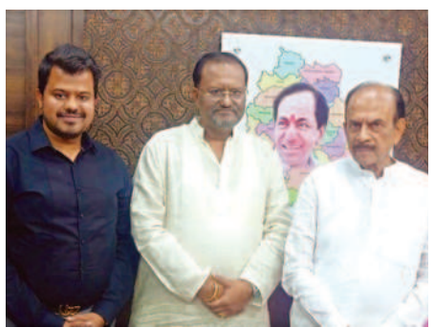

तेलंगाना के गृहमंत्री मोहम्मद महमूद अली से भेंटकर उन्हें रमजान की बधाई देते हुए पहाडी श्याम मंदिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया व ऋषभ डाकोतिया।

पेट्रोल पंप पर बस में लगी आग

जलती हालत में भागा ड्राइवर, कंडक्टर बस को 200 मीटर दूर तक ले गया

इंदौर, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में पेट्रोल पंप पर डीजल डलवाने के दौरान बस के टैंक में अचानक आग लग गई। जिससे वहां खड़ा बस ड्राइवर बुरी तरह झुलस गया। आग लगते ही वह पेट्रोल पंप से दूर भागा। कडक्टर ने सूझबूझ दिखाते हुए फौरन यात्रियों को बस से उतरने के लिए आवाज लगाई। वह बस को जलती हालत में पेट्रोल पंप से करीब 200 मीटर दूर तक ले गया। इस दौरान कंडक्टर भी झुलस गया। बस पूरी तरह से जलकर खाक हो गई।

ये बस रविवार दोपहर को हरदा से इंदौर आई थी। ड्राइवर कपिल और कंडक्टर रामकृष्ण को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ड्राइवर कपिल करीब 40 प्रतिशत जल गया है।

भंवरकुआ पुलिस के मुताबिक घटना चितावद रोड से नवलखा के बीच की है। यहां दोपहर करीब 2.30 बजे इंडियन पेट्रोल पंप पर यादव ट्रेवल्स की बस में डीजल डलवाया जा रहा था। इसी समय हादसा हो गया।

बस कंडक्टर रामकृष्ण की सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। आग लगने के बाद उसने बस में सवार यात्रियों को नीचे उतरने को कहा। फिर बस को स्टार्ट कर पेट्रोल पंप से दूर ले गया। यहां तक पहुंचते ही बस से आग की लपटें उठने लगी। जिसके बाद वह भी बस से नीचे उतर गया। देखते ही देखते बस पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में कंडक्टर रामकृष्ण का चेहरा और हाथ जले हैं।

व्यवसायिक हिंदी : वर्तमान संदर्भ में विषय पर चर्चा की गयी

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 580वीं मासिक गोष्ठी का आयोजन नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में कवयित्री सुधा ठाकुर की अध्यक्षता और कवि गोविंद अक्षय के संचालन में साहित्यिक एवं सारगर्भित वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर हिंदी और तेलुगु के सुप्रसिद्ध अनुवादक जी. परमेश्वर विशेष अतिथि थे। गोष्ठी में कर्मचारी राज्य जीवन बीमा निगम हैदराबाद से सेवानिवृत्त वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ठाकुर दिनेश सिंह ने व्यवसायिक हिंदी : वर्तमान संदर्भ में लेख प्रस्तुत किया।

विशेष अतिथि जी. परमेश्वर ने कहा कि आज देश में हिंदी भाषा की क्या स्थिति है उसे हम अच्छी तरह जानते हैं। डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने कहा कि हिंदी का प्रचार-प्रसार करना हम सबका उत्तरदायित्व है। अध्यक्षीय टिप्पणी में श्रीमती सुधा ठाकुर ने कहा कि भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी का विकास हो। सरकार निरंतर हिंदी को प्रोत्साहित कर रही है। देश में संस्कृत पढ़ने-पढ़ाने की व्यवस्था और भी होनी चाहिए। हिंदी का विकास हम ही कर सकते हैं। इस अवसर पर हास्य व्यंग्य के वरिष्ठ कवि सुरेश गुगलिया की अध्यक्षता में एक कवि गोष्ठी भी संपन्न हुई।

सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में आयोजित तपस्वियों के वर्षीतप पारणा कार्यक्रम में तपस्वियों का अभिनंनदन करते हुए एसएलजे ज्वैलर्स के गौतम सेहलोत, डॉ. घीसुलाल जैन, अशोक मुथा, विनोद संचेती व अन्य।

रविवार को जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने गांधी भवन पटेल नगर स्थित भूलक्ष्मी अम्मावरी मंदिर के लिए 1,01000 रुपये दान दिये। कार्यक्रम में उपस्थित हैं श्रीमती अंजनमा, महेश, वेंकटेश, जे. रामास्वामी, विट्ठल, शेखर, के. रेणुका, जे. अरुण, वीरेश, पवन, कन्ना, अनिल, उदय, अनिल, रामकृष्णा व अन्य।

डॉ. पवन अग्रवाल का सम्मान किया गया

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय प्रेरक वक्ता, लेखक और शिक्षाविद, गिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड में नामदर्ज करने वाला डॉ. पवन अग्रवाल का अग्रवाल समाज, तेलंगाना के राघव रत्ना स्थित कार्यालय में सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समाज के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी, मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता, संयुक्त मंत्री सतीश अग्रवाल, केएस सदस्य संतोष टाटिया, लाडली मोहन धानुका, मुकेश केडिया, उदय गुप्ता, आनंद अग्रवाल, अशोक डाणी (अग्रमंजूषा संपादक), राजेश अग्रवाल, दीपा अग्रवाल, सुमन

चारधाम यात्रा समूह के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें संतोष जायसवाल ने बताया कि यह यात्रा 3 मई को एसवी टूर्स एंड ट्रेवल्स मूसारामबाग से रवाना होगी।

राजपूत परिचय सभा आयोजित

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीजे यूपी राजपूत सेवा संघ हैदराबाद, तेलगाना का राजपूत परिचय सभा कमेटी अध्यक्ष एचएस चौहान की अध्यक्षता में गीता फंक्शन हॉल, आरके पुरम, सिकंदराबाद में संपन्न हुआ। सभा में मुख्य अतिथि के रूप में बीजेपी के सीनियर नेता गोपू रमन्ना रेड्डी ने भाग लिया।

इसमें कमेटी के अन्य सदस्य उपाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, महासचिव धनंजय सिंह, कोषाध्यक्ष एमबी सिंह, संयुक्त सचिव अविनाश सिंह और अनुशासनिक अध्यक्ष डीके सिंह भी उपस्थित थे। सभा में हर एरिया से लगभग 150 राजपूत समाज के लोगों ने भाग लिया। इसमें राजपूत समाज को आपस में एकजुट रहना, शादी विवाह करना और एक दूसरे के दुख सुख में काम आना पर विशेष जोर दिया गया। अंत में सभा के अध्यक्ष एचएस चौहान ने सभी के प्रति आभार जताया।

आर्यवीर दल युवक निर्माण शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आर्यवीर दल तेलंगाना और आर्य समाज मेडिबावि व्यासनगर के संयुक्त तत्वावधान में युवक निर्माण शिविर का आयोजन आर्य समाज मंदिर व्यास नगर में किया गया है। सार्वदेशिक आर्यवीर दल दिल्ली के अध्यक्ष स्वामी देवव्रत सरस्वती ने युवक निर्माण शिविर का विधिपूर्वक ध्वजारोहण के साथ उद्घाटन किया है। प्रान्तीय संचालन डॉ.धर्मतेज ने जानकारी देते हुए कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर 30 अप्रैल तक प्रतिदिन प्रातः 4:30 से प्रारंभ होकर रात्रि 9:30 तक प्रशिक्षण की कक्षाओं का आयोजन किया गया है। इस प्रशिक्षण में व्यायाम, लाठी चलाना, योगाभ्यास, जूडों-कराटे, स्थूप निर्माण, मलखम, रस्सीकूद, वेद मन्त्रोच्चारण, श्लोकों का पठन-पाठन, आध्यात्मिक, धार्मिक एवं नैतिकता का प्रशिक्षण दिया जायेगा।

शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए स्वामी देवव्रत सरस्वती ने कहा कि आर्यवीर दल का उद्देश्य- संस्कृति की रक्षा, शक्ति संचयन और सेवा कार्य है। जिसके माध्यम से नौजवानों में सामाजिक और चारित्रिक उन्नति कर समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। शिविरार्थियों को प्रशिक्षण देने के लिए दिल्ली से रूपेन्दर और हर्षवर्धन पधारे हैं। आर्य समाज मेडिबावी के अध्यक्ष ओम.आर.रविन्दर ने सूचना दी कि शिविरार्थियों के लिए आवास एवं भोजन की व्यवस्था उचित रूप से आयोजित किया गया है। इस अवसर पर आर्यवीरदल और आर्य समाज के विभिन्न पदाधिकारी धर्मराल आर्य, यश्वन्त, भानुप्रकाश, जयराज, वेदसिन्धु, एल्लय्या, राजू, किरण, श्रवण और नगरद्वय के आर्यसमाजी उपस्थित थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

अमृतपाल 36 दिन...

इस बार रोडे गांव के गुरुद्वारे में अमृतपाल की मौजूदगी की सूचना मिलने पर अमृतसर रूरल के एसएसपी सतिंदर सिंह और पंजाब पुलिस इंटेलिजेंस के आईजी रविवार सुबह ही वहां पहुंच गए। सादी वर्दी में पहुंची पुलिस टीम ने अल सुबह अमृतपाल को गिरफ्तार कर लिया।

तीन दिन पहले अमृतपाल की पत्नी को एयरपोर्ट पर रोका :

अमृतपाल की एनआरआई पत्नी किरणदीप कौर को 20 अप्रैल को ही अमृतसर एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने रोक लिया था। वह लंदन जा रही थी। अमृतसर के गुरु रामदास इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर किरणदीप कौर से 3 घंटे तक पूछताछ चली। इसके बाद किरणदीप कौर को वापस जल्लूपुर खेड़ा गांव भेज दिया गया था जो अमृतपाल का पैतृक गांव है।

155 देशों के ...

संजय निषाद बोले, निषाद समाज रावण राज्य को खत्म करने में जुटा :

कैबिनेट मंत्री संजय निषाद ने कहा, श्रृंगवेरपुर को पर्यटन केंद्र बनाने का प्रयास हो रहा है। इजराइल की लाइब्रेरी में यह पढ़ने को मिला कि राम के ईश्वर रूप का निषादराज ने सबसे पहले अनुभव किया था। अब पूरे देश में निषाद मछुआरों की सेना तैयार करके रावण राज्य खत्म करने में जुटा हूं।

मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि 5 अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी ने भूमि पूजन किया था। तब 1000 स्थानों से जल व रज गर्भगृह को समर्पित हुआ। आज जिन्होंने जल भेजा है, उन्हें ट्रस्ट के संतों की तरफ से सम्मान। यह आयोजन इटरनेशनल हिस्ट्री है।

जैन मुनि लोकेश बोले, अक्षय तृतीया से भगवान ऋषभ देव का गहरा संबंध :

जैन मुनि लोकेश ने कहा कि राम का भव्य मंदिर बन रहा है। अक्षय तृतीया से भगवान ऋषभ देव का गहरा संबंध है। मेरा सौभाग्य है कि यहां शामिल होने आया हूं। जो भगवान ऋषभदेव का जैन धर्म में स्थान, वही गौरव श्रीराम का है।

यतींद्रानंद गिरी ने कहा कि औरंगजेब की मजार पर दीपक जलाने वालों को आज भीख मांगनी पड़ रही है। वहीं, तिब्बती संसद के स्पीकर कै. मको सोनम ने कहा कि यह इवेंट सफल है, राम के लिए आस्था बढ़ाने वाला आयोजन है। पूर्व आर्मी चीफ जनरल जेजे सिंह ने कहा कि मैं मानता हूं कि हम सभी इकट्ठा हो जाए, तो हमें कोई जीत नहीं सकता है।

31 महीने में जुटाया जल :

विजय जौली ने बताया, हमारे जलाभिषेक कार्यक्रम के लिए इतने देशों का जल जुटाने के लिए 31 महीने का समय लगा। स्टॉकहोम से आशीष ब्रम्हभट्ट ने कोरोना काल के बाद सबसे पहली विस्तारा की फ्लाइट से जल भेजा। हमने यूक्रेन और रूस के साथ चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से भी जल मंगाया है।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने राजस्थान रॉयल्स को 7 रनों से हराया

बेंगलुरु, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। ग्लेन मैक्सवेल और फाफ डु प्लेसिस की शतकीय साझेदारी के दम पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग-16 के 32वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को 7 रन से हराया। यह बेंगलुरु की राजस्थान पर ओवरऑल 14वीं जीत है। दोनों के बीच अब तक 29 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 12 राजस्थान ने जीते हैं। मौजूदा सीजन की बात करें तो यह बेंगलुरु की 7 मैचों में चौथी जीत है। टीम पॉइंट्स टेबल के 5 नंबर पर है।

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बेंगलुरु की टीम ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन बनाए। जवाब में राजस्थान के बल्लेबाज 20 ओवर में 6 विकेट पर 182 रन ही बना सके।

ऐसे गिरे राजस्थान के विकेट

पहला: पहले ओवर की चौथी बॉल पर सिराज ने बटलर को बोल्ड कर दिया। दूसरा : 12वें ओवर की चौथी बॉल पर डेविड विली ने पड्डीकल को कोहली के हाथों कैच कराया। तीसरा : 14वें ओवर की चौथी बॉल पर हर्षल पटेल ने जायसवाल को कोहली के हाथों कैच कराया। चौथा: 16वें ओवर की दूसरी बॉल पर हर्षल पटेल से संजू सैमसन को शहबाज अहमद के हाथों कैच कराया। शहबाज ने शानदार कैच पकड़ा। पांचवां : 18वें ओवर की 5वीं बॉल पर हेटमायर रनआउट हो गए। छठा : 20वें ओवर की चौथी बॉल पर हर्षल पटेल ने रविचंद्रन अश्विन को सुयश प्रभुदेसाई के हाथों कैच कराया।

शतकीय साझेदारी

रन 127 | बॉल 66

फाफ डु प्लेसिस 52 (30) | ग्लेन मैक्सवेल 65 (36)

जायसवाल-पड्डीकल ने रॉयल्स को संभाला

एक रन पर बटलर का विकेट गंवाने के बाद ओपनर यशस्वी जायसवाल और देवदत्त पड्डीकल ने राजस्थान को पहले झटके से उबारा। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 66 बॉल पर 98 रन की साझेदारी की।

पावरप्ले में धीमे रहे राजस्थानी

190 रन के जवाब में राजस्थान की शुरुआत धीमी रही। टीम ने एक रन के स्कोर पर बटलर का विकेट गंवाया। शुरुआती 6 ओवर में राजस्थानी बल्लेबाज एक विकेट पर 47 रन ही बना सके।

यहां से बेंगलुरु की पारी...

टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए बेंगलुरु ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 189 रन बनाए। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और कप्तान विराट कोहली पहली ही बॉल पर ट्रेंट बोल्ट का शिकार हो गए। फिर टीम ने 12 रन पर शहबाज अहमद का विकेट गंवाया। यहां से ग्लेन मैक्सवेल और फाफ डु प्लेसिस ने शतकीय साझेदारी करते हुए टीम का स्कोर 135 पार पहुंचाया। शेष कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। राजस्थान की ओर से ट्रेंट बोल्ट और संदीप शर्मा ने 2-2 विकेट लिए। रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल को एक-एक विकेट मिला।

ऐसे गिरे बेंगलुरु के विकेट...

पहला: पहले ओवर की पहली बॉल पर ट्रेंट बोल्ट ने विराट कोहली को एलबीडब्ल्यू कराया। दूसरा: तीसरे ओवर की पहली बॉल पर बोल्ट ने शहबाज अहमद को यशस्वी जायसवाल के हाथों कैच कराया। तीसरा: 14वें ओवर की दूसरी बॉल पर यशस्वी जायसवाल ने एक्सट्रा कवर से डायरेक्ट थ्रो मारकर फाफ डु प्लेसिस को रनआउट कर दिया। चौथा: 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर अश्विन ने ग्लेन मैक्सवेल को बैकवर्ड पॉइंट में होल्डर के हाथों कैच कराया। पांचवां : 17वें ओवर की तीसरी बॉल पर युजवेंद्र चहल ने महिपाल लोमरोर को पड्डीकल के हाथों कैच कराया। छठा : 17वें ओवर की 5वीं बॉल पर सुयश प्रभुदेसाई रनआउट हुए। उन्हें यशस्वी जायसवाल और संजू सैमसन ने रनआउट कर दिया। सातवां : 20वें ओवर की पहली बॉल पर वनिंदु हसरंगा रनआउट हो गए। उन्हें संदीप शर्मा और संजू सैमसन ने रनआउट किया। आठवां : 20वें ओवर की दूसरी बॉल पर संदीप शर्मा ने दिनेश कार्तिक को जोस बटलर के हाथों कैच कराया। नौवां : 20वें ओवर की तीसरी बॉल पर संदीप शर्मा ने विजयकुमार वैशाक को हेटमायर के हाथों कैच कराया।

आईपीएल टीमें धरती के 4 चक्कर के बराबर सफर करेंगी

235 घंटे प्लेन में, 52 दिन में टीमें एक लाख 69 हजार 532 किमी सफर करेंगी

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल की 10 टीमों के पूरी लीग के दौरान सफर को देखें, तो सभी टीमें 52 दिन तक चलने वाले टूर्नामेंट में लगभग एक लाख 69 हजार 532 किमी सफर करेंगी। यह दूरी धरती के चार चक्कर और कश्मीर से कन्याकुमारी के 46 चक्कर के बराबर है। इसके लिए टीमें करीब 235 घंटे यानी 10 दिन सिर्फ प्लेन में बिताएंगी..

दिल्ली टीम को 10 मई को चेन्नई के चेपक स्टेडियम में मुकाबले के लिए 2,190 किमी की दूरी नापनी होगी। यह किसी एक मैच के लिए इस लीग की सबसे लंबी दूरी है।

चेन्नई सुपरकिंग्स ने 17 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ कर्नाटक के चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेलने के लिए 336 किमी की ही यात्रा की थी, जो इस लीग में एक मैच के लिए सबसे कम दूरी थी।

लीग के दौरान दो महीने के अंदर हजारों किलोमीटर का सफर तय करने से खिलाड़ियों में इंजरी, थकान और वर्कलोड की परेशानी भी बढ़ने की आशंका रहती है।

59 दिन में 74 मुकाबले होंगे

59 दिन चलने वाले इस टूर्नामेंट में 10 टीमों के बीच कुल 74 मुकाबले खेले जाएंगे। हर एक टीम 14 मैच खेलेगी, 7 अपने घर में और 7 विपक्षी टीम के घर में। 10 टीमों के बीच लीग स्टेज के 70 मुकाबले होंगे। लीग स्टेज के बाद पॉइंट्स टेबल की टॉप-4 टीमें प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई करेंगी।

दिल्ली को सबसे ज्यादा, लखनऊ को सबसे कम दूरी तय करनी है...

टीम	कुल सफर	प्लेन में
दिल्ली कैपिटल्स	20,800	26.25
पंजाब किंग्स	20,295	31.30
कोलकाता नाइटराइडर्स	19,487	26.25
राजस्थान रॉयल्स	17,636	28.50
चेन्नई सुपर किंग्स	16,056	22.00
सनराइजर्स हैदराबाद	16,034	21.50
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	15,102	20.20
गुजरात टाइटंस	15,029	17.50
मुंबई इंडियंस	14,971	20.55
लखनऊ सुपर जाएंट्स	14,127	22.05

नोट : सफर किमी में, प्लेन में समय घंटे में

18 डबल हेडर

टूर्नामेंट में 18 डबल हेडर होंगे, यानी 18 बार एक दिन में 2 मैच होंगे। इस दौरान पहला मैच दोपहर 3:30 बजे और दूसरा मैच शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। 31 मार्च को गुजरात और चेन्नई के बीच पहले मुकाबले के बाद 1 और 2 अप्रैल को दो डबल हेडर होंगे।

एक अप्रैल को पंजाब-कोलकाता के बीच पहला और लखनऊ-दिल्ली के बीच दूसरा मुकाबला होगा। वहीं, 2 अप्रैल को सनराइजर्स-राजस्थान के बीच पहला और बेंगलुरु-मुंबई के बीच दूसरा मुकाबला होगा। 8 अप्रैल और 6 मई को टूर्नामेंट की 2 सबसे सफल टीमें मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच मुकाबले होंगे।

12 शहरों में सभी मैच

टूर्नामेंट के 74 मैच 12 अलग-अलग शहरों में होंगे। IPL टीमों के 10 शहरों के अलावा गुवाहाटी और धर्मशाला में भी मुकाबले होंगे। गुवाहाटी राजस्थान रॉयल्स टीम का और धर्मशाला का स्टेडियम पंजाब का होम ग्राउंड रहेगा। आईपीएल टीमों के 10 शहर मुंबई, चेन्नई, अहमदाबाद, जयपुर, बेंगलुरु, लखनऊ, हैदराबाद, दिल्ली, मोहाली और कोलकाता होंगे।

अर्शदीप ने 20 लाख के 2 स्टंप्स तोड़े - डेविड का 114-मीटर लंबा छक्का

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 13 रन से हरा दिया। शनिवार को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अर्शदीप सिंह ने आखिरी ओवर में 16 रन डिफेंड किए। इसी ओवर में उन्होंने 10-10 लाख रुपए की कीमत वाले 2 एलईडी स्टंप्स तोड़े। टिम डेविड ने 114 मीटर लंबा छक्का लगाया।

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने एक ओवर में 31 रन दिए। सूर्यकुमार यादव फॉर्म में लौटकर 360 डिग्री शॉट्स लगाने लगे। वहीं प्रीति जिंटा और सारा तेंदुलकर मैच देखने पहुंचीं। मैच के ऐसे ही टॉप मोमेंट्स इस खबर में हम जानेंगे। मैच रिपोर्ट पढ़ने के लिए यहां क्लिक करें...

1. अर्जुन ने फेंका 31 रन का ओवर

सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन ने आईपीएल में मुंबई के लिए लगातार तीसरा मैच खेला। शुरुआती 2 ओवरों में कम रन देने के बाद उनका तीसरा ओवर महंगा साबित हुआ। उन्होंने पारी के 16वें ओवर में 31 रन दिए। सैम करन और हरप्रीत भाटिया ने उनके ओवर में 2 छक्के और 4 चौके लगाए। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल के इस सीजन में सबसे महंगा ओवर फेंकने का रिकॉर्ड हासिल किया। उन्होंने गुजरात टाइटंस के यश दयाल की बराबरी की। यश ने कोलकाता के खिलाफ 31 रन ही दिए थे।

अर्जुन ने इसी ओवर में हरप्रीत के सिर पर हाई फुल-टॉस भी फेंकी। जिसे अंपायर ने नो-बॉल करार दिया। बॉल सीधे हरप्रीत के हेलमेट पर लगी थी। अर्जुन ने अपने स्पेल के दूसरे ओवर में शानदार यॉर्कर फेंक कर प्रभसिमरन सिंह को LBW भी किया था, लेकिन 31 रन देने के बाद उन्होंने अपने 3 ओवर का स्पेल 48 रन देकर खत्म किया।

2. जितेश शर्मा ने 7 गेंद में 25 रन बनाए

पंजाब किंग्स ने 15 ओवर में 118 रन के स्कोर पर ही 4 विकेट गंवा दिए थे। लेकिन अर्जुन के ओवर में 16 रन बनाने के बाद टीम ने आखिरी 30 गेंदों पर 96 रन बनाए। इसमें जितेश शर्मा का योगदान भी अहम रहा। उन्होंने अपनी पारी की शुरुआती 2 गेंदों पर ही कैमरून ग्रीन को 2 छक्के लगा दिए।

उन्होंने 20वें ओवर में जेसन बेहरनडॉर्फ को भी 2 छक्के लगाए। इनमें से एक छक्का 104 मीटर लंबा था। जितेश 7 गेंदों में 25 रन बनाकर बेहरनडॉर्फ का ही शिकार हुए, लेकिन अपनी टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचा गए।

3. सूर्या फॉर्म में लौटे, रैम्प शॉट पर छक्का लगाया

मुंबई इंडियंस के स्टार बैटर सूर्यकुमार यादव पंजाब के खिलाफ फॉर्म में लौटे। उन्होंने 26 गेंदों पर 57 रन की पारी खेली। हालांकि वे अपनी टीम को जीत दिलाने से पहले ही कैच आउट हो गए। लेकिन इस पारी में उन्होंने 360 डिग्री एंगल से ग्राउंड के चारों तरफ शॉट्स लगाए। सूर्या ने अपनी पारी में स्कूप और रैम्प शॉट्स से 3 छक्के और 7 चौके लगाए।

4. डेविड ने 114 मीटर लंबा छक्का लगाया

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में पंजाब ने 14 और मुंबई ने 11 छक्के लगाए। इनमें से 4 छक्के से 100 से ज्यादा मीटर की दूरी के रहे। जितेश शर्मा के अलावा पंजाब से लियाम लिविंगस्टोन ने 101 मीटर लंबा छक्का लगाया।

वहीं मुंबई से कैमरून ग्रीन ने 108 और टिम डेविड ने 114 मीटर लंबा छक्का लगाया। डेविड ने पारी के 19वें ओवर में नाथन एलिस की फुल-टॉस पर मिड-विकेट की दिशा में यह शॉट लगाया। डेविड टूर्नामेंट के इस सीजन में सबसे लंबा छक्का लगाने से 2 मीटर दूर रह गए। टूर्नामेंट में सबसे लंबा छक्का लगाने का रिकॉर्ड बेंगलुरु के फाफ डु प्लेसिस के नाम है। उन्होंने 115 मीटर का छक्का लगाया है।

5. अर्शदीप ने 10-10 लाख के 2 स्टंप्स तोड़े

215 रन के टारगेट के सामने मुंबई ने 19 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन बना लिए थे। आखिरी ओवर में 16 रन की जरूरत थी। पंजाब के अर्शदीप सिंह के सामने मुंबई के टिम डेविड और तिलक वर्मा क्रीज पर थे। पहली गेंद पर डेविड ने एक रन लिया, दूसरी गेंद डॉट रही।

तीसरी गेंद अर्शदीप ने फुलर लेंथ यॉर्कर फेंकी, तिलक बोल्ड हो गए। चौथी गेंद भी अर्शदीप ने फुलर लेंथ ही फेंकी, इस बार नेहल वाधेरा बोल्ड हो गए।

दोनों ही बार बैटर्स के मिडिल स्टंप टूट गए। अर्शदीप ने आखिरी 2 गेंदों पर एक ही रन दिया और अपनी टीम को 13 रन से मैच जिता दिया।

आईपीएल में इन दिनों LED स्टंप्स यूज होते हैं। एक स्टंप की कीमत करीब 10 लाख रुपए होती है। अर्शदीप ने लगातार गेंदों पर पर 2 स्टंप्स तोड़े। इस तरह अर्शदीप ने 2 ही गेंदों पर आईपीएल को 20 लाख रुपए का नुकसान करा दिया। उनका ओवर भले ही आईपीएल मैनेजमेंट के लिए का सबसे खर्चिला ओवर रहेगा, लेकिन उन्होंने ओवर में महज 2 ही रन दिए।

6. सारा और प्रीति जिंटा पहुंचीं मैच देखने

सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा भी मुंबई और पंजाब का मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचीं। वहीं पंजाब किंग्स की को-ऑनर प्रीति जिंटा और मुंबई इंडियंस की ऑनर नीता अंबानी भी अपनी-अपनी टीमों को सपोर्ट करने स्टेडियम पहुंचीं।

बाबर आजम को कप्तान के रूप में घोषित किया

मिकी आर्थर ने नजम सेठी से मीटिंग के बाद लिया बड़ा फैसला

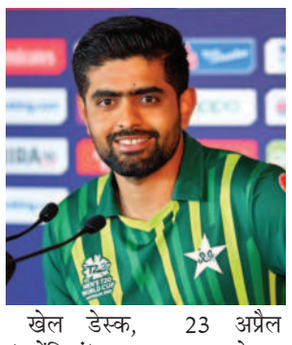

खेल डेस्क, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। बाबर आजम को इस साल के अंत में भारत में होने वाले 2023 विश्व कप तक तीनों प्रारूपों के लिए पाकिस्तान के कप्तान के रूप में घोषित किया जाना तय है।

नई दिल्ली: पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम की कप्तानी को लेकर पिछले दिनों उथल-पुथल की स्थिति रही। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष नजम सेठी ने बाबर को कंडीशनल कैप्टेंसी देने की बात कही थी। उन्होंने कहा था कि जब तक बाबर प्रदर्शन करना जारी रखेंगे, तब तक उनकी कप्तानी बरकरार रहेगी। हालांकि इसके बाद सेठी ने गेंद क्रिकेट निदेशक मिकी आर्थर के पाले में डाल दी थी। अब खबर है कि बाबर आजम को इस साल के अंत में भारत में होने वाले 2023 विश्व कप तक तीनों प्रारूपों के लिए पाकिस्तान के कप्तान के रूप में घोषित किया जाना तय है।

स्टार बल्लेबाज में टीम को सही दिशा में ले जाने की क्षमता

आर्थर हाल ही में पद पर नियुक्ति के लिए पाकिस्तान पहुंचे थे। गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्हें पाकिस्तान के टीम निदेशक के रूप में अपनी जिम्मेदारी संभाली। अपनी यात्रा के दौरान आर्थर ने सेठी के साथ बैठकें कीं, जिसमें उन्होंने बाबर के पक्ष में अपना वोट दिया।

आर्थर ने कहा कि स्टार बल्लेबाज में टीम को सही दिशा में ले जाने की क्षमता है, इसलिए कप्तानी में बदलाव का कोई कारण नहीं है। सीमित ओवरों के प्रारूप में बाबर का कप्तानी का रिकॉर्ड भी अच्छा है। हालांकि, टीम 2022 में उनके नेतृत्व में एक भी घरेलू टेस्ट जीतने में नाकाम रही। इसके बावजूद आर्थर चाहते हैं कि बाबर जुलाई में श्रीलंका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में टीम का नेतृत्व करें।

विकल्प कौन होगा?

पाकिस्तान मीडिया के अनुसार, बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण बिंदु पर चर्चा हुई कि अगर कप्तान बदला जाता है तो विकल्प कौन होगा? उपयुक्त विकल्प पर कोई सहमति नहीं बन सकी, इसलिए यह निर्णय लिया गया कि बाबर 2023 विश्व कप तक कप्तान रहेंगे।

सूत्रों ने आगे कहा कि बैठक के दौरान आर्थर ने सेठी से कहा कि वर्तमान पाकिस्तान टीम में विश्व कप जीतने की क्षमता है, क्योंकि टीम में कई मैच विजेता हैं।

मास्टर ब्लास्टर की 10 बेहतरीन पारियां

जिसे कभी ना भूल पाएंगे भारतीय फैंस

खेल डेस्क, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के महान बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में कई बेहतरीन पारियां खेली है, जिसे भूल पाना फैंस के लिए मुश्किल है।

दुनिया के महान बल्लेबाजों में से एक सचिन तेंदुलकर सोमवार को अपना 50वां जन्मदिन मनाने वाले हैं। 'क्रिकेट के भगवान' का दर्जा पा चुके सचिन तेंदुलकर का जन्म 24 अप्रैल 1973 को मुंबई में हुआ था। क्रिकेट की पिच पर राज करने वाले सचिन को रिटायर हुए लंबा समय हो गया है, लेकिन आज भी उनकी कुछ बेहतरीन पारियां हैं, जिन्हें भारतीय फैंस द्वारा कभी भी भुलाया नहीं जा सकता।

सचिन तेंदुलकर वनडे और टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 30000 से अधिक रन बनाए हैं। क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में इतने रन बनाने वाले वह दुनिया के एकमात्र खिलाड़ी हैं। सचिन तेंदुलकर अपने करियर में हमेशा देश के लिए खेले और कई बार टीम इंडिया को शानदार पारियां खेलकर मैच जिताया।

1. 1992 में ऑस्ट्रेलिया के अपने पहले दौरे पर शतक

19 साल की उम्र में सचिन ने दुनिया की सबसे तेज पिच माने जाने वाली पर्थ की विकेट पर क्रेग मैक्डरमाड और मर्व ह्यूज जैसे घातक गेंदबाजों के सामने एक निडर पारी खेली। ये उनका पहला ऑस्ट्रेलियाई दौरा था लेकिन वे डरे नहीं और शानदार शतक जड़ दिया। सचिन ने 161 गेंदों में 16 चौकों की मदद से 114 रन की शानदार पारी खेली।

2. 1998 में शारजाह में ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को धोया

भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर 1998 में शानदार फॉर्म में थे। उन्होंने 22 अप्रेल 1998 को महज 25 साल की उम्र में अपनी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई बॉलर्स को छकाया था। चिन ने एकतरफ गिरते भारतीय विकेटों के बीच महज 131 गेंदों में 143 रन की जोरदार पारी खेलते हुए भारत को त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल में पहुंचा दिया था।

3. पाकिस्तान के खिलाफ 1999 में पीठ में दर्द के बावजूद जड़ा शतक

सचिन तेंदुलकर अपनी टीम को जिताने के लिए हर परेशानी को झेलने को तैयार रहते थे। उन्होंने 1999 में चेन्नई में खेले जा रहे टेस्ट मैच में पाकिस्तान के खिलाफ 136 रन बनाए थे। इस मैच में वे पीठ के दर्द से जूझ रहे थे। इसके बावजूद वे बल्लेबाजी करने आए और पाकिस्तान की हालत खराब कर दी।

4. साउथ अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन में दमदार पारी

1997 में खेले गए टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के पहली पारी के 529 रन के जवाब में भारतीय टीम 58 रन पर 5 विकेट गंवाकर मुश्किल में थी। इसके बाद सचिन ने मोहम्मद अजहरुद्दीन के साथ मिलकर काउंटर अटैक किया और 222 रनों की साझेदारी की। इसमें तेंदुलकर ने 169 रन बनाए।

5. 2003 में पाकिस्तान को रोमांचक मैच में हराया

2003 में सेंचुरियन में सचिन ने पाकिस्तान के खिलाफ 98 रनों की पारी खेली। सचिन ने एक इंटरव्यू में इसे अपनी बेस्ट पारी बताया है। भारत 273 रनों का पीछा कर रहा था, जब सचिन ने 75 गेंदों पर 98 रन बनाए और टीम को जीत दिलाई थी।

6. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 241 रनों की पारी

सचिन तेंदुलकर ने 2004 में सिडनी टेस्ट में 241 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। सचिन ने मैच में अपने 33 में से 28 चौके और 188 रन सिर्फ लेग साइड से बनाए। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा ने सचिन की इस अनुशासित पारी की जमकर तारीफ की थी।

7. 2003 वर्ल्ड कप में शोएब अख्तर को जमकर धोया

सचिन तेंदुलकर ने 2003 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ 98 रनों की पारी खेली थी। वे शतक से चूक गए थे लेकिन उन्होंने पाकिस्तानी तेज गेंदबाजों की स्टार जोड़ी शोएब अख्तर, वसीम अकरम, वकार यूनिस को जमकर धोया था। सचिन की इस धमाकेदार पारी की बदौलत भारत ने पाकिस्तान को आसानी से 6 विकेट से हरा दिया।

8. बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के निर्णायक मैच में खेली 155 रनों की पारी

1997-1998 में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का निर्णायक मैच था। इस मैच में चेन्नई में सचिन तेंदुलकर ने 155 नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी ने टीम को जीत दिलवाई। सचिन को इसके लिए 'मैन ऑफ द मैच' भी चुना गया था।

9. 2010 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे में बनाए 200 रन, रच दिया इतिहास

सचिन तेंदुलकर ने अपने करियर में कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की है। इसमें से वनडे क्रिकेट में पहला दोहरा शतक का रिकॉर्ड भी शामिल है। चिन की इस पारी से पहले शायद ही किसी ने सोचा होगा कि कोई बल्लेबाज वनडे क्रिकेट में भी दोहरा शतक जमा सकता है। लेकिन सचिन ने ये करिश्मा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कर दिखाया और महज 147 गेंदों में 200 रन की शानदार पारी खेलते हुए वनडे क्रिकेट का पहला दोहरा शतक अपने नाम कर लिया।

10. मैच हार गई टीम, फिर भी जुझारू पारी के चलते सचिन को मिला 'मैन ऑफ द मैच' का अवॉर्ड

2004 में रावलपिंडी में सचिन ने 135 गेंदों पर 141 रनों की पारी खेली थी। इसमें उन्होंने कठिन पिच पर टिक कर रन बनाए थे। मैच भले ही पाकिस्तान 12 रनों से जीत गई थी। लेकिन इसके बावजूद सचिन तेंदुलकर को मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया था।

ज्योति ने देश को दिलाए दो स्वर्ण

मिश्रित टीम के एकल वर्ग में भी किया कमाल

खेल डेस्क, 23 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय जोड़ी एक अंक से विश्व रिकॉर्ड बनाने से चूक गई। ज्योति और 20 वर्षीय देवतले की दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गवाया नहीं तो स्कोर 160 में से 160 होता।

कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए भारत को विश्वकप तीरंदाजी के पहले चरण में दोहरी स्वर्णिम जीत दिला दी। उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के अलावा मिश्रित टीम स्पर्धा में जोड़ीदार ओजस देवतले के साथ भी गोल्ड जीता।पहले उन्होंने 20 साल के ओजस के साथ शनिवार को यहां चीनी ताइपे की टीम को 159-154 से हराकर मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीतकर खाता खोला। दोपहर के सत्र 2021 की विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता ज्योति ने कोलंबिया की सारा लोपेज को 149-146 से हराकर पहली बार स्वर्ण जीता। इसके साथ ही ज्योति ने 2021 में हुई विश्व चैंपियनशिप में कोलंबियाई प्रतिद्वंद्वी से मिली 144-146 की हार का हिसाब भी बराबर कर लिया।

भारतीय जोड़ी एक अंक से विश्व रिकॉर्ड बनाने से चूक गई। ज्योति और 20 वर्षीय देवतले की दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गवाया नहीं तो स्कोर 160 में से 160 होता। ज्योति ने अपने 8 में से 8 तीर परफेक्ट 10 अंकों वाले लगाए लेकिन ओजस एक में चूक और नौ अंक ही ले सके। भारत का मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में यह विश्व कप में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले ज्योति और अभिषेक वर्मा ने पेरिस में 2022 में विश्वकप के तीसरे चरण में स्वर्ण पदक जीता था। राष्ट्रीय ट्रायल्स में टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे वर्मा की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया तथा 16 निशानों में से 15 निशाने सही लगाकर अपनी 12वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदी टीम को एकतरफा फाइनल में आसानी से हराया। ज्योति और देवतले ने लगातार परफेक्ट 10' का स्कोर बनाया और जल्द ही 120-116 से बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भी उन्होंने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखकर आसानी से पहला स्थान हासिल किया।

जिलों में बेमौसम बारिश से हुए नुकसान का जल्द आकलन करें : सीएम

केसीआर ने मुख्य सचिव को जिलाधीशों से बात करने को कहा

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने रविवार को मुख्य सचिव ए. शांति कुमारी को निर्देश दिया कि बेमौसम बारिश से कई जगहों, ख़ासकर चौपडांडी और करीमनगर ग्रामीण मंडलों में हुए नुकसान के आकलन के लिए उपाय शुरू किए जाएं। उन्होंने मुख्य सचिव को बेमौसम बारिश से किसानों की फसल को हुए नुकसान के संबंध में जिलाधिकारियों से बात कर रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

शुक्रवार रात से राज्य के कई इलाकों में आंधी और तेज हवाओं के साथ बेमौसम बारिश हो रही है। कई जगहों पर किसानों द्वारा सुखाने के लिए रखी गई कटी हुई फसल भीग गई। शनिवार दोपहर ओलावृष्टि के कारण सिद्दीपेट, मेदक और अन्य पड़ोसी इलाकों में आम के कई बाग क्षतिग्रस्त हो गए। किसानों द्वारा हुस्नाबाद में मंडियों में लाई गई धान की ढेरियों को क्षतिग्रस्त कर दिया गया, जबकि रैयतों ने फसल को तिरपाल से ढकने की कोशिश की।

महबूबाबाद जिले के कुरुवी, सिरोलू, चिन्ना गुडुरू, मारीमेडा और दंतलापल्ली जैसे कई मंडलों में धान की फसल के लिए तैयार खेत भी बारिश और ओलावृष्टि के कारण क्षतिग्रस्त हो गए। जगतियाल जिले के भीमाराम मंडल के गोविंदाराम में बिजली गिरने से जिले के थोरुर मंडल के एराकुंटा टांडा में एक पोल्ट्री फार्म ढह गया और 20 भेड़ों की मौत हो गई।

महबूबाबाद व जनगांव जिलों में बेमौसम बारिश से फसल फिर बर्बाद

महबूबाबाद/जंगांव, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार और शनिवार को महबूबाबाद और जनगांव दोनों जिलों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हजारों एकड़ में मक्का, धान, आम और अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा है। इस बीच, हनमकोंडा और वारंगल जिलों में शनिवार और रविवार को हुई बारिश ने खड़ी फसलों और धान खरीद केंद्रों (पीपीसी) में रखे धान को भी नुकसान पहुंचाया। कई जगहों पर धान की कटाई की अवस्था तक पहुंचने के कारण किसानों को भारी फसल का नुकसान उठाना पड़ा। इस यासंगी मौसम के दौरान धान पर कीटों और कीड़ों के कई हमलों के कारण किसान पहले से ही कम उपज की उम्मीद कर रहे हैं।

इस बीच, बेमौसम बारिश के साथ आंधी और ओलावृष्टि से धान के खेतों में फसल चौपट हो गई। महबूबाबाद जिले के आठ मंडलों में बारिश हुई। बारिश के कारण कई बिजली के खंभे और पेड़ भी उखड़ गए। महबूबाबाद के जिलाधिकारी के शशांक ने कहा कि मोटे अनुमान के मुताबिक जिले में शुक्रवार रात हुई बारिश से 11,621 एकड़ में लगी फसल को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने कहा कि हमें फसल के नुकसान की सही संख्या जानने के लिए फसल के नुकसान की गणना करने की जरूरत है।

इस बीच, शनिवार को बारिश के कारण जनगांव जिले में 21,559 एकड़ में फसल खराब हो गई। तीन मंडल-बचन्नापेट, जंगांव और रघुनाथपल्ली-बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, जिससे धान, मक्का, आम और अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा है। जहां 20320 एकड़ में धान को नुकसान हुआ है, वहीं 1232 एकड़ में आम को नुकसान हुआ है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक 42 गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से कुल 9827 किसान प्रभावित हुए हैं। जिला कलेक्टर सी. शिवलिंगैया ने राजस्व, कृषि और अन्य अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लेने के लिए पेड्डापहाड़ और वडलाकोंडा गांवों का दौरा किया है।

इस साल मार्च में, पूर्ववर्ती वारंगल जिले में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से 74,797 किसानों के स्वामित्व वाली कुल 85,670 एकड़ में फसलों को नुकसान पहुंचा है। राज्य सरकार ने भी कुछ दिन पहले मुआवजे के लिए 85.67 करोड़ रुपये जारी किए।

पुलिस शी टीम ने हयातनगर में बाल विवाह रोका

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस शी टीम ने एक बाल विवाह को टाल दिया है और रविवार को हयातनगर से एक नाबालिग लड़की को बचाया है। हयातनगर के साईनगर की नाबालिग लड़की के माता-पिता ने उसकी शादी पड़ोस के गांव के एक युवक से तय कर दी थी।

शी-टीम को जानकारी मिली कि दुल्हा और दुल्हन पक्ष के बुजुर्गों ने शादी तय कर दी है। टीम ने उनके घरों का दौरा किया और कम उम्र में शादी करने के नकारात्मक प्रभावों पर परिवारों को सलाह दी। समझाने पर परिवार वालों ने शादी तोड़ने का फैसला किया।

राचकोंडा पुलिस आयुक्त, डीएस चौहान ने शी टीम्स के काम की सराहना करते हुए नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे बाल विवाह को प्रोत्साहित न करें क्योंकि यह एक अपराध है। इस पर पुजारी, शादी के निमंत्रण मुद्रक, बुजुर्ग और शादी के समर्थक और बच्चे के माता-पिता को जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नागरिक डायल 100 सुविधा या राचकोंडा पुलिस व्हाट्सएप नंबर - 9490617111 पर बाल विवाह की रिपोर्ट कर सकते हैं।

ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को तेलंगाना सरकार देगी मुआवजा : गंगुला

मंत्री ने किया करीमनगर ग्रामीण मंडल में क्षतिग्रस्त फसलों का निरीक्षण

करीमनगर, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्ववर्ती करीमनगर जिले में तेज हवाओं के साथ हुई ओलावृष्टि ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। करीमनगर, जगतियाल, पेद्दापल्ली और राजन्ना-सिरसिला जिले के कई हिस्सों में गुरुवार रात और शनिवार शाम हुई बेमौसम बारिश से संपत्ति के नुकसान के अलावा खड़ी फसलें भी प्रभावित हुईं। कटाई के लिए तैयार धान की फसल जहां गिर गई, वहीं धान खरीदी केंद्रों पर रखी कटी फसल बारिश में भीग गई। आम उत्पादक भी बहुत चिंतित हैं क्योंकि कथित तौर पर 50 प्रतिशत फसल खराब हो रही है। बीसी कल्याण और नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने अधिकारियों के साथ रविवार को करीमनगर ग्रामीण मंडल के चमनपल्ली, बहादुरखानपेट और ताहीरकोंडापुर में क्षतिग्रस्त धान की फसलों का निरीक्षण किया।

किसानों के साथ बातचीत करते हुए, मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार क्षतिग्रस्त फसलों के लिए मुआवजा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि ताजा ओलावृष्टि कृषक समुदाय के लिए एक बड़ा झटका है, जिसकी पहले की ओलावृष्टि में 20 से 30 प्रतिशत फसल बर्बाद हो चुकी है।

चौपड़ंडी, गंगाधारा और हुजुराबाद मंडलों में धान की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई। करीमनगर ग्रामीण मंडल के चमनपल्ली, बहादुरखानपेट, ताहीरकोंडापुर, जुबलीनगर, चेरलाबुतकुर और मुगदुमपुर में 5,000 एकड़ में फैली फसल को नुकसान पहुंचा है। पीपीसी में भीगने वाले धान के बारे में बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि इसे पारबोल्ड श्रेणी के तहत खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि फसल क्षति का विवरण तीन दिनों के भीतर राज्य सरकार को भेजा जाएगा।

आपात स्थिति से निपटने के लिए जीएचएमसी ने कसी कमर

चार मोबाइल नियंत्रण कक्ष स्थापित करने की योजना

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चार उन्नत और अच्छी तरह से सुसज्जित मोबाइल नियंत्रण कक्ष जल्द ही जीएचएमसी के प्रवर्तन सतर्कता और आपदा प्रबंधन निदेशालय (ईवी एंड डीएम) के वाहनों के बेड़े में शामिल हो जाएंगे और इनका उपयोग आग दुर्घटना, बाढ़, इमारत गिरने आदि के दौरान किया जाएगा। इन मोबाइल नियंत्रण कक्षों को ट्रकों में एक माउंटेड कैमरे के साथ स्थापित किया जाएगा और स्क्रीन, वाईफाई, एक अंतर-विभागीय संचार नेटवर्क, ड्रोन और बचाव कार्यों में उपयोग की जाने वाली उन्नत मशीनरी से लैस किया जाएगा।

किसी आपदा की स्थिति में, इस वाहन को घटनास्थल पर ले जाया जाएगा और ड्रोन का उपयोग करते हुए दृश्य कैप्चर किए जाएंगे और इसे मोबाइल कंट्रोल रूम की स्क्रीन पर प्रदर्शित किया जाएगा।

इस पहल के माध्यम से, ईवी एंड डीएम ने युद्ध स्तर पर बचाव कार्यों को अंजाम देने की योजना बनाई है। एक अन्य प्रमुख विशेषता जो इन वाहनों में शामिल की जाएगी वह राज्य सरकार के विभागों विशेष रूप से बचाव कार्यों में शामिल विभागों के बीच बेहतर समन्वय के लिए अंतर-विभागीय संचार नेटवर्क है। आपात स्थिति के दौरान, पुलिस सहित विभिन्न लाइन विभागों के अधिकारी अपने-अपने वेरी हाई फ्रीक्वेंसी (वीएचएफ) उपकरणों से लैस मोबाइल कंट्रोल रूम में होंगे जो मौके पर पहुंचे हैं।

तेलंगाना राज्य आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा, पुलिस (कानून और व्यवस्था और यातायात) और जीएचएमसी के आपदा प्रतिक्रिया बल आदि के तैनात अधिकारी बचाव कार्यों का समन्वय और निष्पादन करेंगे। जीएचएमसी के एक अधिकारी ने कहा, यह समन्वय बचाव कार्यों में और मूल्यवान जीवन बचाने में एक गेम चेंजर होगा। उन्होंने कहा कि मोबाइल कंट्रोल रूम आपदा प्रतिक्रिया बल (डीआरएफ) को तलाशी अभियान के बारे में अपडेट करेगा और ट्रैफिक पुलिस को वहां जाने वाली एंबुलेंस की आवाजाही के बारे में सूचित किया जा सकता है।

वाहन आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक नवीनतम साज-सामान से लैस होंगे और इसमें उन्नत मशीनरी शामिल होगी जो इमारत गिरने की घटनाओं में लगाए जाने पर बड़े स्लैब वाले हिस्से को उठा सकती है। जीएचएमसी, जो देश का पहला ऐसा नगर निकाय है, जिसके पास एक विशेष आपदा प्रतिक्रिया बल है, मोबाइल नियंत्रण कक्ष तैनात करने वाला भी पहला निकाय बन जाएगा।

ईवी एंड डीएम नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री केटी रामा राव और इसकी इकाई, डीआरएफ के दिमाग की उपज है, जो हैदराबाद में विशेष रूप से भारी बारिश और अन्य अप्रिय घटनाओं के दौरान बहुमूल्य राहत अभियान प्रदान करने में लगी हुई है।

तेलंगाना के मेडिकल छात्र की फिलीपींस में मौत

यदाद्री-भोंगिर, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के एक मेडिकल छात्र, गुडूर मणिकांत रेड्डी (21) फिलीपींस के दावाओ में मृत पाया गया। रविवार सुबह 6 बजे उसके माता-पिता को इसकी सूचना मिली। मणिकांत रेड्डी फिलीपींस के दवाओ मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस द्वितीय वर्ष का छात्र था। वह जिले के भूदान पोचमपल्ली के रामलिंगमपल्ली के मूल निवासी राम रेड्डी और राधा के पुत्र थे। उनके माता-पिता के अनुसार, उनके बेटे की मौत के कारणों पर अलग-अलग बातें सुनी गईं। एक संस्करण के अनुसार, कल रात भारी बारिश के कारण छात्रावास की इमारत की सीढ़ियों पर फिसलने के बाद एक खुली जल निकासी नहर में गिरने से मणिकांत रेड्डी की मृत्यु हो गई। दूसरा संस्करण यह था कि मणिकांत एक मोटरसाइकिल पर यात्रा करते समय एक दुर्घटना का शिकार हुए और जल निकासी नहर में गिर गए। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

तेलंगाना में स्कूली छात्रों के लिए गर्मी की छुट्टी कल से

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न प्रबंधनों-सरकारी, आवासीय निजी सहायता प्राप्त और गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए ग्रीष्मकालीन अवकाश इस मंगलवार से शुरू होगा। छुट्टी 25 अप्रैल से 11 जून तक होगी और अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए 12 जून को स्कूल फिर से खुलेंगे। स्कूलों ने पहले ही अंतिम परीक्षा पूरी कर ली है और 24 अप्रैल अंतिम कार्य दिवस होगा। इस संदर्भ में, स्कूलों ने सभी अभिभावकों को निमंत्रण भेजकर सोमवार को होने वाली अभिभावक-शिक्षक बैठक में भाग लेने के लिए कहा है। अगले शैक्षणिक वर्ष की शुरुआत से पहले, स्कूल शिक्षा विभाग 1 जून से सरकारी स्कूलों में बड़ी-बता (प्रवेश अभियान) शुरू करने का इरादा रखता है। सरकारी स्कूल के शिक्षकों को अपने संबंधित स्कूलों में बच्चों के नामांकन का काम सौंपा जाता है। विभाग ग्रीष्मावकाश के दौरान माना ओरू-मन बाड़ी कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों को पूरा करने की भी योजना बना रहा है।

आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में भारी बारिश, लू से मिली राहत

अमरावती, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से अत्यधिक लू रिकॉर्ड करने के बाद, राज्य के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के कारणआंध्र प्रदेशके तापमान में गिरावट आई थी। आंध्र प्रदेश के भारतीय मेट्रोलॉजिकल विभाग ने कहा कि 23 अप्रैल को उत्तर तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश में भारी वर्षा हुई।

एनसीएपी, यानम और एससीएपी में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा हुई। एनसीएपी और यनम, एससीएपी और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरी। एनसीएपी और यानम, एससीएपी और रायलसीमा के अलग-अलग स्थानों पर 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चली।

कृष्णा और एनटीआर जिलों में मध्यम से बहुत भारी बारिश हुई। रायलसीमा, अनकापल्ली, विशाखापत्तनम के बाहरी इलाके, विजयनगरम, पलनाडु, गुंटूर, तिरुपति, प्रकाशम, और पार्वतीपुरम मान्यम जैसे अन्य जिलों में भी गरज के साथ बारिश हुई।

शुरुआती घंटों में, पूर्वी गोदावरी, काकीनाडा और कोनासीमा में भारी तूफान आया। काकीनाडा शहरमें 21 मिमी वर्षा दर्ज की जाती है, और राजमंड्री में 30 मिमी वर्षा दर्ज की जाती है। हालांकि, आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अगले तीन दिनों तक बारिश की भविष्यवाणी की है। प्राधिकरण के

प्रेमी ने खौलता हुआ तेल डाला, छात्रा घायल

अमरावती, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के काकीनाडा में जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू) की एक छात्रा, एलुरु जिले में अपने घर के एक कमरे में बंद करके कथित तौर पर लड़की के हाथों और पैरों पर खौलता हुआ तेल डालने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गई है। पीड़िता के रविवार तड़के भाग जाने और पुलिस में शिकायत दर्ज कराने के बाद चौंकाने वाली घटना सामने आई। उसे एलुरु के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार पीड़िता इंजीनियरिंग तृतीय वर्ष की छात्रा है। एलुरु निवासी लड़की को दुग्गीराला निवासी अनुदीप ने प्रेमजाल में फंसा लिया था। उसने उससे शादी करने का वादा किया था। पांच दिन पहले अनुदीप बच्ची को दुग्गीराला स्थित अपने घर ले गया था।

उसने उसे एक कमरे में बंद कर दिया, जहां वह उसे प्रताड़ित कर रहा था। उसने उसे जान से मारने की धमकी दी थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसने आधी रात के बाद फांसी लगाकर उसकी हत्या करने की योजना बनाई थी। हालांकि, वह भागने में सफल रही और अपने घर पहुंच गई। उसने अपने माता-पिता की मदद से शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार चल रहे अनुदीप की तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी गांजा और अन्य नशीले पदार्थों का आदी था और कथित तौर पर प्यार के नाम पर कई लड़कियों को धोखा दे चुका था।

युवती ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अपने परिवार की आर्थिक स्थिति और अपने स्वास्थ्य को लेकर कथित रूप से परेशान एक युवती ने शनिवार रात अलवाल में आत्मदाह कर आत्महत्या कर ली। पीड़िता, जी.पद्मा (28), एक निजी कर्मचारी, अपने परिवार के साथ अलवाल के अंबेडकर नगरमें किराए के मकान में रह रही थी।

पुलिस ने कहा कि पद्मा परेशान थी कि उसकी कमाई कुछ स्वास्थ्य समस्याओं के अलावा खर्चों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। नतीजतन, परिवार आर्थिक रूप से कठिन दौर से गुजर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह ज्यादातर वक्त अकेले ही बिता रही थीं।

बसवेश्वर प्रथम क्रांतिकारी सैनिक थे : जगदीश

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि महात्मा बसवेश्वर पहले क्रांतिकारी सैनिक थे, जिन्होंने जाति, धर्म और रंग व्यवस्था को खत्म करने के लिए लामबंदी की। इसके अलावा उन्होंने बिना लैंगिक भेदभाव के समाज के निर्माण के लिए क्रांति करने वाले क्रांतिकारी के रूप में बसवेश्वर की प्रशंसा की। महात्मा बसवेश्वर की 890वीं जयंती मनाने के लिए सूर्यापेट जिला कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जयंती समारोह में मंत्री जगदीश रेड्डी मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कलेक्टर वेंकटराव और जिला अपर कलेक्टर मोहन राव, डीआरओ राजेंद्र कुमार, लिंगायत लिंग बलीजा संगम के अध्यक्ष सचिव वाई. चंद्रशेखर, शेखर, नेता एसएस सोमैया, डी. श्रीनिवास और अन्य ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस मौके पर हुई बैठक में मंत्री जगदीश रेड्डी ने कहा कि बसवेश्वरा ने 800 साल पहले ऐसे व्यवसायों में वर्ण व्यवस्था को जोड़ने पर आपत्ति जताई थी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पहले से ही व्याप्त अंधविश्वास व्यवस्था के खिलाफ एक आंदोलन चल रहा था। लिंगायत लिंग बलीजा संगम के अनुरोध पर, मंत्री जगदीश रेड्डी ने घोषणा की कि बसवेश्वर की प्रतिमा को सूर्यपेट जिला केंद्र में बसवेश्वर के भवन के परिसर में स्थापित किया जाएगा।

आवश्यक वस्तुओं की बढती कीमतों को नियंत्रण करने में केंद्र विफल : केटीआर

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आवश्यक वस्तुओं की आसमान छूती कीमतों को नियंत्रित करने में विफल रहने और कॉर्पोरेट दिग्गजों के कल्याण के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिएभाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की आलोचना करते हुए, उद्योग मंत्री केटी रामाराव ने कहा कि लोगों को एहसास हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कॉर्पोरेट मित्रों के लिए प्राथमिकता की सूची में शीर्ष पर है और राष्ट्र बाद में है। उद्योग मंत्री ने बढ़ती महंगाई को दूर करने में भाजपा सरकार की लापरवाही और दूरदर्शिता की कमी के लिए उसकी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि दालों और खाद्य तेलों सहित आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हुई है और इसलिए ईंधन और घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतें भी बढ़ी हैं। भाजपा सरकार की नाकामियों, खासकर बढ़ते कर्ज पर सवाल उठाने वाले एक शख्स का वीडियो शेयर करते हुए उद्योग मंत्री ने ट्वीट किया कि एक आम आदमी प्रधानमंत्री की तरजीही सूची में आम लोगों को दिए गए महत्व पर सवाल उठा रहा है। उन्होंने कहा कि जहां भाजपा सरकार ने आम लोगों, विशेषकर महिलाओं की पीड़ा पर आंखें मूंद रखी हैं, वहीं केंद्र का लक्ष्य अडानी समूह को तरजीह के आधार पर समर्थन देना है।

प्रधानमंत्री की प्राथमिकताओं पर कटाक्ष करते हुए मंत्री ने आगे ट्वीट किया कि यह सब देश के कल्याण के लिए नहीं बल्कि चंद कॉरपोरेट दिग्गजों के लिए किया जा रहा है। आम जनता की गाढ़ी कमाई का सारा पैसा कारपोरेट कंपनियों को दिया जा रहा है।

ब्रह्मोत्सवम : एमएलसी मधुसूदन चारी ने भद्रकाली मंदिर का दौरा किया

वारंगल, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता और एमएलसी सिरिकोंडा मधुसूदन चारी ने विश्वब्राह्मण/विश्वकर्मा संघ के नेताओं के साथ रविवार को यहां ब्रह्मोत्सवम के तहत भद्रकाली मंदिर का दौरा किया और पूजा-अर्चना की। जैसा कि विभिन्न सामुदायिक संघ उत्सव के दौरान मंदिर में सेवा कार्यक्रमों को प्रायोजित करते हैं, विश्वब्राह्मण समुदाय, जिससे मधुसूदन चारी संबंधित हैं, ने रविवार को सेवा को प्रायोजित किया। जहां अंकुरार्पण शनिवार को शुरू हुआ, वहीं द्वाजारोहणम रविवार को आयोजित किया गया। देवी भद्रकाली को पर्वतराजकुमारी (माहेश्वरी) के रूप में सजाया गया था और सुबह वृषभ वाहनम पर ले जाया गया था, जबकि उन्हें मृगवाहिनी के रूप में सजाया गया और मृग वाहनम पर ले जाया गया। राज्य विश्वब्राह्मण राज्य मानद अध्यक्ष एल वेंकटाचार्य, प्रोफेसर टी. गौरीशंकर, प्रोफेसर के विजयबाबू, डॉ विष्णुवर्धन पोदिचेती और अन्य ने भी मंदिर का दौरा किया।

आंध्र सरकार ने धान खरीद बैग की सीमा बढ़ाई

काकीनाडा, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने किसानों के अनुरोध पर धान खरीद बैग की सीमा बढ़ा दी है। राज्य के गृह मंत्री तनेती वनिता ने घोषणा की कि किसानों से धान खरीद बैग को 79 बैग से बढ़ाकर 95 बैग कर दिया गया है।

मंत्री तनेती वनिता ने नागरिक आपूर्ति के साथ बैठक में कहा कि सरकार आरबीके केंद्रों पर धान लाने के लिए परिवहन और श्रम शुल्क वहन करेगी और मुफ्त में बारदानों की आपूर्ति करेगी। रबी सीजन के कारण किसानों ने प्रति एकड़ 60 बोरी से अधिक उत्पादन किया है, लेकिन अधिकारियों ने किसानों को बताया कि वे प्रति एकड़ केवल 40 बोरी ही खरीदेंगे। जब किसान ने धान खरीद की सीमा को लेकर कोनासीमा के जिला कलेक्टर हिमांशु शुक्ला के पास अपनी चिंताओं को रखा, तो उन्होंने उनसे वादा किया कि वह सुनिश्चित करेंगे कि आंध्र प्रदेश सरकार प्रति एकड़ 50 बोरी तक खरीद करेगी।

अपमानजनक टिप्पणी को लेकर ईटेला के खिलाफ शिकायत दर्ज

हैदराबाद, 23 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा विधायक ईटेला राजेंदर के खिलाफ उस्मानिया विश्वविद्यालय पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज कराई गई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कांग्रेस पार्टी और उसके नेताओं के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की है।

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा दर्ज शिकायत में, सचिव, चरण कौशिक ने आरोप लगाया कि हाल ही में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, भाजपा नेता ने टीपीसीसी अध्यक्ष और सांसद ए रेवंत रेड्डी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की। टीपीसीसी सचिव ने कहा कि ईटेला राजेंदर ने बिना किसी वैध सबूत के भी इस तरह की टिप्पणी की। ओयू पुलिस ने कहा कि शिकायत में तथ्यों का सत्यापन किया जा रहा है और आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.